वर्ष : 3 अंक : 98 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

रविवार, 28 नवम्बर 2021

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमीक्रोन' के मद्देनजर 'प्रोएक्टिव' रहने की जरूरत : पीएम मोदी

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निगरानी करने की भी आवश्यकता

नई दिल्ली, एजेंसी। महामारी कोरोना के ताजा वेरिएंट 'ओमीक्रोन' की खबर पूरी दुनिया में खौफ बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के नए स्वरूप का पता चलने और इसे लेकर दुनिया भर में पैदा हुई आशंकाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके मद्देनजर 'प्रोएक्टिव' रहने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि लोगों को अधिक सतर्क रहने तथा मास्क पहनने व उचित दूरी सहित बचाव के सभी अन्य उपायों का पालन करने की जरूरत है। देश में कोविड-19 की ताजा स्थिति और जारी टीकाकरण अभियान की समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री ने शीर्ष अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। लगभग दो घंटे चली इस बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को कोराना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के पाए जाने से पैदा हुई चिंताओं और विभिन्न देशों में इसके प्रभावों से अवगत कराया।

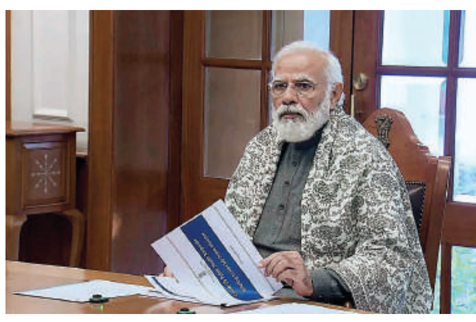

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने प्रोएक्टिव रहने व बचाव के उपायों का पालन करने के साथ ही सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की निगरानी करने की भी आवश्यकता जताई। पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सभी अंतरराष्ट्रीय विमानों की निगरानी करने के साथ ही 'जोखिम' वाले देशों से आने वाले लोगों की, दिश-निदेर्शों के अनुरूप जांच की जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कोरोना के नए स्वरूप के खतरों के मद्देनजर अधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध हटाने की योजना की समीक्षा करने को भी कहा।

डिजिटल माध्यम से हुई इस बैठक में कैबिनेट सचिव राजीव गाउबा, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) वी के पॉल, नीति आयोग के ही एके भल्ला, और भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के।विजय राघवन सहित कुछ अन्य अधिकारी मौजूद थे। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 8,318 नए मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 3,45,63,749 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम हो कर 1,07,019 हो गई, जो 541 दिनों में सबसे कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, 465 मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़ कर 4,67,933 हो गई है। कोरोना वायरस के रोज आने वाले मामले लगातार 50 दिनों से 20,000 से कम और लगातार 153वें दिन 50,000 से कम है।

देश में अब तक कोविड-19 रोधी टीके की कुल 120.96 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। इन सबके बीच, दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के एक नए स्वरूप के आने से कई देशों की चिंताएं बढ़ गई हैं और उन्होंने बचाव के उपाय करने आरंभ कर दिए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक समिति ने कोरोना वायरस के इस नए स्वरूप को 'ओमीक्रॉन' नाम दिया है और इसे 'बेहद संक्रामक चिंताजनक स्वरूप' करार दिया है। कोरोना वायरस के इस नए स्वरूप के सामने आने के बाद अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, रूस और कई अन्य देशों के साथ यूरोपीय संघ ने अफ्रीकी देशों से लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया है।

कोर्ट में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का हथियार के बिना आना चिंतनीय : न्यायाधीश

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने अभियोजन 'नायब कोर्ट' यानी अदालत में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों के अदालतों में 'निहत्थे' (बिना हथियार) के आने को चिंता का विषय बताया है। कोर्ट ने कहा कि नायब कोर्ट का ऐसे समय में अदालतों में निहत्थे आना और भी बड़ी चिंता का विषय है, जब सुप्रीम कोर्ट ने भी निचली अदालत के न्यायाधीशों को सुरक्षा संबंधी खतरा होने पर संज्ञान लिया है और पुलिस ने इस संबंध में परिपत्र जारी किए हैं। नायब कोर्ट उस पुलिसकर्मी को कहते हैं, जो स्थानीय पुलिस थाने, जेल प्राधिकारियों और उस विशेष इलाके में अधिकार क्षेत्र रखने वाली अदालत के बीच समन्वय स्थापित करने का काम करता है। वे अदालत के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए किसी मामले के संबंध में पुलिस अधिकारियों को दिए गए निदेर्शों या जारी समन का रजिस्टर तैयार करते हैं।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) सोनू अग्निहोत्री ने बिना अनुमति के अभियोजन नायब कोर्ट के अदालत से चले जाने पर गौर करते हुए यह टिप्पणी की। बिना अनुमति लिए चले जाने के बारे में सवाल किए जाने पर नायब कोर्ट ने न्यायाधीश से कहा कि वह अदालत का निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) नहीं है और उसकी ड्यूटी अतिरिक्त लोक अभियोजक के साथ ही समाप्त हो जाती है। न्यायाधीश ने 24 नवंबर के अपने आदेश में कहा, 'अभियोजन नायब कोर्ट का रवैया अजीब प्रतीत होता है, क्योंकि जब तक अदालत में काम-काज जारी है, तब तक किसी अत्यावश्यक आदेश को पहुंचाने जैसी किसी भी सेवा की आवश्यकता पड़ सकती है। वह अदालत से चला गया।'

उन्होंने कहा, 'नायब कोर्ट के कर्तव्यों संबंधी दस्तावेज मंगाया जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि क्या अदालत में काम-काज जारी रहने तक अभियोजन नायब कोर्ट का मौजूद रहना अनिवार्य है या नहीं, क्योंकि किसी आपराधिक अदालत में काम-काज के लिए सुरक्षा संबंधी अपनी अनिवार्यताएं होती है। ऐसा खासकर इस परिदृश्य में ध्यान देने योग्य है, जब उच्चतम न्यायालय ने भी निचली अदालतों के न्यायाधीशों को सुरक्षा संबंधी खतरे का संज्ञान लिया है। यह उल्लेख करना और भी प्रासंगिक है कि पुलिस विभाग द्वारा पहले जारी किए गए परिपत्रों के बावजूद, अभियोजन नायब कोर्ट अदालत में निहत्थे उपस्थित होते हैं।' इसके अलावा, न्यायाधीश ने इस बात का भी उल्लेख किया कि उनके पुलिस आयुक्त को स्पष्टीकरण के लिए निर्देशित दो आदेश भी उन्हें न भेजकर पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को भेजे गए थे। न्यायाधीश ने शीर्ष पुलिस अधिकारी को कसूरवार अधिकारियों के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि दक्षिणी-पूर्वी जिले के पुलिस अधिकारी न केवल अपने कर्तव्यों का पालन करने में विफल हो रहे हैं, बल्कि इस अदालत के आदेशों को दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक नहीं पहुंचने देने के जानबूझकर प्रयास किए जा रहे हैं।'

संक्षिप्त समाचार

एयरसेल-मैक्सिस मामला : अदालत ने पी चिदंबरम और बेटे कार्ति को 20 दिसंबर को तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की अदालत ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में सीबीआई और ईडी द्वारा पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति के खिलाफ दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लेकर उन्हें 20 दिसंबर को तलब किया। विशेष न्यायाधीश एम.के.नागपाल ने इसपर गौर करते हुए आदेश पारित किया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में चिदंबरम और अन्य आरोपियों को समन भेजने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। सीबीआई और ईडी ने अदालत को बतया किया कि ब्रिटेन और सिंगापुर को जांच से जुड़ी और सूचना प्राप्त करने के वास्ते अनुरोध पत्र भेज हैं और इस संबंध में कुछ प्रगति हुई है। अदालत में ईडी का प्रतिनिधित्व विशेष लोक अभियोजक एन.के. मट्टा ने किया, जबकि सीबीआई के लिए अधिवक्ता नूर रामपाल पेश हुए। मामला एयरसेल-मैक्सिस समझौते के लिए विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) द्वारा दी गई मंजूरी में कथित अनियमितता से जुडा है। इस समझौते को वर्ष 2006 में मंजूरी दी गई थी, तब चिदंबरम केंद्रीय वित्त मंत्री थे। सीबीआई और ईडी ने आरोप लगाया है कि वित्त मंत्री रहते हुए चिदंबरम ने समझौते को अपने अधिकार क्षेत्र से परे जाकर मंजूरी दी, जिससे कुछ लोगों को लाभ हुआ।

न्यायिक हस्तक्षेप इस तरह न हो कि लगे वह दूसरी संस्था को निशाना बना रही है : सीजेआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एनवी रमण ने कहा कि अधिकारों के बंटवारे की लक्ष्मण रेखा को 'पवित्र' माना जाता है और कभी-कभी अदालतें न्याय के हित में हस्तक्षेप करने के लिए मजबूरी होती हैं। इसका इरादा कार्यपालिका को चेताने के लिए होता है, न कि उसकी भूमिका को हथियाने के लिए। उन्होंने चेताया कि न्यायिक हस्तक्षेप को इस तरह पेश नहीं किया जाना चाहिए कि न्यायपालिका दूसरी संस्था को निशाना बना रही है। सीजेआई ने न्यायिक हस्तक्षेप को कार्यपालिका को निशाना बनाने के रूप में पेश करने के किसी भी प्रयास को लेकर आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह 'पूरी तरह से गलत' है और अगर इसे प्रोत्साहित किया गया तो यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित होगा। उच्चतम न्यायालय रजिस्ट्री की तरफ से आयोजित संविधान दिवस समारोह में सीजेआई रमण ने विशेष रूप से सोशल मीडिया में जजों और न्यायपालिका पर हमलों का मुद्दा उठाया और कहा कि वे 'प्रायोजित और समकालिक' लगते हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'न्यायपालिका के लिए गंभीर चिंता का विषय न्यायाधीशों पर बढ़ते हमले हैं।'

योगी जी आप चिंता मत करे, आप धड़ाधड़ बैंटिग करते रहे: राजनाथ सिंह

लखनऊ, एजेंसी। उत्तरप्रदेश चुनाव को देखकर भाजपा ने राज्य में अपना अभियान शुरू कर दिया है। भाजपा लगातार अपने बूथ कार्यकताओं को मजबूत करने की कोशिश में जुटी है। इसी कड़ी में शनिवार को जौनपुर में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सीतापुर के बाद जौनपुर में मैं कार्यकताओं का जोश और उत्साह देख रहा हूं। उस देखकर मैं यह कह सकता हूं, कि तीन चौथाई बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है। हमने कभी किसी देश की एक इंच जमीन पर कब्जा नहीं किया है। अगर कोई हमारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करेगा तब हम उस छोड़ने वाले है।

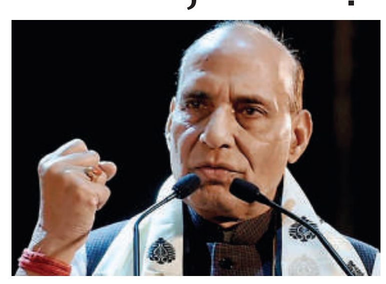

रक्षामंत्री ने कहा कि सबसे आनंद की बात यह है कि मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा वापस काशी में आ गई है, जिसे यहां से चुराकर दूसरे देशों में पहुंचाया गया था। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुनः उस भारत में लाने का काम किया है। दुनिया में इतनी बड़ी मुफ्त राशन योजना लागू करने वाला जो देश है,वहां भारत देश है।कांग्रेस पर हमला करते हुए राजनाथ ने कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकियों का हमला हुआ था। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने मुंबई में कायराना हमला किया था। उस वक्त की कांग्रेस सरकार को जो प्रभावी कदम उठाना चाहिए था, उसने नहीं उठाया। आज हर भारतीय इस सच्चाई को स्वीकार करेगा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आतंकियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

राममंदिर का जिक्र कर राजनाथ ने कहा कि जब हम कहते थे, रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। तब हमारे विरोधी कहते थे- भाजपा के लोग इसतरह की बोलते हैं, जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम करते हैं। हम लोग जानते थे, हम किसी को गुमराह नहीं कर रहे हैं। जब देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी, हमने चुटकी बजाकर धारा 370 को खत्म किया। आज अयोध्या की धरती पर भव्य श्रीराम का मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। जो लोग मानते थे कि राम मंदिर बनने का सपना साकार नहीं होगा,वहां आज देख सकते हैं। योगी की तारीफ राजनाथ ने कहा कि आज मुख्यमंत्री का नाम सुनते ही गुंडे-माफियाओं के दिल में दहशत पैदा हो जाती है। कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर हुई है, प्रदेश में निवेश भी आया। आप तो जानते ही हैं कि योगी कितने बड़े बल्लेबाज है।जिस दिन सोशल मीडिया में योगी जी कंधे पर मोदी जी के हाथ रखी तस्वीर आई थी। तब जानते हैं मोदी जी ने क्या कहा था, योगी जी आप चिंता मत करिए, आप धड़ाधड़ बैंटिंग करते जाइए।

प्रियंका गांधी महोबा में भरेंगी हुंकार यूपी कांग्रेस का दावा पीएम मोदी की जनसभा से ज्यादा जुटेगी भीड़

बुंदेलखंड, एजेंसी। यूपी में विधानसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में प्रियंका गांधी बुंदेलखंड के महोबा में आज प्रतिज्ञा रैली करेंगी। इसकी तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू हाल ही में महोबा पहुंचे।इस दौरान अजय कुमार ने कार्यकताओं के साथ बैठक की और प्रियंका गांधी की प्रतिज्ञा रैली को सफल बनाने की बात कही। वहीं उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बीजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। दरअसल, बुंदेलखंड का महोबा 2022 के विधानसभा चुनाव में सभी दलों को लुभा रहा है। बुंदेलखंड की 19 सीटों को पाने के लिए पक्ष-विपक्ष सभी बेचैन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल ही में महोबा में आकर अर्जुन सहायक परियोजना का लोकार्पण किया और परिवारवाद की पार्टियों पर निशाना साधा था। वहीं अब प्रियंका गांधी भी आज 27 नवंबर को महोबा के छत्रसाल स्टेडियम में आ रही हैं। कांग्रेसियों का दावा है कि इस प्रतिज्ञा रैली में पीएम मोदी की जनसभा से अधिक भीड़ जुटेगी। यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू महोबा में अपनी टीम के साथ मौजूद हैं और प्रियंका गांधी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को दिशा निर्देश दे रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गैर कांग्रेसी सरकारों ने बुंदेलखंड को खूब लूटा है यहां की खनिज संपदा और यहां के वैभव को लूट लिया गया। जबकि कांग्रेस में सत्ता के दौरान इस क्षेत्र का खूब ख्याल रखा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी सिर्फ घोषणाएं करते हैं। महोबा में प्रधानमंत्री ने किसी भी किसान परिवार से मुलाकात नहीं की। प्रियंका आज महोबा में प्रतिज्ञा रैली करेंगी यहां वह आकर बुंदेलखंड के लोगों के सामने अपनी प्रतिज्ञाए बताएंगी।

लाखों युवा भूख से मर रहे हैं, ड्रग रिपोर्ट जारी नहीं की गई तो शुरू करेंगे भूख हड़ताल : सिद्धू

चंडीगढ़, एजेंसी। कांग्रेस, पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को हटाकर चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाने के बाद कांग्रेस पंजाब में लगातार डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है। अमरिंदर के नाराजगी के बावजूद सिद्धू को पंजाब कांग्रेस की कमान सौंपी गई है। सिद्धू और अमरिंदर के बीच जबरदस्त टकराव की स्थिति देख पार्टी आलाकमान ने अमरिंदर की जगह चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री तो बना दिया लेकिन इससे भी सिद्धू शांत नहीं हुए हैं। कैप्टन अमरिंदर के बाद अब उन्होंने सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अपनी ही सरकार को चेतावनी देते हुए सिद्धू ने कहा अगर ड्रग्स रिपोर्ट जारी नहीं की गई तो वह अपनी ही सरकार के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लाखों नौजवान ड्रग्स लेकर मर रहे हैं। ऐसे में पंजाब में नशे की बढ़ती खपत और कारोबार को लेकर सरकार को जल्द रिपोर्ट जारी करनी चाहिए, नहीं तो वह सार्वजनिक रूप से भूख हड़ताल पर बैठ जाएंगे। इतना ही नहीं एक और मसले पर नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठाया है। सिद्धू ने कहा पूर्व डीजीपी सुमेध सिंह सोलंकी को अग्रिम जमानत के विरोध में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका क्यों नहीं दायर की? इतना ही नहीं, उन्होंने सुनील जाखड़ को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि उन्होंने कभी इस मुद्दे को नहीं उठाया। हालांकि सिद्धू के इस आरोप के बाद जाखड़ ने व्यंगात्मक लहजे में इसका जवाब भी दिया। जाखड़ ने एक शेर से इसका जवाब दिया जिसका मतलब था कि बुत उन्हें काफिर कह रहा है। पंजाब के फरीदकोट में 2015 में एक धार्मिक पुस्तक की बेअदबी का विरोध कर रहे लोगों पर गोली चलाने के एक मामले में सैनी आरोपी हैं।

मोदी सरकार ने किसानों की एक और मांग मानी, अब पराली जलाना नहीं होगा अपराध

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने दी इसकी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि कानून वापसी के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने किसानों की एक और महत्वपूर्ण मामले में मांग स्वीकार कर ली है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान संगठनों ने किसानों द्वारा पराली जलाने को अपराध से मुक्त करने की मांग की थी। भारत सरकार ने भी इस मांग को स्वीकार कर लिया है। पराली जलाने को अपराध की श्रेणी से बाहर रखने का फैसला केंद्र ने संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने से दो दिन पहले किया है। इससे पहले तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फसल विविधीकरण, शून्य-बजट खेती, और एमएसपी प्रणाली को और अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की है। इस कमेटी में किसान संगठनों के प्रतिनिधि होंगे। उन्होंने कहा कि इस समिति के गठन से एमएसपी पर किसानों की मांग पूरी हुई।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने के संदर्भ में कहा कि इससे जुड़ा विधेयक शीतकालीन सत्र के पहले दिन (29 नवंबर को) संसद में पेश किया जाएगा। तोमर ने कहा कि तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा के बाद किसानों के आंदोलन को जारी रखने का कोई मतलब नहीं है। मैं किसानों से आंदोलन समाप्त करने और घर जाने का आग्रह करता हूं। समाचार के अनुसार तोमर ने कहा कि तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने के फैसले के बाद मैं समझता हूं कि अब इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता है। मैं किसान संगठनों से आग्रह करता हूं कि वह आंदोलन समाप्त करें। प्रधानमंत्री ने जो घोषणा की है उसका सम्मान करते हुए किसानों को घर लौटना चाहिए। वह बड़े मन का परिचय दें।

किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मामलों को लेकर तोमर ने कहा 'जहां तक आंदोलन के दौरान दर्ज मामलों का संबंध है, यह राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है और वे निर्णय लेंगे। राज्य सरकारें अपनी राज्य नीति के अनुसार मुआवजे के मुद्दे पर भी निर्णय लेंगी।'

रेल राज्य मंत्री ने 'रामपथ यात्रा स्पेशल ट्रेन' को झंडी दिखाकर रवाना किया

मुंबई,, एजेंसी। रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दादाराव पाटिल दानवे ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुणे रेलवे स्टेशन से 'रामपथ यात्रा स्पेशल ट्रेन' को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुरलीधर मोहोल, महापौर, सुनील कांबले, विधायक पुणे, पुणे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मध्य रेल के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी और रजनी हसीजा, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, आईआरसीटीसी वेबलिंक के माध्यम से समारोह में शामिल हुए। रेणु शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, पुणे मंडल और मध्य रेल और आईआरसीटीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी पुणे स्टेशन पर उपस्थित थे. रेल राज्य मंत्री ने रावसाहेब पाटिल दानवे ने अपने संबोधन में कहा कि

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की अपील के अनुरूप, देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ह्यदेखो अपना देश' अभियान शुरू किया गया था। रामपथ यात्रा ट्रेन रामायण सर्किट का एक हिस्सा है और प्रभु राम की यात्रा में महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ती है। उन्होंने रेल प्रशासन विशेषकर आईआरसीटीसी को रामपथ यात्रा पैकेज में श्रद्धालुओं के लिए टिकट, रहने, भोजन, परिवहन, टूरिस्ट गाइड आदि की सभी व्यवस्था करने के लिए बधाई दी। उन्होंने इस यात्रा में जाने लोगों को अपने अनुभवों को व्यापक रूप से साझा करने का आग्रह किया, जिससे माननीय प्रधान मंत्री के 'देखो अपना देश' अभियान और रामायण सर्किट को एक बड़ी सफलता मिले।

- मुख्य विशेषताएं:

'रामपथ यात्रा' एक तीर्थ स्पेशल पर्यटक ट्रेन है जो अयोध्या, नंदीग्राम, वाराणसी, प्रयाग, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर करने वाला एक समावेशी टूर पैकेज है। इस तीर्थ विशेष पर्यटक ट्रेन की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट और आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय कार्यालयों, क्षेत्रीय कार्यालयों और पर्यटक सुविधा केंद्रों पर भी ऑनलाइन की जाती है। यह तीर्थयात्रा स्पेशल पुणे-अयोध्या-पुणे यात्रियों के बोर्डिंग और डिबोर्डिंग के लिए लोनावला, पनवेल, कल्याण, नासिक, मनमाड, चालीसगांव, जलगांव, भुसावल, खंडवा और इटारसी में रुकेगी। अयोध्या और वाराणसी में पर्यटकों हेतु हाल्ट प्रदान किए गए हैं। ट्रेन की संरचनाः पांच एसी -3 टियर, पांच स्लीपर क्लास और एक पेंट्री कार के साथ 2 लगेज कम ब्रेक वैन हैं।

भारत को अपने लोकतांत्रिक स्वरूप को लेकर बाहरी एजेंसियों की मान्यता की जरूरत नहीं : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि देश में लोकतंत्र की कार्यप्रणाली सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और न्याय सुनिश्चित करने के संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप है और इसे किसी बाहरी एजेंसी से मान्यता की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी वरिष्ठ पत्रकार ए सूर्य प्रकाश द्वारा लिखित पुस्तक डेमोक्रेसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस के अंग्रेजी और हिंदी संस्करणों का विमोचन करते हुए की।

सूर्य प्रकाश नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय की कार्यकारी परिषद के उपाध्यक्ष हैं और संसदीय एवं संवैधानिक मुद्दों पर एक प्रमुख टिप्पणीकार हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे धर्मनिरपेक्ष देश है, जबकि पश्चिमी मीडिया में धर्मनिरपेक्षता और प्रेस की स्वतंत्रता के मुद्दों पर भारत और उसकी सरकार को नीचा दिखाने का चलन है। उन्होंने कहा हम एक प्रवृत्ति देख रहे हैं, विशेष रूप से पश्चिमी मीडिया में, भारत और सरकार को नीचे गिराने के लिए। वे भारत को एक खराब संदर्भ में चित्रित करते हैं। वे इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि भारत आगे बढ़ रहा है, भारत को एक बार फिर दुनियाभर में पहचाना और सम्मानित किया जा रहा है। वे भारत को एक नकारात्मक रूप में चित्रित करने की कोशिश करते हैं। वे हमारी श्रेष्ठता और तरक्की को पचा नहीं पाते हैं।

नायडू ने कहा कि एक भारतीय नागरिक होने के नाते संविधान की भावना और दर्शनशास्त्र का पालन करना है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों के बीच समान रूप से बंधुत्व को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा पश्चिमी मीडिया अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर हमारे देश को नीचे गिराते हैं। भारत, मेरे अपने अध्ययन के अनुसार, दुनिया का सबसे धर्मनिरपेक्ष देश है। यहां सभी जाति, पंथ या धर्म के लोगों का सम्मान किया जाता है।

एलन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सेवाओं को नहीं मिला लाइसेंस

सरकार ने उपभोक्ताओं को न खरीदने के लिए किया आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय दूरसंचार विभाग ने भारतीय उपभोक्ताओं को एलन मस्क की स्टारलिंक इंटरनेट सेवाओं को नहीं खरीदने की के लिए आगाह किया है। दरअसल, देश में अभी तक कंपनी को इसका लाइसेंस नहीं मिला है। दूरसंचार विभाग ने एलन मस्क की कंपनी को 'सैटेलाइट-आधारित सेवाओं की पेशकश करने से पहले लाइसेंस हासिल करने' के लिए कहा है। सरकार ने बताया कि 'स्टारलिंक इंटरनेट सर्विसेज' के पास भारत में सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं की पेशकश करने का लाइसेंस नहीं है।

सरकार ने कहा 'यह पता चला है किमेसर्स स्टारलिंक ने भारत में सैटेलाइट आधारित स्टारलिंक इंटरनेट सेवाओं की प्री-सेलिंग/बुकिंग शुरू कर दी है।स्टारलिंक की वेबसाइट से भी यही स्पष्ट होता है, जिसमें भारतीय क्षेत्र में यूजर्स द्वारा सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं को बुक किया जा सकता है।' स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट आधारित सेवाएं प्रदान करने के लिए दूरसंचार विभाग से 'अपेक्षित लाइसेंस' प्राप्त करने की जरूरी है। सरकार ने नागरिकों को चेतावनी भी दी है। सरकार ने कहा है ह्यजनता को सूचित किया जाता है कि उक्त कंपनी के पास सैटेलाइट आधारित इंटरनेट सेवाओं के लिए लाइसेंस नहीं है। स्टारलिंक के पास लाइसेंस नहीं है, इस बात को ध्यान में रखते हुए जनता को सलाह दी जाती है कि वे विज्ञापन में बताए जा रहे स्टारलिंक सेवाओं की सदस्यता न लें।' सरकार ने कंपनी से सैटेलाइट आधारित संचार सेवाओं को प्रदान करने के लिए भारतीय नियामक ढांचे का पालन करने और 'तत्काल प्रभाव से भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं की बुकिंग ना करने' के लिए कहा है।

तीन दिन से भूख हड़ताल पर है अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर डील केस में तिहाड़ में बंद क्रिश्चियन मिशेल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर डील मामले में तिहाड़ जेल में बंद कथित बिचौलिया रहे क्रिश्चियन मिशेल ने गुरुवार से खाना नहीं खाया है। जेल प्रशासन के अनुसार, क्रिश्चियन मिशेल के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। अगस्ता वेस्टलैंड चॉपर डील घोटाले में आरोपी क्रिश्चियन मिशेल प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था।

उल्लेखनीय है कि दुबई से प्रत्यर्पित कर लाए गए क्रिश्चियन मिशेल को ईडी ने 22 दिसंबर 2018 को गिरफ्तार किया था। मिशेल को ईडी के मामले में 5 जनवरी 2019 को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। उसे घोटाले के संबंध में सीबीआई के मामले में भी न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

क्रिश्चियन मिशेल को यूएई में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे चार दिसंबर 2018 को प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। यहां अगले दिन उसे अदालत में पेश किया गया, जहां सीबीआई को उससे हिरासत में पूछताछ की अनुमति दी गई, इसके बाद में उसे ईडी ने गिरफ्तार किया। क्रिश्चियन मिशेल के वकीलों ने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय पर गंभीर आरोप लगाए थे।

वकीलों ने कहा था कि क्रिश्चियन मिशेल को पूरी तरह से काउंसर एक्सेस नहीं मिल पा रहा है। वकीलों ने यह भी कहा था कि तिहाड़ जेल परिसर में मौजूद ईडी और सीबीआई के अधिकारी दखल देने की कोशिश करते हैं।

बच्चों के साथ डीएलएसए साउथ ने मनाया संविधान दिवस

» **विजय गौड़ विशेष संवाददाता**

प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को मनाए जाने वाले संविधान दिवस के उपलक्ष्य में, डीएलएसए (दक्षिण) ने 26.11.2021 को 'मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों का सामाजिक महत्व' विषय पर एक कानूनी जागरूकता, प्रस्तावना पठन सत्र और एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन आरोहण एनजीओ, मालवीय नगर, नई दिल्ली के बच्चों के लिए किया।

न्यायाधीश नबीला वाली, सचिव डीएलएसए (दक्षिण) ने बच्चों को संवैधानिक नियमों , मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों, मुफ्त कानूनी सहायता के अधिकार और डीएसएलएसए द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में संबोधित किया। उन्होंने बच्चों को उनके साथ हिंदी और अंग्रेजी में प्रस्तावना पढ़कर संवैधानिक नियमों द्वारा पालन करने की शपथ भी दिलाई। डीएलएसए (दक्षिण) द्वारा भारत के संविधान पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस के पोल खोल यात्रा के दौरान अंबेडकर नगर में प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी का भव्य स्वागत

मदरलैंड संवाददाता नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अपने खोए हुए जनाधार को वापस पाने के लिए लगातार कवायद कर रहे हैं। इसी के तहत दिल्ली प्रदेश कांग्रेस द्वारा पूरी दिल्ली में भाजपा एवं आम आदमी पार्टी के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया जा रहा है। पिछले दिनों अंबेडकरनगर के देवली रोड पर प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी एवं स्थानीय कांग्रेस कार्यकताओं ने पोल खोल अभियान चलाया जहां प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी का कांग्रेसी कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। इसकी जानकारी देते हुए हरविंदर चौधरी ने बताया की इस अवसर पर दक्षिण दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश कुमार युवा कांग्रेसी नेता जग प्रवेश कुमार कांग्रेसी नेता अजय गुप्ता आनंद चौधरी सुंदर सिंह के अलावा भारी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी ने बताया कि भाजपा अपने वादे को निभा नहीं पाई तथा आम आदमी पार्टी लगातार झूठ बोलती रही ऐसे में जनता का झुकाव फिर से कांग्रेस की तरफ बढ़ने लगा है । आगामी निगम चुनाव में दिल्ली की जनता फिर से कांग्रेस को सत्तासीन करेगी। कांग्रेस के युवा नेता हरविंदर सिंह ने कहा कि वार्ड संख्या 81 खानपुर में इस बार कांग्रेस अपना परचम लहरागी। हरविंदर चौधरी ने कहा कि दिल्ली सरकार यहां के मतदाताओं एवं जनता को पानी उपलब्ध कराने में बेशक नाकामयाब साबित हो रही हो लेकिन घर–घर शराब परोसना आज उसके लिए आसान हो गया है । ऐसी स्थिति में अराजकता एवं अपराधिक तत्वों काफी सक्रिय हो जाएंगे।

रविवार को मनाया जायेगा हिमाचल प्रदेश की पचासवीं वर्षगांठ

अभिषेक मानव, मदरलैंड संवाददाता, हिमाचल प्रदेश अपने राज्य की 50वीं वर्षगांठ मना रहाहै और राज्य सरकार इसे 'स्वर्णिम हिमाचल महोत्सव'के रूप में मना रही है। 5 दिसंबर, 2021 को सुबह 8:30 बजे (रविवार) कोराजघाट से हिमाचल भवन तक एनसीआर दिल्ली मेंरहने वाले हिमाचली प्रवासियों के सहयोग से 'रन फॉरहिमाचल', हिमाचल मैराथन का आयोजन करने कानिर्णय लिया गया है। 'रन फॉर हिमाचल' को राज्यसभा सदस्य और भाजपाके राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश जय राम ठाकुर,केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री, युवा मामले और खेल अनुराग ठाकुर एवं राकेश पठानिया, वन, युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री,हिमाचल प्रदेश द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा ।

दिल्ली कांग्रेस को झटका सीनियर लीडर और 5 बार के पार्षद मुकेश गोयल 'आप' में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आगामी एमसीडी चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी को आज एक बार फिर उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब पार्टी के एक वरिष्ठ नेता मुकेश गोयल अपने समर्थकों के साथ आम आदमी पार्टी (आप) में शामिल हो गए। इनके आलावा कई अन्य कांग्रेसी नेता भी आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को 'आप' मुख्यालय में कांग्रेस के बड़े नेता मुकेश गोयल का आम आदमी पार्टी में स्वागत किया।

मीनाक्षी लेखी ने नई दिल्ली में ब्व्टप्क-19 के खिलाफ टीकाकरण अभियान का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केन्द्रीय विदेश और संस्कृति राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने गेट नंबर 1, प्रस्तावित ळच्व।2 कार्यालय भवन, श्री माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली में सेंट्रल विस्टा मजदूरों के लिए एक और मुफ्त covid-19 टीकाकरण शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने इससे पहले 24 नवंबर, 2021 को 'हर घर दस्तक अभियान' के तहत स्वामी शिव नारायण मंदिर बीआर कैंप, रेस कोर्स क्लब, नई दिल्ली में टीकाकरण अभियान का उद्घाटन किया था।

श्रीमती मीनाक्षी लेखी ने साइट का दौरा किया और लाभार्थियों से बातचीत की। उन्होंने covid-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मजदूरों का टीकाकरण अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि सेंट्रल विस्टा हमारी सरकार के लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट है और इसमें ब्व्टप्क से संबंधित प्रतिबंधों के कारण किसी भी देरी का सामना नहीं करना चाहिए। समाज के सबसे निचले तबके की जरूरतों को पूरा करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन पर हम सभी 'हर घर दस्तक अभियान' के तहत काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी क्षमता अनुसार सब कुछ करें ताकि हमारे निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को पूरी तरह से टीका लगाया जाए।

श्रीमती लेखी ने उस समय को याद किया जब महामारी चरम पर थी और उन्होंने केन्द्र सरकार, डॉक्टरों, कोरोना योद्धाओं और अन्य लोगों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने बुरे समय में लोगों की मदद की। उन्होंने कहा कि जब हम लोगों की मदद कर रहे थे तो कुछ अन्य लोग प्रवासी दैनिक ग्रामीणों को वापस भेजकर सरकार के खिलाफ साजिश रच रहे थे। हम सभी को यह याद रखना चाहिए और पता होना चाहिए कि असली हीरो कौन हैं। उन्होंने राशन और अन्य सुविधाओं के साथ सभी की मदद करने के लिए केंद्र सरकार की योजना की सराहना की, जिससे 80 करोड़ से अधिक लोगों को मदद मिली। उन्होंने कहा कि यह हमारे राष्ट्र की ताकत है और हमें चुनौतीपूर्ण समय को हराने के लिए मिलकर काम करना होगा। घर-घर टीकाकरण एक महत्वपूर्ण कदम है और लोगों को आने वाले बुरे समय से बचने के लिए इसमें भाग लेना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके प्रियजनों को पूरी तरह से टीका लगाया गया है, ताकि फिर से वही स्थिति उत्पन्न न हो।

टीकाकरण शिविर का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'हर घर दस्तक अभियान' के अनुरूप है। अभियान का उद्देश्य टीकाकरण अभियान को दूर-दराज के क्षेत्रों में ले जाना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी व्यक्ति टीकाकरण अभ्यास में पीछे न रहे।

दक्षिण-पूर्व जिला प्राधिकरण एवं दक्षिण जिला प्राधिकरण ने मिलकर किया प्रस्तावना वाचन और हस्ताक्षर अभियान का आयोजन

» **विजय गौड़ विशेष संवाददाता**

दक्षिण-पूर्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं दक्षिण जिला प्राधिकरण ने मिलकर साकेत कोर्ट परिसर में संविधान दिवस समारोह, 26 नवंबर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश दक्षिण पूर्व जिला, नीना बंसल कृष्णा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कार्यवाहक) दक्षिण जिला विनय कुमार खन्ना के नेतृत्व में प्रस्तावना वाचन और हस्ताक्षर अभियान* का सफल आयोजन किया इस अवसर पर दोनों प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों ने दोनों प्राधिकरणों के सचिवों न्यायाधीश आकांक्षा व्यास एवं नबीला वाली ,*साकेत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद शर्मा , अन्य न्यायिक अधिकारी, वकील, वादी और कर्मचारी सदस्य। के साथ के प्रस्तावना पढ़ी। इसके बाद शपथ बोर्ड पर उपस्थित सभी लोगों ने हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय लोक आन्दोल व महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट ने किया कार्यक्रम का आयोजन

» **जावेद खान, मदरलैंड संवाददाता**

राष्ट्रीय लोक आन्दोलन (अन्ना हजारे जी संगठन) व महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व आईएस अधिकारी (सेवानिवृत्त अधिकारी) डॉक्टर कमल टावरी जी ने की। आगे कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय लोक आन्दोलन के सदस्य व अखिल भारतीय जाट एकता एसोसिएशन के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवराज मलिक जी ने कहा यह संगठन देश के किसानो के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा।

इस कार्यक्रम मे आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय लोक आन्दोलन की संयोजक कल्पना ईमानदार जी ने कहा की यह संगठन किसानो की, शोषण, वंचित लोगो की लड़ाई लड़ेगा। और जरुरत पडी तो देश मे बेरोजगार युवाओ की आवाज, महिलाओ के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध आन्दोलन व उनकी लड़ाई लडेगा। इस कार्यक्रम मे आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय लोक आन्दोलन के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य चौधरी भोपाल सिंह काकराण जी ने कहा की यह संगठन किसानो की आवाज बनेगा। और किसानो के संघर्ष को संसद से लेकर सड़क तक लडेगा। इस कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए सीए ध्रुव अग्रवाल जी ने कहा हम देश की जनता को इस संगठन के माध्यम से लगातार जगाने का निरंतर कार्य कर रहे है। इस कार्यक्रम मे आगे बढ़ते हुए राष्ट्रीय लोक आन्दोलन कोर कमेटी के सदस्य (दिल्ली प्रदेश) व महात्मा हजारी लाल मेमोरियल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने कहा कि यह संगठन देश मे हो रहे आन्दोलन को जोड़कर उनकी आवाज बनेगा। इस कार्यक्रम मे आगे बढ़ते हुए महात्मा हजारी लाल मेमोरियल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने कहा कि किसानो की आवाज को मजबूती से लड़ रहा है। और आपके महात्मा हजारीलाल मेमोरियल ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखकर यह माँग की थी की प्रधानमंत्री जी आप किसान बिल को रद्द करे और आप साथ ही साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य मे संशोधन करके किसानो की आय को बेहतर करने की कृपा करे । इस कार्यक्रम मे आगे बढ़ते हुए ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने बताया कि ट्रस्ट ने केंद्र सरकार के द्वारा लाए गए तीनो कृषि कानून को पहले ही बता दिया था यह कृषि कानून कभी भी लागू नही हो सकते। इस कार्यक्रम में आगे बढ़ते हुए ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने बताया की ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री जी को पत्राचार के माध्यम से पहले ही बता दिया था यह तीनो कृषि कानून किसानो के हित मे नही है। और यह कानून आप जल्द से जल्द रद्द करे। साथ ही ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने बताया कि हमने प्रधानमंत्री जी को जो पत्र लिखा था। उस पत्र मे हमने प्रधानमंत्री जी को सुझाव दिया थी कि आप न्यूनतम समर्थन मूल्य मे संशोधन करके किसानो की आय को बेहतर कर सकते है। आप जितने भी बडे उधोगपति (व्यापारियों) की कम्पनी है। जिनके नाम प्रमुख है :- टाटा, अंबानी, अडाणी, पन्तजली, आईटिसी अन्य आदि है। इन कम्पनियो के लिए एक समयसीमा रख दी जाए की यह कम्पनी 10 लाख टन से ऊपर किसानो की फसलो की जो भी खरीद करती है तो वह कम्पनियाँ किसानो की फसलो को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) से कम पर खरीद नही करेंगी । इस कार्यक्रम मे आगे बढ़ते हुए ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुज शर्मा जी ने बताया कि उन्होने प्रधानमंत्री जी पत्र लिखकर यह सुझाव भी दिया था कि वह उन बडे व्यापारियों की कम्पनियो के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर किसानो की फसलों की खरीद अनिवार्य कर दी जाए। और छोटे व्यापारियों को किसानो की फसलों को खरीदने मे थोडी छूट दी जाए। जिससे की छोटे व्यापारी कालाबाजारी नही कर पाएंगे।

उनके नाम इस प्रकार से है:- राकेश डबास जी, उमेश जी, कृष्ण डागर जी, डॉक्टर इरशाद जी, विनीत आहुजा जी, संजय कनोडिया जी, जुगल चावला जी, विमल कुमार सक्सेना जी, विजय राठी जी, कंवर सिंह जी, राजेश खरब जी, शमसेर सिंह टंडा जी, प्रदीप धन्नखंड जी, सुखदेव सिंह विर्क जी, संदीप शास्त्री जी, संदीप कुमार जी, ताऊ राजेन्द्र जी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी में करोड़ों रुपए के घोटाले की एफआईआर दर्ज

» **स्वतंत्र सिंह भुल्लर मदरलैंड संवादाता**

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा करेगी जांच , दोषी जाएंगे जेल - परमजीत सिंह सरना का दावा , 87 लाख रुपये की पकड़ी थी आर्थिक गड़बड़ी झ रजिस्टर्ड में दर्ज था 1 करोड 32 लाख रुपये , 65 लाख रुपये थे गायब -उसी खजाने में निकले थे प्रतिबंधित साढ़े 38 लाख रुपये - गृहमंत्री अमित शाह को लिखी चिट्ठी लिखकर की थी उच्चस्तरीय जांच की मांग - दिल्ली पुलिस के द्वारा केस दर्ज न करने पर पुलिस आयुक्त को लिखी थी चिटठी में नई दिल्ली , 27 नवम्बर : शिरोमणि अकाली दल (दिल्ली) के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने आज यहां दावा किया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी में हुई लाखों रुपये की आर्थिक गड़बड़ी की एफआईआर दर्ज हो गई है । गृहमंत्रालय और दिल्ली पुलिस आयुक्त के हस्तक्षेप के बाद डीआईओ ने केस रजिस्टर्ड कर लिया है । अब इस आर्थिक गड़बड़ी की गहराई से जांच होगी । दोषी पाए जाने पर 10 साल की सजा संभव है । सरना ने दावा किया है कि 13 नवम्बर को जब विपक्षी दलों के सदस्यों ने कमेटी का रिकार्ड चेक किया था तब रजिस्टर में 1 करोड 32 लाख रुपये खजाने में होना बताया गया था । लेकिन जब खजाने में रजिस्टर के हिसाब से मिलान करवाया गया तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए । इसमें से 65 लाख रुपये गायब थे । पूछने पर बताया गया कि पैसा बैंक में जमा करवाने के लिए भेजा गया है । जबकि उस दिन शनिवार था और राष्ट्रीय अवकाश के चलते बैंक बंद थे । 65 लाख रुपये के अलावा साढे 38 लाख रुपये की प्रतिबंधित करंसी बरामद हुई , जिसका चलन कुछ साल पहले भारत सरकार एंव आरबीआई ने बंद कर रखा है । इस पैसे को भी मूल में जोडा गया था , जो कानूनन कोई भी संसथा अपने पास नहीं रख सकती । इसकी शिकायत परमजीत सिंह सरना ने कमेटी प्रबंधन के खिलाफ भारी मात्रा में प्रतिबंधित करंसी रखने और लाखों रुपये की खुर्दबुर्द करने की शिकायत दिल्ली पुलिस को की थी लेकिन पुलिस आनाकानी करती रही । इसके बाद मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस के आयुक्त एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर जांच की गुहार लगाई थी । सरना ने दावा किया कि दो दिन पहले दिल्ली पुलिस ने इस मामले को रजिस्टर्ड कर लिया है और अब इसकी जांच होगी । र शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना एवं शिअदद दिल्ली के प्रधान महासचिव हरविंदर सिंह सरना ने गुरुद्वारा कमेटी के कार्यवाहक प्रबंधन पर लाखों रुपये की आर्थिक गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है । साथ ही दावा किया कि कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा एवं महासचिव हरमीत सिंह कालका गुरू की गोलक का पूरा पैसा कमेटी में खर्च करने की बजाय पंजाब में अपनी राजनीतिक पार्टी को चुनाव में मजबूत करने के लिए पहुंचा रहे हैं । पंजाब में तीन महीने बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और दिल्ली कमेटी से पूरा पैसा भेजा जा रहा है । सरना ने दावा किया है कि उन्हें कमेटी में करोड़ों रुपए की गड़बड़ी का अंदेशा है । लिहाजा इसकी उच्चस्तरीय जांच के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है । पत्र के मांग की गई है कि कमेटी में आर्थिक निगरानी के लिए एक रिसीवर नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि

गुरू की गोलक को लुटने से बचाया जा सके । सरना ने कहा कि आर्थिक गड़बड़ी की शिकायत दिल्ली पुलिस से भी की गई है और कोषागार सील करने की मांग की गई , लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है । इस मसले को भी गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष उठाते हुए हस्तक्षेप की मांग की है । परमजीत सिंह सरना ने दावा किया है पिछले कुछ महीनों से कमेटी में गुरू की गोलक नाजायज तरीके से निजी कार्यों , सदस्यों को लुभाने , गाड़ी खरीदने कर गिफट देने में इस्तेमाल की जा रही है । जबकि , कार्यवाहक अवस्था में सिर्फ जरूरी काम ही करने का अधिकार होता है । गृहमंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में दिल्ली कमेटी के पूर्व अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने कमेटी प्रबंधकों द्वारा प्रतिबंधित साढे 38 लाख रुपये की नगदी रखने की जांच की मांग की है । इतनी बड़ी प्रतिबंधित रकम रखना कानूनन जुर्म है । लिहाजा , इस मामले की उच्चस्तरीय से जांच कराई जानी चाहिए । जांच होने पर करोड़ों रुपए का घोटाला पकड़ा जाएगा और इसमें शामिल खिलाड़ी जेल जाएंगे । इस मसले को लेकर परमजीत सिंह सरना अपनी पार्टी और विपक्षी दलों को साथ लेकर बहुत जल्द दिल्ली के उपराज्यपाल से भी मुलाकात करेंगे । खजाने में भारी मात्रा में प्रतिबंधित नोट मिलना संदिग्ध हरविंदर सरना दिल्ली कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा को हराने वाले दिल्ली कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हरविंदर सिंह सरना ने दावा किया है कि खजाने की जांच पड़ताल के दौरान 1.30 करोड़ रुपये का रिकार्ड दिखाया गया , उसमें से साढ़े 38 लाख रुपये पुरानी नगदी मिली , जो भारत सरकार एवं रिजर्व बैंक आफ इंडिया की ओर से प्रतिबंधित है । इतनी बड़ी रकम कोई भी संस्था खजाने में नहीं रख सकती है । हरविंदर सरना ने कमेटी प्रबंधन से सवाल पूछा कि एक साल पहले तक केंद्र की मोदी सरकार में शिरोमणि अकाली दल बादल भागीदार रहा और पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की पत्नी बीबी हरसिमरत कौर बादल केंद्रीय मंत्री रही । उस वक्त ये प्रतिबंधित साढ़े 38 लाख रुपए रिजर्व बैठक आफ इंडिया में जमा क्यों करवाए गए । उन्हें अंदेशा है कि कमेटी प्रबंधन के लोग प्रतिबंधित नोटों को लेकर नए नोट देने का काम कर रहे थे । गबन का सवाल पूछने पर मीडिया को धमका रही है कमेटी शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के महासचिव हरविंदर सिंह सरना ने आरोप लगाया कि दिल्ली कमेटी के सदस्य एवं नेता घोटाले की जानकारी पूछने पर मीडिया के प्रतिनिधियों को धमका रहे हैं और सरेआम दुव्यर्हार कर रहे हैं । सरना ने कहा कि पिछले दिनों कमेटी की प्रेस कांफ्रेंस में लाइव उनकी जबरदस्ती देखी गई है । लेकिन वह ऐसा नहीं होने देंगे । अकाली दल के नेताओं को खुर्दबुर्द की गई गुरू की गोलक का हिसाब तो देना ही पडेगा ।

संक्षिप्त समाचार

नवागुंतक कोतवाली प्रभारी का व्यापार मंडल ने किया स्वागत

फैजान भारती, मदरलैंड संवाददाता, सिकंदराराऊ कोतवाली पर एटा से स्थानांतरित होकर आये नवागुंतक कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सिंह का अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल सिकन्दराराऊ के पदाधिकारियों ने कोतवाली पर माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया ।इस मौके पर व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष संजीव महाजन ने कहा कि नवागुंतक कोतवाली प्रभारी का कसबा के व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए उनका पूर्ण सहयोग किया जाएगा ।और जितनी भी व्यापारियों संबंधित समस्या होगी उनको आपस में बैठकर ने निपटाया जाएगा। कोतवाली प्रभारी का स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से अध्यक्ष संजीव महाजन महामंत्री प्रबीन कुमार वार्ष्णेय, विधानसभा अध्यक्ष बबलू सिसौदिया, उपाध्यक्ष नीरज वैश्य, जिला उपाध्यक्ष नवेद खान, कोषाध्यक्ष इरफान सैफी , दुर्वेश पचोरी ,राज वार्ष्णेय,आकाश वार्ष्णेय आदि थे।

आईरा की बैठक आज

अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी ।ऑल इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (आईरा) मैनपुरी की अति आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष अजय सक्सेना के निर्देशन पर दिनांक 28 नवंबर 2021 दिन रविवार समय 1:00 बजे विकास भवन के पास, दीवानी रोड स्थित प्रथा प्रतिज्ञा ऑफिस में आहूत की गई है ।जिसमें सभी सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होना है। बैठक में आईरा आगरा मंडल संरक्षक किशोर इटावी तथा मंडल अध्यक्ष प्रदीप भदोरिया भी उपस्थित रहेंगे।
उक्त आशय की जानकारी देते हुए आईरा जिला महा सचिव अजय किशोर ने बताया है की इस बैठक में सभी सदस्यों को नवीन फॉर्म भरकर उन्हें तुरंत जमा करनाहोगा।इसलिए सभी सदस्य व पदाधिकारी अपने आधार कार्ड की फोटो कॉपी, 3 फोटो, प्रेस अथॉरिटी लेटर साथ लेकर आना अनिवार्य है ।जिससे उनके फॉर्म तुरंत वही भरवा कर उन्हें पूरा किया जा सके, ।सभी सदस्य इस बैठक में उपस्थित अवश्य हो ।

लोगों को भड़काने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी एडीएम

मदरलैंड संवाददाता, सिकन्दराराऊ आप लोग प्रशासन का सहयोग करके अपने मोहल्लों के लोगों को समझा कर वैक्सीनेशन जायदा जायदा अवश्य लगवाये।उक्त बातें कोरोना वैक्सीन नेशन को शत प्रतिशत सत्य लगाने के लिए नगर के आचार्य स्कूल में आयोजित कछुआ डीलरों के सभासदों की बैठक को संबोधित करते हुए एडीएम मोइन इस्लाम ने कही ।वही एडीएम ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जो लोग वैक्सीनेशन कराने वाले लोगों को भड़काने का कार्य कर रहे हैं । उनको खुफिया एजेंसी द्वारा चिन्हित कराया जा रहा है जिनके खिलाफ महामारी अधिनियम संशोधन 2020 के तहत कार्रवाई की जाएगी जिसमें 3 साल की जेल होगी।एडीएम ने आगे कहा कि हमको अपने मित्रो मोहल्लों व परिवार के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए वैक्सीनेशन अवश्य कराना होगा ।क्योंकि अगर एक भी व्यक्ति वैक्सीनेशन कराने से छूट गया तो अन्य लोगों को भी खतरा हो सकता है।जिसको लेकर जागरूक लोग अपने पड़ोस में रहने वाले लोगों के अवश्य टीकाकरण कराये।इस दौरान बैठक में एसडीएम बे सिंह सिंह चौहान सीएचसी प्रभारी डॉ रजनीश यादव नगरपालिका लेखाकार कपिल कुमार सभासद मीरा माहेश्वरी कमलेश शर्मा रामदास बाल्मीकि एवरन सिंह फहीम अंसारी इमरान अली चाहत मोहम्मद राम कुमार चौहान हाजी मोहम्मद नईम पवन कुमार वार्ष्णेय राजू अंसारी पवन कुमार शर्मा शालिनी सिंह हीरो हाफिज जी आदि थे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक में समाधान दिवस पर जनता की समस्याएं

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोतवाली का औचक निरीक्षण कर जन-समस्याएं सुनने के दौरान उपस्थित राजस्व, पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि थाना समाधान दिवस में जनता दर्शन, आई.जी.आर.एस. पोर्टल, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, संपूर्ण समाधान दिवस के माध्यम से भूमि संबंधी जिन शिकायतों का निस्तारण अभी तक नहीं किया गया है, उन्हें थाना समाधान दिवस में संज्ञान लेकर पुलिस, राजस्व की टीम को मौके पर भेजकर निराकरण कराया जाए, सुनिश्चित किया जाये कि भूमि विवाद, पैमाइश से संबंधित शिकायतों पर थाने से ही टीम भेजकर समस्या का निदान कराएं, मौके पर दोनों पक्षों की मौजूदगी में पैमाइश करायी जाए, दोनों पक्षों से कृत कार्यवाही पर हस्ताक्षर कराए जाएं साथ ही दोषी पक्ष को भारी मुचलके में धारा-107/16 में पाबंद किया जाए, थाना समाधान दिवस पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता परक निराकण हो, कोई भी शिकायती प्रार्थना पत्र अनिस्तारित न रहे । जिलाधिकारी ने कहा कि सभी थानों में भूमि विवाद सम्बन्धी रजिस्टर बनाया जाये, जहां भूमि सम्बन्धी रजिस्टर बने हैं उन्हें अद्यावधिक कर जहां भी भूमि विवाद हैं, वहां दोनो पक्षों को 107/16 में पाबंद किया जाये यह कार्य युद्धस्तर पर किया जाये, लेखपाल, बीट कांस्टेबिल जहां भी भूमि सम्बन्धी विवाद हों, उसकी जानकारी थाने को उपलब्ध करायें, सम्बन्धित थानाध्यक्ष भूमि विवाद के प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही करें।भूमि विवाद, पैमाईश के प्रकरण में राजस्व, पुलिस की संयुक्त टीम थाने की जीडी में इन्द्राज कर मौके पर जाकर कार्यवाही करें, किसी भी माध्यम से प्राप्त शिकायत का गुणवत्ता परक स्थायी निराकरण कराया जाये।उन्होने कहा कि जनपद में भूमि विवाद की अधिकांश शिकायतें मिल रही हैं, राजस्व कर्मी अपने-अपने क्षेत्र में भूमि पर अनाधिकृत कब्जा करने वालों को चिन्हित करें, उनके विरुद्ध भू-माफिया में कार्यवाही की जाए, उनसे भूमि खाली कराकर जुमार्ना भी वसूला जाए, समाधान दिवस रजिस्टर में समस्या का समाधान करने के पश्चात स्पष्ट टिप्पणी अंकित की जाए ताकि कोई भ्रम न रहे।उन्होने कहा कि लेखपाल, बीट कांस्टेबल अपने-अपने क्षेत्र के दबंग, शरारती तत्वों, जबरन भूमि पर कब्जा करने वालों पर नजर रखें, अपने-अपने क्षेत्र में अवैध शराब पर भी निगरानी रखें यदि कहीं अवैध शराब की बिक्री की जा रही हो तो उसकी सूचना संबंधित थाने को उपलब्ध करायें।कोतवाली सदर में मोहल्ला चौथियाना नि. सुरेश सिंह पुत्र रामलाल ने जमीनी विवाद से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया, जिसे क्षेत्रीय लेखपाल को पृष्ठाकिंत कर प्रभावी निस्तारण हेतु उपलब्ध कराया।थाना समाधान दिवस के अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर अमर बहादुर सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली आदि उपस्थित रहे।

1 सप्ताह में दूसरी महिला का सिर कटा शव नहर में मिलने से क्षेत्र में दहशत

» अंटू मिश्रा, मदरलैंड संवाददाता

एटा। अवागढ़ क्षेत्र में सिर काटकर महिला की नृशंस हत्या कर दी गई।उसका शव शनिवार की सुबह गांव बोर्राकलां के पास नहर में मिला। सूचना पर एसएसपी उदय शंकर सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए। मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है।इससे दस दिन पहले इसी बंबा में एक महिला का शव मिला था, उसकी पहचान भी नहीं हुई।

बोर्राकलां निवासी एक व्यक्ति शनिवार सुबह लगभग सात बजे खेत में पानी लगाने के लिए गया।वह नहर के पास पहुंचा तो उसे पानी में करीब 30 वर्षीय महिला का सिरविहीन शव तैरता हुआ दिखा। जानकारी पर ग्राम प्रधान शंकरपाल सहित तमाम लोग पहुंच गए। पुलिस को सूचना दी गई। एसएसपी के साथ ही एएसपी धनंजय कुशवाह, सीओ इमरान नारिस खान और थानाध्यक्ष विनोद कुमार मौके पर पहुंचे।घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया।

महिला के शरीर पर नहीं है कोई चोट का निशान

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शव पुराना नहीं है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि रात को ही महिला की हत्या की गई है।महिला के शरीर पर अन्य कोई चोट का निशान नहीं है। पुलिस को नहर के पास से आठ नंबर को एक जोड़ी चप्पल लाल रंग की मिली हैं।पहचान के लिए दोनों चप्पलों को सुपुदर्गी में लिया गया है।

सीओ जलेसर इमरान नासिर ने बताया कि महिला का सिर नहीं मिला है।पोस्टमार्टम के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। उसका शव नग्न अवस्था में पानी में उतराता मिला है। हालांकि दुष्कर्म की आशंका नहीं लग रही। एएसपी धनंजय सिंह कुशवाहा ने कहा कि महिला की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। महिला का सिर कटा हुआ है। रात की ही घटना प्रतीत हो रही है। मामले की जांच की जा रही है।

शौचालय पर ग्राम प्रधान ने लगा दिया है ताला, दिव्यांग व वृद्ध परेशान

» मदरलैंड संवाददाता

सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के गांव पायंदापुर निवासी विकलांग युवक ने ग्राम प्रधान पर दिव्यांगों के लिए बने गये शौचालय को नहीं खुलने पर तथा गंदगी के ढेर लगने पर रोष जताया है। ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए दिव्यांग ने कहा है कि उक्त शौचालय पर 7 महीने से ताला लगा हुआ है। जिसके चलते विकलांग व वृद्ध लोग शौच को जाने के लिए काफी परेशान है क्यो कि उनके शौचालय भी नहीं बनाए गए हैं ।उक्त घटना की जांच करके एसडीएम व जिलाधिकारी से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग गांव के दिव्यांग युवक ने की है।हसायन ब्लाक के गांव पायदापुर निवासी युवक नरेश कुमार पुत्र पोखपाल सिंह ने ग्राम प्रधान पर आरोप लगाते हुए कहा है ।कि उसके गांव में दिव्यांगों व वृद्धों के लिए शौच हेतु एक शौचालय का निर्माण किया गया है। जिस पर ग्राम प्रधान द्वारा 7 महीने से ताला लगा दिया गया है। और वही गांव में जगह-जगह गंदगी के ढेर पड़े हुए हैं तथा सफाई कर्मी नहीं आता उसके बाद भी उसकी तनख्वाह लगातार हर महीने निकाली जा रही है। नरेश कुमार ने कहा है कि गांव में गंदगी के ढेर लगने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है जिसके चलते डेंगू व मलेरिया आदि

बीमारियां फैल रही हैं। उन्होंने जिला अधिकारी व एसडीएम से मांग करते हुए कहा कि उक्त घटना की जांच कराकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। क्योंकि शौचालय के नहीं खुलने के कारण जिनके घरों में शौचालय अभी तक नहीं बने है उनको मजबूरी में खुले में शौच करने के लिए जाना पड़ता है।

अमानक नर्सिंग होमों पर शिकंजा कसने की तैयारी

» मदरलैंड संवाददाता

एटा। अमानक नर्सिंग होमों पर शिकंजा कसने की तैयारी है।नए साल से क्लीनिकल इस्टेब्लिशमेंट एक्ट रजिस्ट्रेशन एंड रेग्यूलेशन लागू किया जाना है। सीएमओ डॉ. उमेश त्रिपाठी ने बताया कि एक जनवरी 2022 से अस्पतालों के पंजीकरण के मानक बदल जाएंगे। अभी तक अस्पतालों के पंजीकरण का काम सीएमओ कार्यालय के स्तर से होता था। अब डीएम की अध्यक्षता वाले जिला रजिस्ट्रीकरण प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।प्रदेश स्तर पर राज्य नैदानिक स्थापन परिषद होगी, जो अपील संबंधी मामलों में सुनवाई करेगी। अस्पतालों के पंजीकरण की मौजूदा व्यवस्था इस साल 31 दिसंबर के बाद लागू नहीं रहेगी।वर्तमान व्यवस्था के तहत पंजीकृत सभी अस्पतालों के पंजीकरण की वैधता 31 मार्च 2022 को स्वतः खत्म हो जाएगी।

आईएमए पदाधिकारी बोले, कानून में कई खामियां

आईएमए के जिलाध्यक्ष डॉ. स्वतंत्र शर्मा ने कहा कि कानून में कई खामियां हैं। इसे छोटे-बड़े सभी चिकित्सकों पर समान रूप से लागू किया जा रहा है, जो उचित नहीं है।क्लीनिक चलाने वाले चिकित्सकों पर भी पूरे नियम लागू होंगे, जिससे काफी परेशानियां होंगी।इसलिए हम विरोध जता रहे हैं। जिला सचिव डॉ. आशुतोष गुप्ता ने कहा कि नए एक्ट की कमियों को लेकर चिकित्सकों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। झोलाछापों की संख्या बढ़ेगी। इससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी।

देश से कोरोना महामारी को जड़ से खत्म करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को करवाना होगा टीकाकरण : मंडलायुक्त श्री चंद्रशेखर

सफल जीवन के लिए वक्त, पैसा और इंसान की करें कद्रः मंडलायुक्त

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौंद / हांसी । जिला में कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान की गति को तेज करने के उद्देश्य को लेकर उप मंडल के मिर्चपुर गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जागरूक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिसार मंडल के आयुक्त श्री चंद्रशेखर ने बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।इस अवसर पर एसडीएम विकास यादव सीएमओ रत्ना भारती जिला शिक्षा अधिकारी कुलदीप सिहाग समेत कई विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री चंद्रशेखर ने इस अवसर पर विद्यार्थियों तथा ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी अभी तक पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है इसको जड़ से समाप्त करने के लिए हर व्यक्ति को कोरोना रोधी टीका अवश्य लगवाना होगा तभी हम सब लोग सुरक्षित रह सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि जिनकी आयु 18 वर्ष हो चुकी वह टीकाकरण करवाएं और परिवार के जिन सदस्यों ने अभी तक टीकाकरण नहीं करवाया है उन्हें भी टीकाकरण के महत्व बारे जागरूक करते हुए इनका भी टीकाकरण करवाएं।उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों को अपडेट करने तथा नए वोट बनाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है जिन युवाओं ने अपना वोट नहीं बनवाया है ऐसे युवा आगामी 30 नवंबर तक अपने वोट बनवा सकते हैं। 27 तथा 28 नवंबर को बूथ लेवल अधिकारी अपने अपने बूथों पर मौजूद रहकर वोट बनवाने का कार्य करेंगे।इस अवसर पर मंडलायुक्त के निदेर्शानुसार टीकाकरण कैंप का भी आयोजन भी किया गया। इस कैंप में गांव के शेष बचे लोगों का टीकाकरण करवाया गया। दोपहर 12:00 बजे तक गांव के 43 लोगों टीकाकरण करवा चुके थे।

मंडलायुक्त चंद्रशेखर विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हैं कहां की वह वक्त, पैसा तथा इंसान की के कद्र करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी।उन्होंने कहा कि परीक्षाओं को पास करने के लिए कभी भी नकल का सहारा न ले नकल करने से परीक्षा तो सफल हो सकती है लेकिन जीवन में सफलता हासिल नहीं होती है। एसडीएम विकास यादव ने कहा की मंडलायुक्त श्री चंद्रशेखर ने बच्चों को आज जो उद्बोधन दिया है वह निश्चित रूप से काफी प्रेरक साबित होगा।उन्होंने भी विद्यार्थियों से कहा कि अगर जीवन में बड़ा इंसान बनना है तो कभी भी छोटे लक्ष्य निर्धारित नहीं करें।बड़ा लक्ष्य का निर्धारण करें और इसे प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करें।उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खेल ,शिक्षा, चिकित्सा, अनुसंधान समेत अन्य क्षेत्रों में अपना कैरियर बनाने के साथ-साथ देश का नाम भी रोशन कर सकते हैं।उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों को भी विद्यार्थियों के साथ सांझा किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अमन एस एम ओ डॉक्टर यशपाल भी मौजूद रहे।

शिक्षक बच्चों को प्रेरणा लक्ष्यों की प्राप्ति कराएं: बीएसए

बीआरसी पर शारदा प्रशिक्षण में बीएसए ने दिया प्रशिक्षण

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी/किशनी। शारदा प्रशिक्षण के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र किशनी पर चल रहे प्रशिक्षण का शनिवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमल सिंह के द्वारा निरीक्षण किया गया। विकास खंड के सभी कार्यरत शिक्षकों मैं से प्रत्येक विद्यालय में से एक शिक्षक को नोडल शिक्षक के रूप में शारदा ड्रॉपआउट ट्रेनिंग मैं प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमल सिंह के द्वारा प्रोजेक्टर माध्यम से पीपीटी प्रेजेंटेशन से ड्रॉपआउट की समस्या को विस्तारपूर्वक बताया गया। खंड शिक्षा अधिकारी जेपी पाल के द्वारा सभी नोडल शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि वह अपने विद्यालय के ड्रॉपआउट बच्चों को चिन्हित करके विद्यालय में उनका पंजीकरण करवाने हेतु निर्धारित फॉर्मेट पर सूचना एकत्र करके पोर्टल पर रजिस्टर्ड करेंगे। बीएसए ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में टाइम एंड मोशन शासनादेश के आधार पर समय सारणी का पालन करते हुए विधिवत शिक्षण कार्य कराया जा रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा कक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की कुर्सी एवं मेज के प्रयोग को हटाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि बच्चों के साथ सहजता के साथ शिक्षण कार्य किया जा सके। प्रधानाध्यापक के कमरे में ही कुर्सी एवं मेज रखने को निर्देशित किया गया है। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रेरणा लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु बाल केंद्रित शिक्षा करते हुए सभी शिक्षक अपना कर्तव्य निर्वहन करें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा कम अपोजिट विद्यालय की प्रधानाध्यापिका को निर्देशित किया गया कि वह अपने विद्यालय में समय सारणी को तय करते हुए सभी शिक्षकों के बीच कार्य विभाजन करते हुए बच्चों को प्रेरणा लक्ष्यों की प्राप्ति कराएं और एआरपी को निर्देशित किया कि वह बीआरसी के कैंपस में स्थित सम्मेलन विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करने हेतु कार्य योजना बनाकर कार्य करें।एआरपी शरद यादव के द्वारा बताया गया कि ड्रॉपआउट बच्चों को मुख्यधारा में लाने हेतु सभी शिक्षकों के साथ कार्य योजना को साझा करते हुए कार्य किया जाएगा और ड्रॉपआउट बच्चों को उनके निकटवर्ती विद्यालय में पंजीकृत किया जाएगा। प्रशिक्षण में एआरपी अनीता यादव विनय कुमार, पंकज राजपूत सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

ग्राम सचिव को तत्काल निलंबित, प्रधान के विरूद्व नोटिस जारी करने के निर्देश

» अवनीश त्यागी, मदरलैंड संवाददाता

बिजनौर - जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने ग्राम राजपुर नवादा में निमार्णाधीन पंचायत घर का निरीक्षण किया गया, जिसके दौरान निर्माण सामग्री मानक के अनुरूप न पाए जाने तथा शौचालय एवं सार्वजनिक शौचालय की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर उन्होंने संबंधित ग्राम सचिव को तत्काल निलंबित करने तथा प्रधान के विरूद्व नोटिस जारी करते हुए उसके विरूद्व कार्यवाही करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन द्वारा संचालित विकास एवं जन कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ सभी पात्र लोगों को पहुंचाना सुनिश्चित करें और कोई भी पात्र व्यक्ति शासकीय योजनाओं के लाभ से वंचित न रहने पाए। उन्होंने कहा कि गांव में जो भी विकास कार्य किए गए हैं, उनकी गुणवत्ता तथा मानक में कोई कमी नहीं होनी चाहिए, यदि जांच के दौरान किसी भी कार्य की गुणवत्ता में कमी का होना प्रकाश में आता है तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी श्री मिश्रा आज अपरान्ह में ग्राम राजपुर नवादा में आयोजित विकास एंव राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

उन्होंने स्थानीय ग्रामवासियों सम्पर्क मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की शिकायत पर उन्होंने अधिशासी अभियंता लोनिवि को निर्देशित किया कि सड़क मरम्मत का प्रस्ताव तैयार करे, उसे ठीक कराना सुनिश्चित करें।उन्होंने उपभोक्ताओं द्वारा कम राशन मिलने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी को उक्त प्रकरण की जांच करने और जांच में दोषी पाए जाने पर तत्काल राशन डीलर के विरूद्व कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि गांव में शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों का लाभान्वित करने के लिए कैम्प का आयोजन कराएं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति उनके लाभ से वंचित न रहने पाए।

ग्राम स्थित प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण करते हुए उन्होंने बच्चों की उपस्थिति और एनरोलमेन्ट के बार में जानकारी प्राप्त की और बच्चों से बातचीत करते हुए उनसे निःशुल्क पाठ्य सामग्री, ड्रेस, बेग आदि की उपलब्धता के सम्बन्ध में मालूम किया तथा अध्यापकों से बच्चों के अभिभावकों के बैंक खातों में नियमानुसार संबंधित धनराशि अंतरित कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने इसी विद्यालय में संचालित विशेष पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत उपस्थित बूथ लेविल अधिकारी से मतदाताओं की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला कोई भी पात्र युवा एवं युवती मतदाता पहचान पत्र बनवाने से वंचित न रहने पाए और न ही मतदाता सूची में कोई अवांछित नाम शामिल रहे।

उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत ग्राम में हुए कार्यों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने की रिपोर्ट आज शाम तक उप जिलाधिकारी नजीबाबाद को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। ग्राम में बनी पेयजल टंकी का मरम्मत करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को देते हुए ताकि शुद्व पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके तथा ग्राम वासियों से वैक्सीन की दोनों डोज लगाने की भी जानकारी ली साथ ही वैक्सीन की डोज लगवाने का आवाहन किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नजीबाबाद मनोज कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी सतीश कुमार, खण्ड विकास अधिकारी नजीबाबाद सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रत्येक नागरिक मतदान दिवस के अवसर पर किसी न किसी रूप में अपनी सहभागिता अवश्य करें: अविनाश कृष्ण सिंह

» मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। सुनियोजित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता के अंतर्गत मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने, निर्वाचन प्रक्रिया में प्रतिभाग करने हेतु जागरूक करने वाले स्वीप एक्टिविस्ट आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन को त्योहार के रूप में मनाने के लिए प्रत्येक मतदाता को जागरूक करें, जनपद का प्रत्येक नागरिक मतदान दिवस के अवसर पर किसी न किसी रूप में अपनी सहभागिता अवश्य करें, जरूरतमंद मतदाताओं को मतदान केंद्र पर लाने, ले जाने, महिला मतदाताओं को प्रेरित कर मतदान केंद्र पर जाकर मताधिकार करने के लिए प्रेरित करें, मतदान के दिन सभी के मन में उमंग, उत्साह रहे, ऐसा वातावरण स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभाग करने

वाले छात्र-छात्राएं, लोगों के मन में पैदा करें। विशेष संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण के अवशेष 3 दिनों में ऐसे मतदाता जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है और अभी तक उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है या ऐसे नव-युवक जो 01 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने, ऐसे मतदाता जिनकी मृत्यु हो चुकी है, जो लोग किसी दूसरे स्थान पर जाकर रहने लगे है, किसी बालिका की शादी हो चुकी है के नाम मतदाता सूची से विलोपन कराने में सहयोग करें। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन इसी मतदाता सूची के आधार पर होना है, मतदान प्रक्रिया में वही व्यक्ति हिस्सा ले सकेंगे जिनके नाम मतदाता सूची में शामिल होंगे इसलिए मतदाता सूची का अपडेट, त्रुटिरहित होना बेहद जरूरी है।

उक्त उद्गार जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कृष्ण सिंह ने डॉ. बी.आर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं की भाषण प्रतियोगिता, मतदाताओं को जागरूक करने हेतु आयोजित चुनाव पाठशाला कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से काफी मेहनत की है, यह सभी बच्चे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक, स्वीप को-ऑर्डिनेटर से कहा कि इन प्रतिभावान बच्चों का उपयोग आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन की मतदान प्रक्रिया तक लिया जाए, इनकी प्रतिभा विद्यालय तक ही सीमित न रहे बल्कि जनपद के प्रत्येक मतदाता को जागरूक करने में इनका सहयोग लिया जाए।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार राय ने कहा कि प्रत्येक निर्वाचन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा मतदाता सूची होती है, मतदाता सूची जितनी त्रुटिरहित, अद्यावधिक होगी, निर्वाचन उतना ही आसानी से संपन्न होगा। उन्होंने कहा कि निर्वाचन निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण माहौल में हो इसके लिए प्रत्येक वयस्क मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो और सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, मतदान प्रक्रिया में सभी मतदाता राष्ट्रीय भावनाओं के साथ प्रतिभाग करें, बिना किसी प्रलोभन, जात-पात, भेद-भाव के साथ सुयोग्य उम्मीदवार के पक्ष में अपने विवेक से मताधिकार अवश्य करें।उन्होने कहा कि मतदाता राष्ट्र के निर्माण की दिशा तय करने की महत्वपूर्ण कड़ीं हैं, किसी भी निर्वाचन में वही मतदाता मत दे सकते हैं जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर वीरेन्द्र कुमार मित्तल, जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार राय, विद्यालय की प्राचार्या डा. पुष्पा कश्यप, स्वीप को-ऑर्डिनेटर डॉ. शैफाली यादव, डा. जग जीवन राम, डा. एस.पी. सिंह, डा. रामबाबू आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन जय प्रकाश यादव ने किया।

संक्षिप्त समाचार

समाज के लिए प्रेरणादायी है सीमा का संदेश

देहरादून, एजेंसी। समय में आए बदलाव के साथ ही मानवीय मूल्य भी काफी हद तक बदल गए हैं। हर दिन विघटन की खबरें तनाव पैदा करने वाली होती हैं। सास-बहु का द्वंद तो पुरातन से ही चटखारों के केंद्र में रहा है। लेकिन कई लोग हमारे समाज में ऐसे भी हैं जिनका स्वभाव समाज को प्रेरित करता है। ऐसी ही एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व हैं पौड़ी गढ़वाल की रहने वाली सीमा पयाल। पूरे मनोयोग से वह अस्पताल में भर्ती बीमार सास की तीमारदारी कर रही हैं। वहां राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा संचालित आयुष्मान योजना के अंतर्गत उनका निशुल्क उपचार हो रहा है।

सीमा बताती हैं कि उनकी सास श्रीमती कमला देवी जो को रसाली की शिकायत थी। बीमारी के कारण वह काफी परेशान थी। उनका आयुष्मान कार्ड बना हुआ है और एम्स अस्पताल में उनका योजना के तहत उपचार हो रहा है। आयुष्मान कार्ड का लाभ मिला तो वह गदगद भाव से राज्य व केंद्र सरकार के साथ ही अस्पताल में मिल रहे सहयोग के लिए उनका आभार प्रकट कर रही हैं। और साथ ही साथ लोगों से आयुष्मान कार्ड बनाने की अपील भी कर रही हैं। क्योंकि कार्ड न होने की स्थिति में योजना का लाभ मिलना संभव नहीं है। बुजुर्ग लोगों को बोझ समझने वाले समाज के लिए सीमा का संदेश साफ है कि जो किसी सास है वह किसी की मां भी है। उनकी सेवा में जो बन सकता है किया जाना चाहिए। संवेदनाओं से भरे इस संदेश के साथ वह जन जागरूकता में भी प्रखर हैं। अपने अनुभवों के आधार पर वह आयुष्मान योजना के लाभ गिनाते हुए कहती है कि हर किसी को आयुष्मान कार्ड बनाना चाहिए, ताकि वक्त पड़ने पर इस योजना का लाभ मिल सके। इसके लिए आयुष्मान मित्र भी तैनात हैं और जगह जगह टॉल फ्री नंबर (155368/ 18001805368) भी लिखे हैं। जहां से मदद ली जा सकती है। यह अहम कार्य है, इसमें लापरवाही हुई तो इसे चूक ही कहा जाएगा।

दिल्ली पुलिस का कॉन्स्टेबल हरिद्वार में गिरफ्तार तलाशी में मिली देसी पिस्तौल

हरिद्वार,एजेंसी। दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल को हरिद्वार में देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि कॉन्स्टेबल ने गलत दिशा में गाड़ी चलाने से रोकने पर दोस्तों के साथ मिलकर पार्किंग कर्मचारी पर हमला किया था। घटना गुरुवार देर रात हरिद्वार में गड्ढा पार्किंग की है। शहर कोतवाली प्रभारी राकेंद्र कठैत ने बताया कि गुरुवार रात गड्ढा पार्किंग में गलत दिशा में कार चला रहे चालक को जब पार्किंग कर्मचारी ने टोका तो उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर कर्मचारी के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों में से एक ने चाकू निकालकर कर्मचारी पर हमला कर उसे जख्मी कर दिया। इसके बाद वहां मौजूद पार्किंग के अन्य कर्मचारियों ने कार सवार तीनों आरोपियों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलने पर रोड़ीबेलवाला चौकी पुलिस पहुंची और युवकों की तलाशी ली तो उनके पास से एक देसी पिस्टल और चाकू बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहतक निवासी रॉकी कुमार और सोनीपत निवासी विकास शर्मा और विशाल के रूप में हुई। रॉकी के कब्जे से देसी पिस्टल मिली। रॉकी दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत है।

कोविड एप्रोप्रियेट बिहेवियर का पूरा पालन करें: सीएम

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कोरोना के नए वैरिएंट के दृष्टिगत प्रदेश वासियों से अपील की है कि कोविड एप्रोप्रियेट बिहेवियर का पूरा पालन करें। कोविड पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य में पूरा जन सहयोग मिला है। राज्य सरकार द्वारा कोविड पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी तैयारियां की गई हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जिन लोगों का अभी दूसरा टीका नहीं लगा है, समय होते ही टीकाकरण करा लें। मास्क का उपयोग जरूर करें एवं एक दूसरे से उचित दूरी बनाए रखें। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव, डीजीपी एवं सचिव स्वास्थ्य को कोरोना के नए वैरिएंट की दृष्टिगत कोविड एप्रोप्रियेट बिहेवियर का पालन सुनिश्चित कराने एवं सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सचिव स्वास्थ्य को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोविड पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं हों।

महामहिम राष्ट्रपति के आगमन को लेकर पूर्वाभ्यास

हरिद्वार, एजेंसी। महामहिम राष्ट्रपति के 28 नवम्बर को पतंजलि विश्वविद्यालय व योगपीठ हरिद्वार के भ्रमण कार्यक्रम के मद्देनजर आयुक्त गढ़वाल रविनाथ रमन, आईजी इंटलीजेंस संजय गुंज्याल, जिलाधिकारी विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 योगेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को पतंजलि विश्वविद्यालय परिसर हरिद्वार की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। आयुक्त गढ़वाल मण्डल ने पतंजलि परिसर में महामहिम राष्ट्रपति के होने वाले भ्रमण कार्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी लेते हुये पूरा निरीक्षण किया। इसके पश्चात महामहिम राष्ट्रपति के भ्रमण कार्यक्रम का पूर्वाभ्यास भी किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार डॉ0 सौरभ गहरवार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पी0एल0 शाह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व बीर सिंह बुद्धियाल, ज्वाइण्ट मजिस्ट्रेट अंशुल सिंह, आचार्य बालकृष्ण, एमएनए रूड़की श्रीमती नुपुर वर्मा, एसएलओ श्रीमती संगीता कन्नौजिया, नगर मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह, एसपी सिटी हरिद्वार श्रीमती कमलेश उपाध्याय सहित पुलिस व प्रशासन के सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पत्रकारों के लिए हुआ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- डॉ एसडी जोशी ने की 100 से अधिक पत्रकारों के स्वास्थ्य की जांच, विचार एक नई सोच संस्था ने किया आयोजन
- 50 पत्रकारों की ईसीजी व 70 पत्रकारों की निशुल्क शुगर जांच
- हर महीने 2 दिन आयोजित होगा पत्रकारों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

देहरादून, एजेंसी। राजधानी देहरादून में विचार एक नई सोच संस्था द्वारा पत्रकारों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उत्तराखंड के जाने-माने फिजीशियन व कॉर्डियोलाजिस्ट डॉ एसडी जोशी देहरादून ने पत्रकारों व उनके परिजनों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। डॉ एसडी जोशी की मेडिकल टीम द्वारा ईसीजी व शुगर की जांच निशुल्क की गई। जबकि लाइफ केयर पैथोलॉजी सेंटर द्वारा ब्लड की बिभिन्न जांचों पर 60 प्रतिशत छूट प्रदान की गई।

जानकारी के मुताबिक देहरादून के रिस्पना पुल आईएसबीटी रोड़ स्थित प्रसार भारती दूरदर्शन केन्द्र के सामने विचार एक नई सोच संस्था द्वारा पत्रकारों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ समाजसेवी विनोद रावत व डॉ एसडी जोशी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार व उनके परिजन स्वास्थ्य जांच को पहुंचे। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 100 के करीब पत्रकारों व उनके परिजनों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान 50 के करीब लोगों की ईसीजी जांच, 70 के करीब लोगों की शुगर जांच व 45 करीब पत्रकारों की ब्लड की बिभिन्न जांचे की गई।

-हर महीने 2 दिन पत्रकारों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच

स्वास्थ्य शिविर के दौरान डॉ एसडी जोशी ने सभी पत्रकारों व उनके परिजनों को कोरोना के साथ ही बिभिन्न सीजनल बीमारियों को लेकर जागरूक किया गया। डॉ एसडी जोशी ने कहा पत्रकारों की दिनर्चया काफी तनावपूर्ण होती है साथ ही बड़ी संख्या में पत्रकार आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं इस लिए समय-समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते हैं। इसलिए उन्होंने पत्रकारों के बेहत्तर स्वास्थ्य को लेकर अभियान शुरू किया है। अब हर माह के पहले व आखिरी शनिवार को पत्रकार के लिए निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेंगे। इसमें जांचे निशुल्क रहेंगी।

-पत्रकारों के स्वास्थ्य को लेकर पॉलिसी बनाए सरकार

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बतौर मुख्यअतिथि मौजूद समाजसेवी विनोद रावत ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने सभी पत्रकारों व उनके परिजनों को मास्क वितरित किए। विनोद रावत ने कहा पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं वह अपने स्वास्थ्य की परवाह न कर समाजहित में लगातार कार्य करते रहते हैं। कुछ पत्रकारों को छोड़कर बड़ी संख्या में पत्रकार आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। ऐसे में वह अपने व अपने परिवार के स्वास्थ्य की जांच समय-समय पर नहीं करा पाते हैं। इसलिए सरकार को चाहिए की उसे समय-समय पर पत्रकारों के स्वास्थ्य जांच के लिए कैंप का आयोजन करते रहना चाहिए। सरकारी अस्पताल में व्यवस्था न होने पर यदि कोई पत्रकार अपना या अपने परिजनों का प्राइवेट अस्पताल में इलाज करवाता है तो उसका भुगतान सरकार को करना चाहिए। राज्य सरकार को चाहिए की समाज के चौथे स्तंभ पत्रकारों के स्वास्थ्य को लेकर भी वह एक पॉलिसी लेकर आये। जिससे पत्रकारों के हितों की रक्षा हो सके।

-हर जनपद में लगाएंगे स्वास्थ्य शिविर

विचार एक नई सोच संस्था के संचालक राकेश बिजल्वाण ने बताया कि देहरादून से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर अभियान की शुरूआत हो गई है। अब उनकी संस्था हर जनपद में पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करेगी। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में आशीष सकलानी, घनश्याम चन्द्र जोशी, आलोक शर्मा, अमित अमोली, आशीष नेगी, अरूण पांडेय, कपिल थापा, दीपक जुगराण, एसपी सती, विकास कपरवाण, ज्ञान प्रकाश पांडेय, अन्नु, व रूद्रा कैमिस्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

आपको बता दें कि डॉ एसडी जोशी उत्तराखंड की स्वास्थ्य सेवा में एक जाना माना नाम है। सरकारी नौकरी में रहते हुए अधिकतम समय पहाड़ों में सेवा देने वाले डॉ जोशी सेवानिवृत्त होने के बाद लगातार हर माह दुर्गम पर्वतीय इलाकों में निशुल्क हैल्थ लगा रहे हैं। डॉ जोशी ने पत्रकार साथियों से बात करते हुए कहा कि उनका सपना है उत्तराखंड का हर व्यक्ति, परिवार स्वस्थ्य रहे। इसको लेकर वह लगातार प्रयासरत हैं। विचार एक नई सोच संस्था भी उनके इस भगीरथ प्रयास में सहयोगी की भूमिका निभा रहा है।

सिडकुल से मोबाइल झपटने वाले दो गिरफ्तार

आरोपियों से झपटे गये दोनों मोबाइल बरामद

हरिद्वार, एजेंसी। सिड़कुल पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्र में हुई मोबाइल झपटने की घटनाओं को पदार्फाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्रतार किया है। जिनके पास से पुलिस ने झपटे गये दोनों मोबाइल बरामद कर लिये है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जिनको मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। सिड़कुल प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार उनियाल ने बताया कि शुक्रवार को सीताराम पुत्र स्व- रामस्वरूप निवासी ग्राम सतपुरा ठाकुर हाल डैंसो चैक सिड़कुल और राकेश कुमार सिंह पुत्र महावीर सिंह निवासी सिसड बैकुण्ड गोपाल गंज बिहार हाल ब्रह्मपुरी सिड़कुल ने तहरीर देकर बाइक सवार दो अज्ञात युवकों द्वारा मोबाइल झपटने की शिकायत की थी। पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्र में हुई मोबाइल झपटने की घटना का मामला दर्ज कर बाइक सवार अज्ञात बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए बाइक सवारों की पहचान के प्रयास करते हुए तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान शुक्रवार की देर शाम को ही पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बाइक सवार दोनों मोबाइल झपटने वाले बदमाशों को दबोच लिया। जिनके पास से पुलिस झपटे गये दोनों मोबाइल बरामद कर लिये। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने नाम अभिषेक पाल पुत्र शिव कुमार निवासी ब्रह्मपुरी रावली महदूद सिड़कुल और शिवम कुमार पुत्र उमेश निवासी ग्राम सराय धामपुर बिजनौर बताया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में मामला दर्ज कर मेडिकल के बाद उनको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

भैरव की पूजा से अकाल मृत्यु के भय से मिलती है मुक्तिः ज्योतिषाचार्य पं. विजय कुमार जोशी

हरिद्वार, एजेंसी। ज्योतिषाचार्य पं. विजय कुमार जोशी ने बताया कि भैरव का स्वरूप भगवान शिव का रुद्र स्वरूप है। हर माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन कालाष्टमी व्रत किया जाता है। लेकिन मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को काल भैरव का अवतरण दिवस मनाया जाता है, इस दिन वर्ष भर में किए पापों का भैरव जी के दर्शन करने मात्र से कल्याण हो जाता है। शनिवार को अष्टमी तिथि का पड़ना अत्यंत योग प्रद और तंत्रेकत भी है। उन्होंने बताया कि भैरव की आठ परिक्रमा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है कलयुग में काली भैरव की साधना अत्यंत कल्याणकारी होती है थोड़ी सी साधना मात्र से कायिक, वाचिक, मानसिक व जाने अंजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल जाती है, आज शहर के काल भैरव मंदिरों में विशेष अनुष्ठान आयोजित किये जा रहे है। हरिद्वार में भी भैरव मन्दिरों को अष्टमी की पूर्व संध्या से सजाया सवारा गया था कनखल भैरव मंदिर में प्रति वर्ष विशेष धार्मिक आयोजन किए जाते है। भैरव मन्दिरों में सुबह से ही पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं को जमावडा लगा हुआ है। बाधाओं का होता है नाशः मान्यता है कि इस दिन काल भैरव का अवतरण हुआ था। काल भैरव की पूजा से अकाल मृत्यु के भय से मुक्ति मिल जाती है। मान्यता है कि इस दिन काल भैरव की विधि-विधान से पूजा करने से तंत्र, मंत्र, भूत, प्रेत बाधा का नाश होता है। काल भैरव जन्मोत्सव के दिन विधि पूर्वक पूजा, व्रत करने से सारी बाधाओं का नाश होता है। इस दिन पूजन में काल भैरव चालीसा पाठ और उनके वाहन कुत्ते को भोजन जरूर करवाना चाहिए। काल बनकर किया था तांडवः ज्योतिषाचार्य पंडित विजय कुमार जोशी ने बताया कि जब भगवान शंकर का अपमान हुआ था, तब सती ने यज्ञ कुंड में कूद कर देह का दहन कर लिया था। इससे कुपित भगवान ने भैरव को यज्ञ ध्वंस के लिए भेजा था। साक्षात काल बनकर भैरव ने तांडव किया था। जानकारों के अनुसार काल भैरव की महत्ता इससे ही समझी जा सकती है कि जहां-जहां ज्योर्तिलिंग और शक्तिपीठ हैं, वहां-वहां काल भैरव को स्थान मिला है। वैष्णो देवी, उज्जैन के महाकालेश्वर, विश्वनाथ मंदिर आदि में काल भैरव मौजूद हैं।

कोतवाली नगर क्षेत्र से मोबाइल चोर गिरफ्रतार

मंशा देवी मन्दिर में यात्रियों से उड़ाये गये तीन मोबाइल बरामद

हरिद्वार, एजेंसी। कोतवाली नगर पुलिस ने शनिवार की सुबह क्षेत्र से मंशा देवी मन्दिर परिसर से यात्रियों के फोन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्रतार किया है। जिसके पास से पुलिस ने तीन मोबाइल फोन बरामद किये है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। कोतवाली नगर प्रभारी निरीक्षक राकेन्द्र सिंह कठैत ने बताया कि शुक्रवार को मंशा देवी दर्शनार्थ तीन यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी होने की सूचना पुलिस को मिली थी। जिसके सम्बंध में एक श्रद्धालु दलवीर सिंह पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम शाह अलीपुर नीचल शेरकोट बिजनौर ने तहरीर देते हुए मोबाइल चोरी की शिकायत दर्ज करायी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर मंशा देवी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए चोरी की शिनाख्त के प्रयास करते हुए तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान शनिवार की सुबह पुलिस ने सूचना पर एक संदिग्ध को वन विभाग कार्यालय हिलबाई पास मार्ग से दबोच लिया। जिसकी तलाशी लेने पर पुलिस ने तीन मोबाइल बरामद किये है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम गुलफाम उर्फ गुलफान पुत्र रियाल अहमद निवासी असालत नगर मैनाठौर मुरादाबाद यूपी बताते हुए खुलासा किया कि उसने तीनों मोबाइल मंशा देवी मन्दिर के परिसर में यात्रियों की जेबों से चोरी किये गये है। जिनमें एक एप्पल फोन सोलन हिमाचल निवासी कार्तिक दत्त शर्मा पुत्र पीडी शर्मा का पाया गया। जबकि एक मोबाइल नीरज कुमार पुत्र कुलवंत राम निवासी कैथल हरियाणा और एक मोबाइल शिकायतकर्त्ता दलवीर सिंह का मिला है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड बनेगा हर क्षेत्र में अग्रणी राज्यः सीएम

सीएम आवास में आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड / 25 समिट 'बोधिसत्व' का हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड @ 25 समिट बोधिसत्व में प्रतिभाग किया। दिनांक: 27 नवम्बर, 2021

देहरादून, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड / 25 समिट बोधिसत्व में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, केन्द्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. के. विजयराघवन, पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन मंच पर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर किया जा रहा उत्तराखण्ड का विकासः सीएम

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2025 तक उत्तराखण्ड को विजन दिया है। इस विजन को पूरा करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। बोधिसत्व कार्यक्रम के माध्यम से समाज के हर क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों के सुझावों के आधार पर आगे के लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है। 2025 तक उत्तराखण्ड को हर क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

विकास और प्रकृति में संतुलन आवश्यक

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास प्राकृतिक संपदा है। इस प्राकृतिक संपदा के सदुपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हिमालय को बचाने एवं प्रकृति के साथ संतुलन के लिए सभी को आगे आना होगा। प्राकृतिक संपदाओं एवं अन्य स्त्रोतों से राज्य की आय बढ़ाने की दिशा में भी विशेष प्रयास किये जा रहे हैं।

केन्द्र सरकार से मिल रहा पूरा सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड हिमालयी राज्य होने के नाते यहां की भौगोलिक परिस्थितियां अलग हैं। आपदा की दृष्टि से उत्तराखण्ड संवेदनशील राज्य है। किसी भी चुनौती से निजात पाने के लिए केन्द्र सरकार का राज्य को हर संभव सहयोग मिलता रहा है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए सबका सहयोग जरूरी है। उत्तराखण्ड के विकास की यात्रा सबकी सामूहिक यात्रा है। राज्य के विकास के लिए जो भी जन सुझाव प्राप्त होंगे उन सुझावों पर पूरा विचार किया जायेगा। प्रदेश के समग्र विकास के लिए अंतिम पंक्ति पर खड़े लोगों को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जा रही हैं। नीति आयोग उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा हाई वैल्यू एग्रीकल्चर और प्राकृतिक खेती पर फोकस हो नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि उत्तराखण्ड अभी युवा राज्य है। उत्तराखण्ड के पास अनेक प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं। उत्तराखण्ड के बहुमुखी विकास के लिए नये सिरे सोचना होगा। सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को शिक्षा का हब बनाना होगा। माध्यमिक शिक्षा का हब तो उत्तराखण्ड है, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में और प्रयास करने होंगे। उत्तराखण्ड में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण की दिशा में प्रयासों की जरूरत है। हाई वैल्यू एग्रीकल्चर के क्षेत्र में प्रयास करने होंगे। एरोमैटिक एवं मेडिसनल प्लांट, फ्लोरीकल्चर, हॉर्टीकल्चर के क्षेत्र में उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए गोष्ठी का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में विशेष प्रयास होने चाहिए। उत्तराखण्ड में महिलाएं लगनशील हैं। महिलाओं को अधिक से अधिक प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाय। उत्तराखण्ड को स्वयं प्राकृतिक खेती की ओर जुटना चाहिए। नदियों के पुनर्जीवीकरण की दिशा में और प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिये कि उत्तराखण्ड में जितने भी साइंटिफिक इंस्टीट्यूशन हैं, वे मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करें। हमारा प्रयास होना चाहिए कि अगले दस सालों में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तीन से चार गुना बढ़ सके। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द राज्य के विकास के लिए नया ब्लू प्रिंट बनाकर दिया जायेगा।

साइंटिफिक डेवलपमेंट प्लान जरूरीः डॉ. के विजनराघवन

केन्द्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. के. विजयराघवन ने कहा कि उत्तराखण्ड के पास हिमालय के रूप में बड़ी संपदा है। हिमालय देश एवं दुनिया को प्रभावित करता है। हिमालय को सस्टनेबल तरीके से प्रोटक्ट करना एवं इसके लिए डैवलपमेंट के कार्य करना एक बड़ा कार्य है। इसमें अनेक सांइटिफिक इंस्टीट्यूट काफी कार्य कर चुके हैं। इसके लिए साइंटिफिक डेवलपमेंट प्लान जरूरी है।

हिमालय के प्रति सबकी जिम्मेदारीः डॉ. अनिल जोशी

पद्म भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि बोधिसत्व के माध्यम से राज्य के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री द्वारा सराहनीय प्रयास किये जा रहे हैं। हिमालयी राज्यों को आपस में लगातार चिंतन एवं मंथन करने की जरूरत है। हिमालय सबका है, इसके प्रति सबकी भागीदारी होनी चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए अपनी कमजोरी एवं ताकत का नये सिरे से विश्लेषण करना जरूरी है। अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि भौगोलिक विषमताओं के बावजूद भी इन्फ्रास्ट्रक्चर में राज्य ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उत्तराखण्ड में कई क्षेत्रों में मजबूतियां भी हैं, तो कुछ क्षेत्रों में चुनौती भी हैं। हिमालय, गंगा, जलवायु एवं शांतप्रिय समाज यहां की मजबूती है। रोजगार, कनेक्टिविटी, पलायन को रोकना, आपदा एवं बोर्डर ऐरिया से संबंधित मामले राज्य के समक्ष चुनौतियां भी हैं। आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड बनाने के लिए इन चुनौतियों को कम करने के लिए राज्य में प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री द्वारा लोगों से संवाद कर सुझाव लिये जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक महेन्द्र भट्ट, नीति आयोग से डॉ. नीलम पटेल, सचिव नियोजन बीवीआरसी पुरूषोत्तम, मुख्यमंत्री के चीफ कॉर्डिनेटर श्री दुर्गेश पंत, शासन से प्रमुख सचिव, सचिव, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विभिन्न संस्थानों के निदेशक एवं गणमान्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हुक्मा की ढाणी में ट्रांसफार्मर से वायरिंग व अन्य सामान की चोरी

सुनील शर्मा, मदरलैंड संवाददाता,सिंघाना। हुक्मा की ढाणी बस स्टैंड के पास लगे ट्रांसफार्मर को नीचे गिरा कर चोरों ने उसमें से ताँबे की वायरिंग व अन्य सामान को चोरी करके ले गए। देवीपुरा जेईएन राहुल कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। की शुक्रवार रात्रि को अज्ञात चोरों ने नाइयों के घर के पास लगे 25 केवी सिंगल फेस के ट्रांसफार्मर को नीचे गिरा कर उसमें से तांबे की क्वाईल वायरिंग निकाल कर ले गए तथा बाहर का खोल व पत्तियां वहीं छोड़ गए। सिंघाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करदी है।

स्वच्छता का दिया संदेश, सफाई कीट का वितरण

मदरलैंड संवाददाता, खेतड़ी। रामलीला मैदान में शनिवार को केसीसी प्रोजेक्ट के सौजन्य से स्वच्छता पखवाड़े के तहत महिलाओं को सफाई किट का वितरण किया गया। मोबाईल के मार्फत स्वच्छता का संदेश दिया तथा साथ ही सफाई अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के सीमाचलम तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एसके पुरोहित, एस गुहा, एनएस जागड़े, विपिन शर्मा, केआर बैरवा मौजूद थे। अध्यक्षता समाजसेवी हरीराम गुर्जर ने की। इस अवसर पर मुन्नालाल जैदिया व नागेश राजपुरोहित ने स्वच्छता के बारे में विस्तार से बताया। केसीसी प्रोजेक्ट व संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन कॉपर के संयुक्त तत्वाधान में रामलीला मैदान में सफाई अभियान चलाया गया। साठ महिलाओं को सफाई किट दी गई। इस मौके पर डा.गोपाल राठी, वनेंदु भंडारी, विनायक साहू, अक्षत यादव, घनश्याम, अश्वनी गुरावड़िया, मुकेश ढाका, गरूडा रामूजी, कोशिकी भट्टाचार्य, मनोज लामोरिया, सुबेसिंह लामोरिया, बाबूलाल सैनी, विनोद, राकेश आदि मौजूद थे।

नवलगढ़ विकास अधिकारी अनिल सोनी के बेटे ऋतिक ने कोटड़ी धाम के विकास के लिए दिए 8 लाख रुपए

मदरलैंड संवाददाता, झुंझुनूं। मलसीसर निवासी व जयपुर प्रवासी नवलगढ़ में सेवारत विकास अधिकारी अनिल सोनी के बेटे ऋतिक भामा ने अपनी शादी के बाद कोटड़ी धाम विकास के लिए आठ लाख रुपए ट्रस्ट को दिए हैं। ट्रस्ट अध्यक्ष रामकुमार तोसावड़ ने बताया कि ऋतिक की शादी हाल ही में जयपुर के एंजेल रिसोर्ट में सरदारशहर निवासी श्यामसुंदर कड़ेल की पुत्री कोमल के साथ 21 नवम्बर को हुई थी, देवी देवता पूजन की रश्म अदा करने के लिए आस्थास्थल कोटड़ी आए जहां पर आलीशान बड़े हॉल निर्माण करने के लिए आठ लाख रुपए दिए। गुढ़ागौड़जी अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, महेश जेजुसर, सांवरमल डांवर,श्यामसुंदर कोलसिया, मनोज तोगड़ा, गिरधारी लाल तोसावड़, प्रभुदयाल छापरवाल, नरेश नारनोली, श्रीराम भामा, विनोद खेतड़ी आदि ने तदर्थ बधाइयां दी है।

जीवनी या आत्मकथाओं से मिलती है भावी पीढ़ी को प्रेरणा

कृष्ण स्वामी, मदरलैंड संवाददाता, झुंझुनूं राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग के अध्यक्ष हरिनारायण शर्मा ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की जीवनी या आत्मकथा से भावी पीढ़ियों को न केवल प्रेरणा मिलती है, बल्कि उन लोगों के जीवन संघर्ष से शिखर तक पहुंचने की गाथा का भी पता चलता है। ऐसी गाथाओं से भावी पीढ़ी अपने जीवन की दिशा तय कर सकती है, मंजिल की राह में आने वाली बाधाओं को पार सकती है। शर्मा शनिवार को अलसीसर के सीतारामका गेस्ट हाउस में शिक्षाविद पीएल शर्मा की आत्मकथा जीवन की पगडंडी के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद धर्म व्रत शास्त्री ने कहा कि अपने जीवन पर सच्चाई के साथ लिखना आसान बात नहीं होती, शर्मा ने अपनी पुस्तक में काफी हद तक इस का निर्वाह किया है। विशिष्ट अतिथि आयुर्वेद चिकित्सक श्रीकृष्ण खांडल ने कहा कि शर्मा की जीवनी उनके जीवन संघर्षों की कहानी है। विप्र फाउंडेशन के पूर्व अध्यक्ष बनवारी लाल सोती ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की जीवनी एक पूरे काल खंड की कहानी होती है जो वर्तमान और आने वाली पीढियों के लिए एक थाती की तरह होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बाबा आकाश गिरि ने कहा कि पीएल शर्मा ने पूरा जीवन सादगी से जीया है तथा उनकी जीवनी लोगों के लिए प्रेरणा का काम करेगी। कार्यक्रम में विद्या पुरोहित ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन अनामिका शर्मा ने किया। विनोद शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

जन चेतना मंच का पांचवा स्थापना दिवस

» सतबीर शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

गुड़गांव। गुड़गांव के बेरी वाला बाग स्थित नव जन चेतना मंच के कार्यालय पर मंच का पांचवा स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस मौके पर मौजूद मंच के सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने मंच की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने की शपथ ली। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंच के अध्यक्ष डॉक्टर सर्वदानंद आर्य ने कहा कि देश में महामारी आने के बाद बहुत कुछ बदल गया है। हमारे मंच ने महामारी से बचाव के लिए लगातार कार्य किया है और आगे भी कर रहा है। मंच का उद्देश्य जनसेवा करना तथा जनता को न्याय दिलाना है। हम हरियाणा में हो रहे अन्याय व अत्याचार की लड़ाई लड़ रहे हैं। आज सभी कार्यकारिणी के सदस्यों ने मंच के उद्देश्यों को प्रदेश के हर तबके तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। इस मौके पर उन्होंने नव जन चेतना मंच के पांचवा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। कार्यकारिणी के सदस्य को संबोधित करते हुए नव जन चेतना मंच के संयोजक वशिष्ठ कुमार गोयल ने कहा कि नव जन चेतना मंच आज जो कुछ भी है कार्यकारिणी के सदस्यों की बदौलत है। हमारा मंच लगातार समाज की बुराइयों को दूर करने की लड़ाई लड़ रहा है साथ ही समाज के लोगों को न्याय मिले इसलिए मुखर होकर समाज की आवाज उठाने का कार्य भी कर रहा है। श्री गोयल ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश की राजनीति में काफी उथल-पुथल देखने को मिल रहा है साथ ही जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आएंगे वैसे वैसे प्रदेश की राजनीति में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। नव जन चेतना मंच प्रदेश की राजनीति में हो रहे बदलावों पर भी अपनी नजर बनाए हुए हैं। श्री गोयल ने कहा कि हमारे मंच का प्रयास रहेगा कि प्रदेश में जो भी पार्टी आए या जो भी नेता क्षेत्र में हो वह समाज के बीच का हो और क्षेत्र के लोगों के लिए कार्य करें। हम पहले भी भ्रष्टाचारी शासन व प्रशासन की मुखालफत करते आए हैं और आगे भी करते रहेंगे। श्री गोयल ने कहा कि उनका उद्देश्य समाज को एकजुट करना, भाईचारे को मजबूत करना और प्रदेश को उन्नति की राह पर ले कर जाना है, जिसको लेकर हमारे मंच के सभी सेनानी रात दिन कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर मंच के अध्यक्ष डॉक्टर सर्वदानंद आर्य के साथ अशोक यादव नम्बरदार, एसके चौहान सिविल वार्डन, राजकमल सिंगला कोषाध्यक्ष, डॉ संजय दायमा कादरपुर, राजपाल फौजी, मुकेश सैनी, यशपाल सैनी, ओमबीर गहलोत, लाल सिंह सैनी अरुण वर्मा ,मनोज एडवोकेट सोहना, अजीत सिंह कादरपुर, विनोद नंबरदार , राजेश अग्रवाल गुड़गांव, जवाहर सिंह सिसोदिया समेत अन्य कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान स्काउट्स एवम गाइड्स ने स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़/ दिल्ली। हिन्दुस्तान स्काउट्स एवम गाइड्स का स्थापना दिवस राष्ट्रीय प्रशिक्षण टीम के द्वारा बड़ी धूमधाम से साईं शिक्षा केन्द्र, ब्लॉक 26, त्रिलोकपुरी, दिल्ली में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती सुनीता सिंह जी अध्यक्ष साई मन्दिर ट्रस्ट, श्रीमती उषा कुमारी जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवम राज्य मुख्य आयुक्त दिल्ली, श्री श्रीनिवास शर्मा जी चीफ स्काउट व संस्थापक ने आशीर्वाद देकर सभी ट्रेनर्स का मनोबल बढ़ाया एव संस्था की उन्नति के लिए प्रार्थना की। स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन श्री राहुल कुमार जी व श्री सन्तराम जी ने की। इस कार्यक्रम में श्री के एस चौहान जी, श्री मांगेराम चौहान जी, श्री राहिल सिंह जी, श्री रंजीत सिंह जी, श्री डी सी कमल जी, श्री पी के तोमर जी, श्री पी के सरोज जी, श्री जोगेन्दर कुमार जी, श्री राजेश कश्यप जी, श्री राम बाबू माथुर जी, श्री राजेश जी, श्री दिनेश पटेल जी, श्री देवेंद्र आचार्य आदि मौजूद रहे। सभी ने केक काटकर स्थापना दिवस मनाया।

सभी कामगार, मजदूर ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करवाएं

» मदरलैंड संवाददाता

पलवल। असंगठित मजदूर कामगारों के लिए खुशखबरी है। हरियाणा सरकार कामगारों, मजदूरों के लिए ई-श्रम कार्ड बनाने का अभियान चला रही है। गत दिवस सहायक श्रमायुक्त दीप्ती मेहरा ने गांव मित्रोल, मरोर्ली, रेलवे रोड पलवल सहित जिला के विभिन्न स्थानों पर श्रमिकों के पंजीकरण हेतु लगाए गए शिविरों का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा डागर मौजूद रही। इन शिविरों में लगभग 223 श्रमिकों का पंजीकरण किया गया। उन्होंने कहा कि सभी मजदूर और कामगार सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए पंजीकरण जरूर करवाएं। किसी भी सीएससी सेंटर में फ्री श्रम कार्ड बनाए जा रहे हैं। कोई भी 16 से 59 वर्ष के बीच का कामगार आधार कार्ड, बैंक पास बुक और मोबाइल नम्बर से अपना पंजीकरण करा सकता है।

श्रम निरीक्षक रामफल यादव तथा सुनील राठी ने बताया कि ई-श्रम कार्डधारक को दुर्घटना बीमा करवरेज, सामाजिक सुरक्षा लाभ सहित महामारी के दौरान सरकारी मदद मिल सकेगी। दुर्घटना से मौत होने व विकलांग होने पर दो लाख रूपए, आंशिक रूप से विकलांग होने पर एक लाख रूपए की अनुदान राशि भी श्रमकार्डधारक को प्राप्त होगी। रेहड़ी वाले, खेतीहर मजदूर, चिनाई, मजदूर, बेलदार, बढई, आशा वर्कर, दूधिया, बिजली मिस्त्री, घरेलू कामगार, ऑटो चालक, मनरेगा वर्कर आदि योजना का लाभ लें।

03 दिवसीय सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा एवं फर्स्ट एड जागरूकता सेमीनार का आयोजन

» सुरेश गुप्ता, मदरलैंड संवाददाता

जिला रैड क्रॉस सोसाइटी एवं सेंट जॉन एम्बुलेंस केंद्र पलवल के अध्यक्ष श्री कृष्ण कुमार के निर्देशन और सचिव श्री वाजिद अली के कुशल मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा एवं फर्स्ट एड जागरूकता कार्यशाला का आयोजन शिवालिक प्रिंट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, पृथला-तातारपुर रोड, पलवल में आयोजित किया गया। इस सेमिनार में कंपनी के 55 अधिकारियों एवं कर्मियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने सर्वप्रथम सभी प्रशिक्षणार्थियों को मोटर वाहन संशोधन विधेयक-2019 के तहत निर्धारित अपराधों जैसे शराब पीकर, ओवरस्पीड एवं ओवरलोड, नाबालिग द्वारा, मोबाइल पर बात करते हुए वाहन न चलाने, दुपहिया वाहन पर हेलमेट तथा चार पहिया वाहन में सीटबेल्ट का प्रयोग करते हुए वाहन चलाने, इमरजेंसी वाहन को रास्ता देने, लेन में वाहन चलाने, राइट साइड से ओवरटेक करने तथा अन्य बारे जागरूक किया ताकि सड़क दुर्घटनाओं को होने से रोका जा सके तथा जान-माल की सुरक्षा हो सके।

उसके उपरांत प्रवक्ता फर्स्ट एड एवं होम नर्सिंग नीतू सिंह ने घटनास्थल पर आपातकालीन वाहन के आने से पूर्व या अपने वाहन से घायल को अस्पताल पहुंचाने तक आवश्यकता अनुसार फर्स्ट एड देना, घायल की स्वांस चल रही हो लेकिन बेहोश हो तो उसे रिकवरी पोजीशन में रखने, घायल के दिल एवं फेफड़ों के संचालन रुकने पर पुनः संचालन करने हेतु सी0पी0आर0 देने बारे प्रयोगात्मक तरीके समझाये।

साथ ही घाव से बहते हुए रक्त को रोकने, हड्डी टूट के दौरान टूटे हुए हिस्से को स्थिर करने, जरूरत अनुसार घाव पर पट्टी करने, बेहोशी की हालत से होश में लाने, बच्चे का सिक्का निगलना, पानी में डूबना, बिजली का करंट लगना, हृदयाघात होने, सदमा होने आदि के समय घटनास्थल पर फर्स्ट एड देने के बारे में विस्तार से समझाया।

इस अवसर पर अपील की गई कि अपने आस-पास इस जागरूकता को अपने मित्रों, परिजनों व सगे-संबंधियों के साथ अवश्य सांझा करें ताकि किसी भी घायल को मौके पर ही फर्स्ट एड देकर उसके जीवन को बचाया जा सके। अंतिम पड़ाव में सभी प्रशिक्षणार्थियों को घटनास्थल से एम्बुलेंस तक ट्रांसपोर्ट करने के प्रयोगात्मक तरीके सेनेरिओं के माध्यम से समझाए।

इस सेमीनार के आयोजन में रोहित चावला, एच0आर0 एडमिन, धनसिंह कल्याण अधिकारी एवं नितिन अत्तरी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

स्वर्गीय छोटे लाल यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर 15 वे विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन,603 यूनिट रक्त का हुआ संग्रहण

रक्तदान करने से दूसरों के जीवन को बचाया जा सकता है:राजेंद्र यादव

» मदरलैंड संवाददाता

झुंझुनूं। राजस्थान युवा यादव महासभा के तत्वाधान में जयपुर के चित्रकूट में स्थित जानकी मैरिज गार्डन गांधी पथ सेक्टर नंबर 2 पर पचलंगी के लाल स्वर्गीय छोटे लाल यादव की प्रथम पुण्यतिथि पर 15 विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ह्ल , रक्तदान शिविर में 603 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ ह्ल अक्षरधाम चित्रकूट के कोठारी महाराज ने स्वर्गीय छोटे लाल यादव की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ह्ल रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ह्ल राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री राजेंद्र यादव ने रक्तदान शिविर के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान महादान होता है उन्होंने आगे कहा कि रक्तदान करने से दूसरों का जीवन बचाया जा सकता हैह्ल रक्तदान शिविर में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर सतीश पूनिया भी आऐ और युवाओं को रक्तदान शिविर के बारे में बताया ह्ल इस दौरान राजस्थान यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर करण सिंह व युवा यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करना चाहिए ह्ल रक्तदान शिविर में काफी दूरदराज से युवाओं ने आकर रक्तदान में भाग लिया ह्ल स्वर्गीय छोटे लाल यादव के पुत्र वीरेंद्र यादव महावीर यादव एवं डॉ सुमन कुमार ने आगंतुक महानुभावों को प्रतीक चिन्ह व राजस्थानी परंपरा के अनुसार चुनरी का साफा पहनाकर स्वागत किया ह्ल स्वर्गीय छोटे लाल यादव की पोती प्रियंका यादव ने भी रक्तदान कर महिलाओं को संदेश दिया कि अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं को भी रक्त का दान करना चाहिए ह्लयुवा यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव ने रक्तदान शिविर में पहुंचे पत्रकारों का भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया ह्ल इस दौरान पचलंगी से भी सैकड़ों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर रक्तदान शिविर में भाग लिया ह्ल इस मौके पर पचलंगी के समाजसेवी पूर्व उप प्रधान मदन लाल भावरिया, महेंद्र यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष युवा यादव महासभा राजस्थान, सुरेंद्र यादव जयपुर जिले के यादव समाज युवा अध्यक्ष, डॉ राम अवतार गजराज, सुमेर सिंह ,विकास कनवा ,महेंद्र कुमार, सीताराम सहित कई लोगों शिविर में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के बबाई दौरे के लिए विधायक के मार्फत ब्लॉक कांग्रेस के निमंत्रण के बाद कार्यकर्ताओं की मीटिंग हुई

» नरेन्द्र स्वामी, मदरलैंड संवाददाता

खेतड़ी। निकटवर्ती बबाई गांव में सीएम के संभावित दौरे को लेकर शनिवार को कांग्रेस कार्यकताओं ने मीटिंग का आयोजन किया तथा विधायक डॉ.जितेन्द्र सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने निमन्त्रण दिया। राजस्थान सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के कारण मुख्यमंत्री का खेतड़ी दोरा रद्द हो गया था। लेकिन एक बार फिर से मुख्यमंत्री के संभावित दौरे को लेकर खेतड़ी की जनता की उम्मीद जगने लगी है। खेतड़ी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोकुलचंद सैनी की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकताओं की मीटिंग का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री के खेतड़ी आगमन पर विचार मंथन किया गया। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोकुलचंद सैनी ने बताया कि खेतड़ी विधायक डॉ.जितेंद्र सिंह के मुख्यमंत्री का सलाहकार बनने पर उनको बधाई देने के लिए जयपुर जाना हुआ। तब उनके नेतृत्व में कमेटी ने मुख्यमंत्री को खेतड़ी आने का निमंत्रण पत्र दिया। यदि मुख्यमंत्री खेतड़ी में आते है। तो बबाई में बन रही दुग्ध डेयरी का उद्घाटन कर सकते है। साथ ही बबाई में बनने वाले औद्योगिक क्षेत्र का शिलान्यास भी कर सकते है। इस मौके पर कांग्रेस शहर अध्यक्ष प्रभुदयाल कुमावत, चंदगीराम सैनी, विजेश मारवाल, सुरेश कुमार, रोहिताश सैनी आदी मौजूद रहे।

पुलिस व वन विभाग की खनन माफियाओं के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई

क्वार्डस एंड फेल्सफॉर के कीमती पत्थरों से भरे दो डंपरो को किया जब्त, एक चालक हुआ फरार

» मदरलैंड संवाददाता

खेतड़ी। नालपुर ग्राम पंचायत के बिस्सा गांव में अवैध खनन करने वालों पर पुलिस व वन विभाग ने शुक्रवार देर रात को संयुक्त कार्यवाही करते हुए कवर्डस एंड फेल्सफॉर पत्थरों से भरे दो डंपरों को जब्त किया। एक चालक अंधेरे का फायदा उठा कर फरार होने में कामयाब हो गया। वही दुसरे चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिला वन अधिकारी आरके हुड्डा के खेतडी दौरे के बाद पुलिस तथा वन विभाग के अधिकारियों द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद खनन माफियाओ में हड़कंप मच गया। थानाधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि शुक्रवार देर रात को नालपुर के बिस्सा गांव में पत्थरों का अवैध खनन होने की मुखबीर से सूचना मिली। वन क्षेत्र से कवर्डस एंड फेल्सफॉर पत्थर का अवैध खनन डंपरों में डाल कर हरियाणा ले जाया जा रहा है। सूचना पर थानाधिकारी विनोद सांखला मय जाब्ता तथा वन विभाग के रैंजर विजय फगेडिया के संयुक्त नेतृत्व में मौके पर पहुंच कर देखा तो वन क्षेत्र के क्वार्टज पत्थरों को अवैध तरीके से

डंपरों में भर कर ले जा रहे थे। दोनों डंपरों को रूकवा कर देखा तो डंपरों में क्वार्टज पत्थर भरे हुए थे। दोनों डंपरों को जब्त कर एक चालक गढी रूथला अटेली हरियाणा निवासी मनजीत सिंह पुत्र सुबे सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दुसरा अंधेरे का फायदा उठा कर मौके से फरार हो गया। थानाधिकारी सांखला ने बताया कि डंपर चालक ने पुछताछ के दौरान बताया कि यह कीमती पत्थर कवर्डस एंड फेल्सफॉर किस्म के हैं जो अन्य पत्थरों से कीमती होते हैं तथा यह पत्थर हरियाणा के कुल्ताजपुर क्रेसर पर ले जाकर वहा डस्ट बना कर बैची जाती है। जो साधारण पत्थरो की डस्ट ढाई सौ रुपए टन तथा इन पत्थरों से बनी डस्ट साढे पांच सौ रूपए टन बिकती है। पुलिस ने कवर्डस एंड फेल्सफॉर पत्थर से भरे दोनों डंपरों को जब्त कर चालक के खिलाफ अवैध खनन करने व परिवहन करने का मामला दर्ज कर लिया। टीम में सीआई विनोद सांखला, रेंजर विजय फगेड़िया, एसआई राजेंद्र सिंह, वनपाल सत्यवीर बबेरवाल, शाहरुख खान, रतन सिंह, सहायक वनपाल सत्यवान पूनिया, रंजीत सिंह, वनरक्षक अरुण कुमार साधुराम, दिनेश कुमार, राजवीर शामिल थे।

टाइल्स बनाने के काम आती है। पत्थरो की डस्ट

नालुपर के बिस्सा गांव का पत्थर हरियाणा में चांदी बरसा रहा है। जानकारी के अनुसार क्वार्टज पत्थर हरियाणा के कुल्ताजपुर में लगे क्रेशर पर ले जाकर वहा पर डस्ट बनाई जाती है जिसके बाद उस डस्ट से टाइल्स बनती है जिसके कारण यह पत्थर काफी महंगी कीमत पर बिकता है। साधारण पत्थरो की डस्ट 250 रूपए से तीन सौ रूपए टन के हिसाब से बिकती है वही इन पत्थरों की डस्ट साढे पांच सौ से छह सौ रूपए टन तक बिकती है। नालपुर बिस्सा के आसपास की पहाड़ियों से रात्रि को चोरी-छिपे इन पत्थरों डंपरों में भर कर अवैध परिवहन किया जाता है।

इनका कहना है

अवैध खनन व लकड़ियों को तस्करी को रोकने के लिए बसई में नाका लगा दिया गया है। बसई नाके पर सभी वाहनों की जांच कर ही हरियाणा में प्रवेश होने दिया जाएंगा। मेहाड़ा चौकी वालों को शिमला क्षेत्र में ध्यान रखने का निर्देश दिए है। क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए वन विभाग व पुलिस संयुक्त रूप से कार्यवाही करेंगे।

विनोद सांखला, थानाधिकारी खेतड़ी

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

खेतों की उर्वरता

सिद्धार्थ शंकर

देश के अलग-अलग हिस्सों में मिट्टी की जांच में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इसमें हुए खुलासे से पता चला है कि खेतों की मिट्टी में मौजूद 12 तत्वों में से अधिकांश तत्व या तो बहुत कम हैं या फिर बहुत ज्यादा हैं। यहां तक कि इनमें से छह तत्व पूरी तरह असंतुलित हैं। ऐसी मिट्टी में उपजे खाद्य पदार्थ खाने से लोगों में कुपोषण और कई तरह की बीमारियां घर कर रही हैं। मिट्टी के अंसतुलित पोषक तत्वों में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटेशियम, सल्फर और जिंक शामिल हैं। जाहिर है, इन जरूरी पोषक तत्वों की कमी से ही कुपोषण और खतरनाक बीमारियां तेजी से पैर पसार रही हैं। शरीर को जिस तरह पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह एक पौधे और फसल के लिए भी मिट्टी में तमाम तरह के तत्वों की जरूरत होती है। इन दिनों शरीर के लिए जरूरी अनाज, सब्जियों में पोषक तत्त्वों की कमी मिट्टी में आई पोषक तत्वों की कमी का नतीजा है।

मिट्टी में जिंक की कमी से अनाज में भी इसकी कमी पाई जाती है। शरीर में जिंक की कमी के कारण रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता घटती है। इससे निमोनिया, जुकाम, सांस संबंधी समस्याएं हो जाती हैं। सल्फर की कमी के कारण शरीर में नाखून और बालों की परेशानियां होने लगती है। आयरन की कमी से खून की कमी होती है। शरीर में बीस प्रतिशत आयरन की मात्रा जरूरी है। खून का प्रमुख घटक लाल रक्त कणिकाएं तैयार करने में आयरन की अहम भूमिका होती है। आयरन की कमी के चलते एनिमिया हो जाता है। गर्भवती महिलाओं में एनिमिया होने से कुपोषित बच्चे जन्म लेते हैं और जन्म के बाद भी दूध में पर्याप्त पोषकता नहीं रहती है। नाइट्रोजन की कमी या फिर अधिकता यानी प्रोटीन की कमी या अधिकता होती है। प्रोटीन से शरीर की कोशिकाएं तैयार होती है। प्रोटीन शुगर को नियंत्रित करने का भी काम करता है। अधिकांश खेतों में फास्फोरस की कमी पाई गई है। फास्फोरस की कमी के चलते हड्डियों की बीमारियां होने लगती है। इससे घुटने, कमर और हड्डियों से सबंधित बीमारियां होती हैं। कई जगह पोटेशियम की मात्रा में भी असंतुलन पाया गया। इसके असंतुलन से दिमागी रोग होते हैं।

मिट्टी में सभी जरूरी तत्वों का अपना-अपना काम होता है। बीजों के अंकुरण से लगा कर उनके विकास और खाद्यान्न का पोषक होना इन्हीं तत्वों पर निर्भर करता है। मिट्टी के पर्याप्त तत्वों वाले अनाज को खाने से ही हमारे शरीर में भी पोषण मिलता है। ज्यादातर बीमारियां इसीलिए हो रही हैं कि रासायनिक खाद, कीटनाशक और फसल चक्र बिगडने से जमीन की उर्वरता यानी मिट्टी में मौजूद पोषक तत्व खत्म हो रहे हैं। देश के ठेठ आदिवासी और जंगल से सटे इलाके में भी मिट्टी में घटते पोषक तत्वों की वजह से इस इलाके में होने वाले अनाज और सब्जियों में भी पोषक तत्वों की भारी कमी हो रही है। हैरानी की बात यह है कि अरबों-खरबों रुपए लगा कर केंद्र सरकार मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार करवा कर मिट्टी की सेहत की जांच तो करवा रही है, लेकिन जांच में मिट्टी के कमजोर मिलने पर संबंधित किसानों को मिट्टी की सेहत सुधारने फिर से रासायनिक खाद डालने की सलाह दी जा रही है जो बेहद खतरनाक साबित हो सकती है। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में अब तक कई जिलों के कुल एक लाख 43 हजार खसरों (जमीन खाते) के 28 हजार मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार किए जा चुके हैं। यहां के अधिकांश खेतों की मिट्टी में पोषक तत्वों का भारी असंतुलन देखने को मिला।

बड़ी संख्या में लोग आज भी इन्हीं खेतों का अनाज खा रहे हैं। ज्यादातर औरतों में एनिमिया यानी खून की कमी है। नौजवानों को मधुमेह और रक्तचाप जैसी बीमारियां हैं। खेतों की मिट्टी में जरूरी तत्वों का बेहद असंतुलन है। इन्हें संतुलित करने के लिए रासायनिक खाद डालने की सलाह तक दी जाती है। इसके साथ जैविक खाद को मिलाने की सलाह भी देते हैं। जो लोग पूरी तरह जैविक खाद के इच्छुक होते हैं उन्हें वैसी सलाह देते हैं लेकिन ऐसे लोग कम ही मिलते हैं। सभी प्रयोगशाला वाले रासायनिक खाद की सलाह ही देते हैं।

इस सबमें बुरी बात यह है कि हर किसान रासायनिक खाद के दुष्परिणामों को जानने और समझने के बाद भी इन उर्वरकों का लगातार उपयोग अपने खेतों में कर रहा है। इससे मिट्टी कमजोर से कमजोर होती जा रही है और उत्पादन भी कम होता जा रहा है। किसानों के पास उर्वरकों के विकल्प नहीं हैं। जैविक खाद और जैविक खेती के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के बावजूद अब तक अधिकांश किसान अब भी इससे गुरेज करते नजर आते हैं। न तो किसानों को इस बारे में यथोचित जानकारी है और न ही अब तक सरकार ने भी इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए हैं। लेकिन अब इस ओर ध्यान देना बेहद जरूरी हो गया है। सरकार जब किसानों की आय दोगुनी करने के प्रयास में जुटी है, तब देश के खेतों की मिट्टी की

गुणवत्ता खराब निकलेगी, तो प्रयास बेअसर हो जाएंगे और लोगों का स्वास्थ्य खराब होगा, सो अलग। लिहाजा मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रयास पर जोर हो।

संपादकीय

परिवारवाद और हमारा लोकतंत्र

संविधान-दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का कुछ विपक्षी दलों ने बहिष्कार क्यों किया, यह समझ में नहीं आता। शायद उन्हें शक था कि सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता को न तो मंच पर बिठाया जाएगा और न ही उसे बोलने भी दिया जाएगा। छोटे-मोटे अन्य विपक्षी दलों की उपेक्षा तो संभावित थी ही! यदि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की उपेक्षा उक्त प्रकार से की जाती तो इस समारोह का बहिष्कार सर्वथा उचित होता लेकिन लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि कांग्रेस के दोनों संसदीय नेताओं का राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के साथ मंच पर बैठने का इंतजाम किया गया था। इस दृष्टि से संविधान-दिवस का बहिष्कार करके कांग्रेस, जो कि उसकी जन्मदाता है, अपनी ही कृति को सम्मानित करने में हिचकिचा गई। ऐसे में नरेंद्र मोदी का चिढ़ जाना स्वाभाविक था। शायद इसीलिए उन्होंने भारतीय लोकतंत्र को हास्यास्पद बतानेवाले परिवारवाद की मजाक उड़ाई है। भारत की सिर्फ दो पार्टियों- भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टी को छोड़कर सभी पार्टियों का क्या हाल है? लगभग सभी पार्टियां प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बन चुकी हैं। कोई मां-बेटा पार्टी है, कोई बाप-बेटा पार्टी है, कोई चाचा-भतीजा पार्टी है, कोई पति-पत्नी पार्टी है, कोई बुआ-भतीजा पार्टी है, कोई मामा-भानजा पार्टी है, कोई मौसी-भानजा पार्टी है। आप समझ गए होंगे कि मैं किन पार्टियों का उल्लेख कर रहा हूं। इन पार्टियों की सिर्फ एक ही विचारधारा है। वह है- सत्ता ! सत्ता से पत्ता और पत्ता से सत्ता ! याने नोट से वोट और वोट से नोट ! इसी के चलते अपने कई स्वनामधन्य मुख्यमंत्री जेल की हवा खा चुके हैं। आजकल उनके बेटे और पोते उनकी प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां चला रहे हैं। ज्यादातर ऐसी पार्टियां भेड़-चाल पर निर्भर हैं। याने अपनी जातियों के वोट-बैंक ही उनकी प्राण-वायु हैं। इन अंधे जातीय वोट बैंकों की नींव पर ही भारतीय लोकतंत्र का भवन खड़ा हुआ है। इस जातीय लोकतंत्र को परिवारवाद ने खोखला कर रखा है लेकिन हमारा भवन क्यों नहीं ढहता है? हमारे शानदार संविधान की वजह से ! सारे पड़ौसी देशों के संविधान कई बार बदल चुके हैं और वहां सत्ता-पलट भी कई बार हो चुके हैं लेकिन भारत का लोकतंत्र जैसा भी है, आजतक दनदना रहा है और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना हुआ है। हम भारतीयों को गर्व होना चाहिए कि हमारा संविधान काफी लचीला है और लचीला होने के बावजूद उसने डेढ़ अरब लोगों के लोकतंत्र को अपने सबल कंधों पर थाम रखा है।

लाड़ली लक्ष्मी योजना से आत्मनिर्भर होती बेटियां

निलय श्रीवास्तव

कन्या के प्रति माता पिता, परिजनों से लेकर ससुराल तक का तथा सम्पूर्ण समाज का .ष्टिकोण बदला हुआ होगा। उसके प्रति सर्वत्र स्नेह,सहानुभूति और सम्मान का वातावरण होगा और फिर पता चलेगा कि कन्या भूण हत्या की उस सामाजिक बुराई का सदा-सदा के लिये खात्मा हो गया है जिसके तहत् कन्या के जन्म को अशुभ माना जाता था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में श्शबेटियों के बारे में समाज में पायी जाने वाली नकारात्मक सोच, लड़कों के मुकाबले उनकी कम होती संख्या,बालिका शिक्षा की कमजोर स्थिति, बेटियों को जल्दी ब्याह देने की प्रवृत्ति जैसी समस्याएं मुझे हमेशा से कचोटती और झंकझोरती रही हैं। उनके लिए कुछ सकारात्मक करने की तड़प मेरे मन में सदा से रही है। सौभाग्य से राज्य की बेटियों के हित में कुछ करने और अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने का मौका मुझे प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद मिला। मैंने बिना देरी किए बालिकाओं के सवार्गीण विकास को सुनिश्चित बनाने वाली योजनाएं बनाने का निश्चय किया। मेरे इस निश्चय के परिणामस्वरुप बनी योजनाओं में से एक है लाड़ली लक्ष्मी योजना।

महिला स्वावलम्बन की दिशा में मध्यप्रदेश ने अनेक योजनाओं को लागू किया है, इन्हीं में से एक है लाड़ली लक्ष्मी योजना। इस योजना का अनुसरण देश के कई राज्य कर चुके हैं। पढ़ायी -लिखायी से लेकर खेलों तक बेटियों की सफलता पर गौरवांवित होने वाले प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में श्शहम बालिकाओं को पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। पढ़ायी लिखायी से लेकर विवाह तक उन्हें हर संभव मदद की जायेगी।श्श मुख्यमंत्री का यह कथन बेटियों के समग्र विकास के लक्ष्य को प्रमाणित करता है। मध्यप्रदेश में बेटियों के स्वावलम्बन तथा उनकी समृद्धि की दिशा में हरसंभव प्रयास किये जा रहे हैं। बालिकाओं की समृद्धि से खुशहाली आयेगी, इसे .ष्टिगत रखकर लिया गया सरकार का हर एक फैसला प्रदेश के विकास के लिये मील का पत्थर साबित होगा। याद रहे कि मध्यप्रदेश में पिछले कई दशकों से एक ऐसी सरकारी योजना की कमी खलती थी जिससे गरीब वर्ग की कन्याओं के उन माता पिता को सहारा मिले जो बेटी को अपने पैरों पर खड़ा करना चाहते हैं। उन गरीब माता पिता के दर्द को जाना मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने और जुट गए एक ऐसी योजना तैयार करने जो उक्त दिशा में मील का पत्थर साबित हो। फिर लाड़ली लक्ष्मी योजना की अभिनव पहल की शुरूआत हुयी। देखते ही देखते हजारों बेसहारा निर्धन कन्याएं स्वावलम्बी बन गयीं। अनेकों शादी कर अपना घर बसा चुकी हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना का अनुसरण देश के कई राज्य कर रहे हैं क्योंकि निश्चित रूप से इससे प्रदेश में जनसंख्या वृद्धि दर तथा बाल विवाह में कमी आयेगी। स्वास्थ्य में सुधार भी परिलक्षित होगा,लिगांनुपात में सकारात्मक परिवर्तन के साथ परिवार नियोजन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मध्यप्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना को लागू किये एक दशक से अधिक का समय बीत चुका है, इस दौरान प्रदेश भर की लाखों कन्याओं को इसका लाभ मिला है। मध्यप्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना को आरम्भ हुए लगभग तेरह वर्ष बीत चुके हैं। इस अवधि में उक्त योजना के अन्तर्गत 40 लाख 22 हजार बालिकाओं की पहचान की गई। इनमें से लगभग 8 लाख से अधिक बालिकाओं को योजना का लाभ मिल चुका है। लाड़ली लक्ष्मी योजना के अन्तर्गत सर्वाधिक इन्दौर जिले में 1 लाख 70 हजार बालिकाएं चिन्हित हुयीं जबकि जबलपुर में 1 लाख 49 हजार, छिंदवाड़ा में 1 लाख 44 हजार, सागर में 1 लाख 39 हजार, भोपाल में 1 लाख 26 हजार, तथा रीवा में 1 लाख 18 हजार बालिकाओं की पहचान कर योजना से जोड़ा गया है।

इनमें अधिकांश को योजना का लाभ भी मिल चुका है। विगत् 14 अक्टूबर को भोपाल के मिंटों हाल में लाड़ली लक्ष्मी योजना पर केन्द्रित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश भर की 21 हजार 650 बालिकाओं के खातों में 5 करोड़ 99 लाख रुपये की राशि ट्रांसफर की । लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत् अब राज्य में किसी भी गरीब के घर जन्म लेने वाली कन्या अपने माता -पिता और परिजनों पर इसलिए बोझ नहीं बनेगी क्योंकि उसके लालन -पालन से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी तक हर कार्य में मदद के लिये अब उसके साथ सरकार की सहभागिता होगी। लड़की जिस घर में जायेगी लखपति बनकर जायेगी। कन्या के प्रति माता पिता, परिजनों से लेकर ससुराल तक का तथा सम्पूर्ण समाज का .ष्टिकोण बदला हुआ होगा।

उसके प्रति सर्वत्र स्नेह,सहानुभूति और सम्मान का वातावरण होगा और फिर पता चलेगा कि कन्या भूण हत्या की उस सामाजिक बुराई का सदा-सदा के लिये खात्मा हो गया है जिसके तहत् कन्या के जन्म को अशुभ माना जाता था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शब्दों में श्शबेटियों के बारे में समाज में पायी जाने वाली नकारात्मक सोच, लड़कों के मुकाबले उनकी कम होती संख्या,बालिका शिक्षा की कमजोर स्थिति, बेटियों को जल्दी ब्याह देने की प्रवृत्ति जैसी समस्याएं मुझे हमेशा से कचोटती और झंकझोरती रही हैं। उनके लिए कुछ सकारात्मक करने की तड़प मेरे मन में सदा से रही है। सौभाग्य से राज्य की बेटियों के हित में कुछ करने और अपनी सोच को अमलीजामा पहनाने का मौका मुझे प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद मिला। मैंने बिना देरी किए बालिकाओं के सवार्गीण विकास को सुनिश्चित बनाने वाली योजनाएं बनाने का निश्चय किया। मेरे इस निश्चय के परिणामस्वरुप बनी योजनाओं में से एक है लाड़ली लक्ष्मी योजना।श्श

बदलते सामाजिक परिवेश के साथ बेटियों के प्रति लोगों का .ष्टिकोण भी बदल रहा है। यही वजह है कि अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ बालिकाओं ने अपना वर्चस्व स्थापित किया। हाल ही में आये कुछ प्रतियोगी परिक्षाओं के परिणाम तथा अनेक खेल आयोजनों में बेटियों ने अपना परचम लहराया है।

ऐसे में यदि उन्हें कुछ सरकारी योजनाओं का लाभ मिले तो वे अपने पैरों पर खड़ी होकर दिखला सकती हैं। संतोष की बात है कि शिवराज सरकार से मिल रहे प्रोत्साहन और इस दिशा में हो रहे प्रयासों से हमारे प्रदेश की बेटियां दुनिया भर में मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं। सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं की भी इसमें भागीदारी सुनिश्चित होना चाहिये। पिछले दिनों आये एक सर्वे के मुताबिक दुनिया में जितनी भी महिला पायलट हैं उनमें सर्वाधिक संख्या भारतीय युवतियों की है। सिर्फ उड़ान का क्षेत्र ही नहीं बल्कि खेल तथा शिक्षा के क्षेत्र में भी बेटियां नित् नये कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। आवश्यकता उन्हें प्रोत्साहन तथा सुरक्षित माहौल देने की है। हम इस बात को दावे के साथ कह सकते हैं कि बतौर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने डेढ़ दशक लम्बे कार्यकाल के दौरान बेटियों की दुनिया में मुस्कान बिखेरी है। बेटियों के विकास के लिये प्रतिबद्ध शिवराज सरकार प्रदेश में ऐसा माहौल तैयार कर रही है जहाँ बेटियां आसमां से कहेंगी.....थोड़ा और ऊँचा उठ जाओ................।

जाँच एजेंसियो को कौन बताये कि रुपये कमाना कितना कठिन है

विवेक रंजन श्रीवास्तव

दक्षिण भारत के एक जूनियर इंजीनियर साहब के घर के ड्रेन पाईप से एंटी करप्शन ब्यूरो ने पांच सौ रुपये के ढ़ेर से बंडल ढ़ूंढ़ निकाले और चोक नाली से जल की अविरल धारा पुनः बह निकली. अब इन जाँच एजेंसियो को कौन बताये कि रुपये कमाना कितना कठिन है। घोटाले , भ्रष्टाचार , कमीशन , हफ्ता , पुलिसिया वसूली , माफिया , शराब , ड्रग्स , सेक्स रैकेट , वगैरह कुछ लोकप्रिय फामूर्ले हैं जिनमें रातो की नींद दिन का चैन सब कुछ दांव पर लगाना पड़ता है , तब कहीं बाथरूम की दीवारों , छत की सीलिंग , फर्श या गद्दे में छिपाने लायक थोड़े से रुपये जुट पाते हैं। अपने और परिवार के सदस्यो यहां तक कि कुत्ते बिल्ली के नाम पर सोना चांदी , चल-अचल संपत्ति अर्जित करना हंसी खेल नही होता। उनसे पूछिये जिन्होंने ऐसी अकूत कमाई की है। अरे मन मारना पड़ता है तरह तरह के समझौते करने पड़ते हैं , गलत को सही बताना पड़ता है। किसी की बीमारी की मजबूरी में उससे रुपये ऐंठने के लिये कितना बेगैरत बनना पड़ता है , यह किसी भी ऐसे डाक्टर से पूछ लीजीये जिसने महामारी की आपदा में अवसर तलाश कर रुपये बनायें हों। जांच के दौरान संपत्ति का कोई हिसाब-किताब नहीं दे पाने का रुतबा हासिल करना बिल्कुल सरल नही होता। ऐसे बड़े लोगों के ड्राइवर , नौकर , कर्मचारी भी उनकी बेनामी संपत्तियो के आफिशियल मालिक होते हैं। नेता जी , सरकारी अफसर , ठेकेदार , डाक्टर

जिसे जहाँ मौका मिल पाता है अपने सारे जुगाड़ और योग्यता से संम्पत्ति बढ़ाने में जुटे दिखते हैं। दूसरी ओर आम आदमी अपना पसीना निचोड़ निचोड़ कर महीने दर महीने बीमा की किश्तें भरता रहता है और बैंक स्टेटमेंट्स में बढ़ते रुपयो को देखकर मुंगेरीलाल के हसीन सपनों में खोया रहता है। वैसे रुपये कमाना जितना कठिन है , उन्हें संभालना उससे भी ज्यादा मुश्किल। माया बड़ी ठगनी होती है। सही निवेश न हो तो मेहनत से कमाई सारी संपत्ति डेप्रिशियेशन की भेंट चढ़ जाती है। शेयर बाजार बड़ों बड़ो को रातों रात सड़क पर ले आने की क्षमता रखता है।

आई ए एस के साक्षात्कार में पूछा गया यदि 2 करोड़ रुपये १० मिनट में छिपाने का समय मिलता हैं तो आप कया करेंगे ? उम्मीदवार का उत्तर था मैं ऑनलाइन आयकर विभाग को स्वयं सूचित करूँगा और उनको जानकारी दूंगा कि मेरे पास 2 करोड़ रुपये अघोषित धन हैं. मै इस 2 करोड़ पर जितना कर और जुमार्ना बनता हैं सब जमा करना चाहता हूँ. जितना कर और जुमार्ना निर्धारित होगा उसे जमा कर दूंगा. इसके बाद जो भी धनराशि बचेगी वह सफेद धन बन जाएगी और उसे म्यूचुअल फंड में निवेश कर दूंगा. कुछ ही वर्षों में वह बढ़कर 2 करोड़ से ज्यादा हो जायेगी। उम्मीदवार का चयन कर लिया गया। नियम पूर्वक चलना श्रेष्ठ मार्ग होता है। रुपयों को रोलिंग में बने रहना चाहिये। लक्ष्मी मैया सदा ऐसी कृपा बनायें रखें कि अच्छा पैसा खूब आये और हमेशा अच्छे कामों में लगता रहे। सद्कार्यो में किया गया निवेश पुण्य अर्जित करता है और पुण्य ही वह करेंसी है जो परलोक में भी साथ जा सकती है। शायद इसीलिये धमार्चार्य भले ही स्वयं अपने आश्रमो में लकदक संग्रह करते हों पर अपने शिष्यों को यही शिक्षा देते नजर आते हैं कि रुपया हाथ का मैल है। दान दया ही माया को स्थायित्व देते हैं। तो यदि घर के ड्रेन पाईप से रुपयों की बरामदगी से बचना हो तो मेक इट योर हेबिट टु ड्रेन आउट द मनी इन गुड काजेज एण्ड हेलपिंग अदर्स।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

वेवसाइट लोड नहीं लेता फसल क्षति पूर्ति का आवेदन, किसान परेशान

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। फसल क्षतिपूर्ति आवेदन कृषि विभाग के वेवसाइट पर लोड नहीं ले रहा है, जिसके कारण प्रखंड क्षेत्र के किसान परेशान हैं. बताते चले कि अतिवृष्टि के कारण किसानों की गन्ना, धान, सब्जी एवं अन्य फसल खेतों में जलजमाव के कारण डूबने से बर्बाद हो गया अथवा जलभराव के कारण फसल नहीं लग पाया और खेत परती रह गया. इससे किसानों को व्यापक आर्थिक नुकसान हुआ है. बिहार सरकार ने अतिवृष्टि के कारण फसलों के डूबने, बर्बाद होने अथवा खेत परता रहने के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिये किसानों को फसल क्षति मुआवजा देने की घोषणा कर रखा है. सरकार ने फसल क्षतिपूर्ति मुआवजा के लिये कृषि विभाग की वेवसाईट पर मांगें गये कागजातों के साथ ऑनलाइन आवदेन करने का निर्देश दे रखा है और दावा आपत्ति ऑनलाइन करने का अंतिम तिथि 30 नवम्बर निर्धारित है. लेकिन किसान जब वेवसाइट पर अपना दावा आवेदन ऑनलाइन करते हैं, तब कम्प्यूटर आवेदन पर रिजेक्ट कर देता है. लिखता है आपका पंचायत इससे संबद्ध नहीं है. आवेदन ऑनलाइन नहीं हो पाता है. इससे किसान परेशान और निराश हैं. सरकार की इस व्यवस्था से किसानों में आक्रोश है. प्रखंड के किसानों ने ऑनलाइन आवेदन लेने के बजाए पूरानी मेनुअल व्यवस्था बहाल करने का मांग किया है, ताकि किसान बिना परेशानी के लाभ ले सकें.

कहते हैं अधिकारी:-

इस संदर्भ में कृषि समन्वयक ने बताया कि सरकार द्वारा ऑनलाइन के माध्यम से ही आवेदन लेने का प्रावधान है, अभी सिर्फ गन्ना फसल के हुए नुकसान का दावा लिया जा रहा है, जिसका अंतिम तिथि 30 निर्धारित है. धान के लिए आवेदन की तिथि अलग से लिया जायेगा.

पीएचसी गढ़पुरा में 15 महिलाओं का हुआ बंध्याकरण

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़पुरा में शनिवार को परिवार नियोजन के लिए शिविर लगाया गया. इस दौरान करीब 15 महिलाएं परिवार नियोजन के ऑपरेशन के लिए निबंधन कराई. बीसीएम रतन कुमार ने बताया कि प्राथमिक जांच बाद सभी महिलाओं को परिवार नियोजन के ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया. उन्होंने बताया कि पीएचसी गढ़पुरा को 20 महिलाओं में परिवार नियोजन का लक्ष्य दिया गया था. इधर पीएचसी प्रभारी डॉ रामकृष्ण ने प्रखंड क्षेत्र के सभी आशा कार्यकताओं को परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता लाने को कहा साथ ही साथ पुरुष नसबंदी पर भी लोगों में जागरूकता फैलाने का निर्देश दिया गया।

मोतिहारी केंद्रीय कारा में डीएम व एसपी ने की छापेमारी

मदरलैण्ड संवाददाता, मोतिहारी। केंद्रीय कारा में शनिवार को जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक एवं पुलिस अधीक्षक नवीनचंद्र झा के द्वारा संयुक्त रूप से औचक छापेमारी की गई ।हालांकि छापेमारी के दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं पाया गया ।जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस बल के द्वारा सुबह छह बजे से आठ बजे तक जेल के विभिन्न वार्डों की तलाशी ली गई ।हालांकि इस दौरान कोई भी आपत्तिजनक सामान नहीं पाया गया ।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर केंद्रीय कारा के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया ।छापेमारी के दौरान एसडीओ सदर,डीएसपी सदर,जेल अधीक्षक,श्रम अधीक्षक,सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा,जिला योजना पदाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी मौजूद थे।

समुदाय की सक्रिय भागीदारी से आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम से कम करने का लिया संकल्प

मदरलैण्ड संवाददाता, मोतिहारी। बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप व सेव द चिल्ड्रेन के संयुक्त पहल पर शनिवार को केसरिया प्रखण्ड के ढेकहां में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया ।आपदा पूर्व तैयारी और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ विषय पर आयोजित इस गोष्ठी में ग्रामीणों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये ।उपस्थित ग्रामीणों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आई बाढ़ से हम लोगों का क्षेत्र मारक बनता जा रहा है ।जिसके फलस्वरूप हमारे जीविका के साधन खेती-गृहस्थी,आवास का संकट बढ़ता जा रहा है ।इस दौरान ग्रामीणों ने समुदाय की सक्रिय भागीदारी से आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम से कम करने का संकल्प भी लिया गया ।वहीं बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप की ओर से यह जानने का भी प्रयास किया गया आखिर इसका समाधान क्या है ।स्थानीय महिलाओं ने कहा कि अगर हम लोगों को समय के पहले सूचना प्राप्त हो जाए तो हम लोग सतर्क हो जाएंगे ।हमें कहीं ऊंची जगहों पर सरकार बसा दे ।गोष्ठी में उठे सवालों का जवाब देते हुए सेव द चिल्ड्रेन के हामिद रजा ने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित लेबर कार्ड,बिहार शताब्दी कामगार शिल्पकार सहायता योजना,परवरिश योजना,बालिका समृद्धि योजना सहित दर्जनों योजना के संदर्भ में उपस्थित लोगों को जानकारी दी ।उन्होंने कहा कि किसी भी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए उपयुक्त डॉक्यूमेंट/कागजात होना जरूरी है ।इसके लिए संबंधित विभाग से सम्पर्क करना होगा ।श्री रजा ने बाल विवाह एवं बाल मजदूरी से होने वाले नुकसान के बारे में भी विस्तार से बताया ।बैठक में 11 सदस्यीय ग्राम आपदा प्रबंधन समिति का भी गठन किया गया ।जिसमें चंदा देवी,बसंती देवी,उषा देवी,किशोरी देवी,ज्ञान्ति देवी,कांति देवी,उमेश पासवान,रामेश्वर पासवान,कमलेश्वर सहनी सहित अन्य को सदस्य के रूप चुना गया ।मौके पर सेव द चिल्ड्रेन के हसन इमाम,कुमारी स्वर्णा के अलावा मुखलाल राम,सुन्दरमति देवी,सत्येंद्र पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

धान खरीदी के लक्ष्य से कोसो दूर है खोदावंदपुर

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। सरकार ने सरकारी समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीद करने का निर्देश दिया है.पैक्स अध्यक्षों और व्यापार मंडल को धान खरीदने के लिए अधिकृत किया गया है. खोदावंदपुर में धान खरीद का कुल लक्ष्य 1510 मैट्रिक टन है.प्रखंड क्षेत्र के कुल आठ पैक्सों और खोदावन्दपुर व्यापार मंडल को धान खरीदने की जिम्मेदारी दी गयी है.प्राप्त जानकारी के अनुसार सागी पैक्स को 180 मैट्रिक टन, दौलतपुर पैक्स को 150 मैट्रिक टन, बाड़ा पैक्स को 130 मैट्रिक टन, बरियारपुर पूर्वी पैक्स को 180 मैट्रिक टन, बरियारपुर पश्चिमी पैक्स को 150 मैट्रिक टन, फफौत पैक्स को 210 मैट्रिक टन, खोदावन्दपुर पैक्स को 110 मैट्रिक टन एवं मेघौल पैक्स को 270 मैट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.इसके अलावे खोदावन्दपुर व्यापार मंडल को 130 मैट्रिक टन धान खरीदने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है.धान बेचने वाले किसानों को इसके लिये ऑनलाइन आवेदन करना है. खोदावंदपुर प्रखंड के कुल 920 किसानों ने अपना धान बेचने के लिये आवेदन किया है.जिसमें 882 किसान अपना धान पैक्स को और 38 किसान व्यापार मंडल को अपना धान देना चाहते हैं.मिली जानकारी के अनुसार सागी पंचायत के 101, दौलतपुर पंचायत के 120, बाड़ा पंचायत के 43, बरियारपुर पूर्वी के 176, बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के 87, फफौत पंचायत के 103, खोदावन्दपुर पंचायत के 183 एवं मेघौल पंचायत के 107 किसानों ने अपना धान बेचने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है.सरकार ने सामान्य धान का समर्थन मूल्य 1940 रुपये प्रति क्विंटल एवं ए ग्रेड धान का 1990 रुपया निर्धारित किया है.बताते चले कि पिछले दिनों जिला सहकारिता पदाधिकारी ललन शर्मा ने खोदावन्दपुर पहुंचकर सभी पैक्स अध्यक्षों और व्यापार मंडल अध्यक्ष को धान क्रय कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया था, परंतु अबतक धान क्रय कार्य में तेजी नहीं देखी जा रही है.जिसके कारण धान बेचने की प्रतीक्षा कर रहे किसानों में परेशानी है।

टीकाकरण के अंतिम दिन अधिकारियों ने किया निरीक्षण

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। गढ़पुरा प्रखंड में कोरोना टीका का विशेष अभियान के अंतिम दिन शनिवार को जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने टीकाकरण कार्य का जायजा लिया. इस दौरान उन्होंने सर्व प्रथम कोरैय पंचायत के हरखपुरा गांव पहुंचे. वहां हाउस मार्किंग को देखते हुए उन्होंने डोर टू डोर कई घर के लोगों से टीकाकरण से संबंधित जानकारी प्राप्त किए. बताते चलेगी विशेष टीकाकरण अभियान 16 नवंबर से 27 नवंबर के बीच आयोजित की गई थी हिस्ट्री का क्रम अभियान की सफलता को लेकर जिला की टीम के द्वारा निरीक्षण किया गया. इसके उपरांत गढ़पुरा पंचायत में भी कई जगहों पर यह टीम पहुंची एवं टीकाकरण से संबंधित कई जानकारियां एकत्र किए. इस मौके पर डब्ल्यूएचओ के एसएमओ गीतिका शंकर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़पुरा के प्रभारी डॉक्टर रामकृष्ण, बीसीएम रतन कुमार समेत कई स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

पीएमसीएच में पाये गए जूनियर डॉक्टर सहित डेगू के 12 मरीज

पटना में दो मिले कोरोना पॉजिटिव

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। पटना में 24 घंटे में कोरोना के दो नये मरीज मिले हैं. वहीं, पटना जिले में डेगू के मरीजों की संख्या में भी निरंतर इजाफा हो रहा है. इसी क्रम में शुक्रवार को पीएमसीएच में 31 सैपल की जांच में डेगू के छह मरीज मिले है. इनमे एक पीएमसीएच परिसर स्थित चाणक्या हॉस्टल में रहने वाले जूनियर डॉक्टर को डेगू पॉजिटिव रिपोर्ट आयी है. जिले में 24 घंटे के अंदर कुल 12 नये मरीज डेगू के पाये गये है.

इसके साथ ही जिले मे डेगू मरीजों की संख्या बढ़कर 326 पहुंच गयी है. इनमे अधिकांश मरीज घर पर व कुछ का शहर के पराइवेट अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है. पॉजिटिव छह मरीजों में तीन मुसल्लहपुर हॉट, सुल्तानगंज, बाजार समिति आदि इलाके के है. वही पीएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ विद्यापति चौधरी ने बताया कि डेगू वार्ड में दो नये मरीज को भर्ती किया गया है.

पटना में मिले कोरोना के दो मरीज

पटना में 24 घंटे में कोरोना के दो नये मरीज मिले हैं. दोनों मरीज शहर के ही रहने वाले हैं और खुद को होम आइसोलेशन में रखा है. दोनों का स्वास्थ्य ठीक है. जिले में कुल 35 मरीज एक्टिव हैं, इनमें सात मरीज पटना एम्स सहित निजी अस्पतालों में भर्ती हैं. राज्य में पिछले 24 घंटे में राज्य में पांच नये कोरोना संक्रमित पाये गये।

सारठ व पालोजोरी प्रखण्डों में आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम सारठ प्रखंड के सबैजोर पंचायत, बगडबरा पंचयात के अलावा पालोजोरी प्रखंड के सगराजोर पंचायत में आयोजित की गई।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया। इसके अलावे आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान से जुड़ी जानकारी ग्रामीणों को देते हुए कहा कि कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उदेश्य है कि केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना, लोगों को जागरूक करना, ताकि लोग आसानी से योजनाओं का लाभ उठा सके।

कार्यक्रम में सारठ प्रखंड के सबैजोर व बगडबरा पंचायत अन्तर्गत 3809 आवेदन प्राप्त किये गये, जिनमें से कुल 615 आवेदनों का निष्पादन ऑन द स्पॉट किया गया। साथ हीं लाभुकों के बीच सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, कम्बल का वितरण, आवास स्वीकृति, मनरेगा जॉब कार्ड, केसीसी का वितरण किया गया। वहीं पालोजोरी प्रखंड के सगराजोर व बांधडीह पंचायत अन्तर्गत 1564 आवेदन प्राप्त किये, जिसमें ऑन द स्पॉट 371 मामलों का निराकरण किया गया। वहीं विभिन्न योजनाओं के तहत परिसम्पतियों का वितरण किया गया।

इसके अलावे कार्यक्रम के दौरान आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग के योजनाओं को प्रदर्शन करते हुए स्टॉल लगाया गया था, जहां योजनाओं से जुड़ी जानकारी के प्रचार-प्रसार हेतु पम्पलेट का वितरण भी लोगों के बीच किया गया। साथ हीं शत प्रतिशत कोविड टीकाकरण उदेश्य से स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन कर लोगो का कोविड जांच और कोविड का टीका दिया गया।

इस दौरान उपरोक्त के अलावे प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सारठ, पालोजोरी, अंचल अधिकारी, सारठ, पालोजोरी, प्रखण्ड एवं पंचायत स्तर के अधिकारी, कर्मी व जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

लिलवर मांझी की आंखों से छलके खुशी के आंसू, मिला पेंशन का सहारा

» मदरलैण्ड संवाददाता

राँची। चास प्रखंड स्थित सुनता पंचायत के 65 वर्षीय लिलवर मांझी की आखों में खुशी के आंसू उस समय छलक गए, जब उन्हें पेंशन स्वीकृति का प्रमाण पत्र मिला। लिलवर मांझी ने रुंधे गले से अपनी संथाली भाषा में कहा, अडी सरहाव सरकार, जय हो आपे या द्वर आपे रेन सरकार (धन्य सरकार... जय हो सरकार आपके द्वार...)। गौरतलब है कि लिलवर की वर्षों पुरानी मांग आज पूर्ण हो गई। कई बार वृद्धावस्था पेंशन के लिए पंचायत/अंचल कार्यालय में आवेदन दिया। किसी न किसी कारण से आवेदन लंबित रह जाता था, लेकिन इस बार आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार के माध्यम से उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई, उन्हें उनका अधिकार प्राप्त हुआ।

जामताड़ा जिला के करमाटांड़ प्रखंड स्थित जेरूवा ग्राम निवासी शोभि पहाड़िया स्नातक के छात्र हैं। वे पिछले पांच सालों से जाति प्रमाणपत्र बनवाने के लिए प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर लगा रहे थे। इसके बाद डुमरिया पंचायत भवन में आयोजित आपके अधिकार- आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में वे अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। उनकी समस्या सुनकर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने इसकी जानकारी अंचल अधिकारी को दी। इसके बाद अविलंब कागजी कार्रवाई करते हुए सिर्फ 45 मिनट में ही शोभि पहाड़िया को जाति प्रमाणपत्र निर्गत किया गया। शोभि ने कहा कि जिस काम के लिए वह लंबे समय से परेशान थे, वह काम तुरंत हो गया।

हजारीबाग के कटकमदाग प्रखण्ड के मसरातू निवासी दीपक कुमार रजक (39 वर्ष) और विनोद ठाकुर (44 वर्ष) दिव्यांग हैं। वे चलने में असमर्थ हैं। कोई साधन नहीं होने पर वे शिविर तक नहीं पहुंच सके थे। जब इसकी जानकारी मसरातू पंचायत में आयोजित शिविर में उपायुक्त को मिली, तो प्रशासन की टीम दोनों व्यक्तियों के घर पहुंची। दोनों के पास दिव्यांगता प्रमाणपत्र भी नहीं था, इससे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा था। प्रशासन की ओर से दोनों दिव्यांगजनों को ट्राईसाईकिल प्रदान किया गया। इसके साथ ही उन्हें दिव्यांगता प्रमाणपत्र भी दिया गया। ठंड से बचने के लिए कंबल भी प्रदान किए गए। दीपक कुमार रजक और विनोद ठाकुर ने कहा कि उन्होने कल्पना भी नहीं की थी कि उनकी समस्या का समाधान इतनी जल्दी और आसानी से हो जायेगा।

आपके अधिकार-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के जरिये जिला प्रशासन लोगों के द्वार तक पहुंच रहा है। उन्हें जनउन्मुखी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। जनता को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें तत्काल राहत पहुंचाई जा रही है। अभी तक इस कार्यक्रम के माध्यम से 4,58,667 आवेदनों में 2,04,257 मामले निष्पादित किये जा चुके हैं। इसके अलावा 2,48,805 मामलों को निष्पादित करने की प्रक्रिया जारी है।

- द्वार तक पहुंच रहा प्रशासन
- जाति प्रमाणपत्र बनने में लगे सिर्फ 45 मिनट

लकी ड्रा से कोरोना टीका लगवाने वालों को मिलेगा पुरस्कार

वैक्सीन लगवाइए, टीवी-फ्रीज घर ले जाइये

» मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। कोरोना वैक्सीन का दूसरा डोज निर्धारित तिथि से 7 दिनों के अंदर लगाने वालों को अब पुरस्कार मिलेगा. यानी टीका लगवाएं और घर में टीवी, फ्रीज, क्रिकेट बैट, फुटबॉल समेत अन्य सामान पुरस्कार में जीतें. योजना 27 नवंबर से 31 दिसंबर तक चलेगी. कोरोना टीकाकरण की दूसरी डोज की गति बढ़े इसके लिए राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने लाभुकों के लिए प्रखंड स्तर पर सप्ताहिक और जिला स्तर पर मासिक पुरस्कार योजना की घोषणा की है. इसे लेकर 27 नवंबर से 31 दिसंबर तक लगातार 5 सप्ताह प्रखंड स्तर पर सप्ताहिक और जिला स्तर पर 5 सप्ताह पूरा होने पर और ग्रैंड उसका होगी. इसको लेकर राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह ने डीएम और सिविल सर्जन को पत्र लिखा है.

सांत्वना, बंपर पुरस्कार के होंगे दावेदार

इस योजना के तहत प्रखंड स्तर पर प्रति सप्ताह एक विजेता को बंपर प्राइज और 10 विजेता को सांत्वना पुरस्कार मिलेगा. बंपर प्राइस में मिक्सर कुकिंग गैस स्टोव, पानी के फिल्टर, सीलिंग फैन, इंडक्शन समेत कोई और सामान हो सकता है. बंपर पुरस्कार में तीन हजार तो सांत्वना पुरस्कार में 1000 का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा. 5 सप्ताह पूरा होने पर जिला स्तर पर तीन विजेताओं को बड़ा पुरस्कार दिया जाएगा. इसमें प्रखंड के सभी विजेताओं में से तीन को 25 हजार तक का 32 इंच की एलईडी टीवी या रेफ्रिजरेटर दिया जाएगा.

चार दिसंबर को पहले सप्ताह के विजेता का होगा चयन

सिविल सर्जन डॉ उमेश शर्मा के अनुसार पहला सप्ताह के लक्की ड्रॉ से चयनित विजेताओं का चयन 4 दिसंबर को किया जाएगा. अगले शनिवार तक उपहार उपलब्ध करा दिया जाएगा. वहीं लाभुकों की सूची एवं पुरस्कार की सारी प्रक्रिया को पूरी करने का भार केयर इंडिया को दिया जाएगा।

सखी मंडलों द्वारा निर्मित उत्पादों को व्यवसायिक रूप देने का हो रहा प्रयास- हेमंत सोरेन

» मदरलैण्ड संवाददाता

राँची। सरकार की योजनाएं और कार्य जन जन तक पहुंचे । राज्य के सुदूर ग्रामीण इलाकों में अंतिम पंक्ति के लोगों को इसका लाभ मिले, यह हमारा संकल्प है। जनता के प्रति इसी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत राज्य के गांव गांव और पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान करने के साथ विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है । मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी सुदूर इलाकों में रहने वाले लोगों को नहीं होती है। इस वजह से वे इन योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं। ऐसे ही लोगों को जागरूक और योजनाओं से जोड़ने के लिए आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से जुड़कर आप राज्य के विकास में सहभागी बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति, आय और आवासीय प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर जरूरतमंदों को हमेशा ही सरकारी दफ्तरों का कई बार चक्कर लगाना पड़ता है। ऐसे में लोगों को इस तरह की समस्याएं ना हो । आपकी समस्याओं का समाधान आपके दरवाजे पर हो , इसी मकसद से यह अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन में लोगों की रोजी -रोटी पर संकट पैदा हो गया था ।विषम परिस्थितियों में सरकार ने गरीबों और जरूरतमंदों का पूरा ख्याल रखने का प्रयास किया । लोगों को अपने ही घर पर रोजगार देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई। अब जब स्थिति सामान्य हो रही है तो कई और विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया जा रहा है ।इस मौके पर उन्होंने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से लोगों को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और लोगों की आय में वृद्धि हो, यह सरकार की विशेष प्राथमिकता है । इसी के मद्देनजर मुख्यमंत्री पशुधन योजना और मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना समेत कई योजनाएं चलाई जा रही है ।उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के दौरान पता चला कि राज्य के लाखों मजदूर बड़े शहरों में काम करने को मजबूर है । अब ऐसे मजदूरों को अपने ही गांव -घर में रोजगार मिले, यह सरकार प्रयास कर रहे हैं । इससे पलायन को रोकने में कामयाब होंगे ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अहर्ता होने के बाद भी कई जरूरतमंदों और गरीबों को विभिन्न पेंशन योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था ।इस वजह से सरकार ने सार्वभौमिक पेंशन योजना शुरू की है ।इसमें पेंशन के लिए लाभुकों की संख्या सीमा समाप्त कर दी गई है । 60 साल से ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को पेंशन देने का सरकार निर्णय लिया है । वही, सभी विधवाओं, परित्यक्ता और दिव्यांगों को भी पेंशन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला समूह को सशक्त बनाने के लिए पूंजी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा सखी मंडलों के उत्पाद को व्यवसायिक रूप देने का सिलसिला शुरू हो चुका है । इसके लिए पलाश ब्रांड के माध्यम से उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का काम सरकार कर रही है । उन्होंने कहा कि सखी मंडलों के उत्पादों का टर्नओवर 15 सौ करोड़ करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार सभी जरूरी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर सोना सोबरन धोती -साड़ी योजना के 10, प्रधानमंत्री आवास योजना के 10, मनरेगा शेड के 5, मुख्यमंत्री पशुधन योजना के 10, फूलो झानो योजना के 5 ,कम्बल वितरण और पेंशन स्वीकृति के 5, मच्छरदानी वितरण योजना के 5 लाभुकों के बीच सांकेतिक रूप से परिसंपत्तियों का वितरण किया । इसके अलावा सांकेतिक तौर पर जेएसएलपीएस एसएसजी बैंक लिंकेज योजना के तहत पांच सखी मंडलों के बीच 5 करोड़ रुपए, भैरवा जलाशय में अंगुलिका संचयन के लिए 6 लाभुकों को संयुक्त रूप से 18 लाख रुपए, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत दो लाभुक को क्रमश 25 लाख एवं 15 लाख रुपए तथा दो लाभुकों को भू बंदोबस्ती पट्टा सौंपा गया ।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

संक्षिप्त समाचार

सत्तरघाट पुल मार्ग पर आवागमन प्रारम्भ करने की मांग को लेकर प्रधान सचिव को दिया ज्ञापन

मदरलैण्ड संवाददाता, मोतिहारी। केसरिया की जदयू विधायक शालिनी मिश्रा व बैकुंठपुर के पूर्व विधायक मंजीत सिंह ने सत्तरघाट पुल मार्ग पर आवागमन प्रारम्भ करने व ढेकहाँ–सुन्दरापुर में गाईड बांध बनाने की मांग को लेकर पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत को संयुक्त ज्ञापन सौंपा है।इसके माध्यम से विधायक श्रीमति मिश्रा ने विभागीय प्रधान सचिव से डुमरियाघाट पर नया फोर लेन पुल बनाने की भी मांग की है।साथ हीं उन्होंने डुमरियाघाट पुल को तत्काल मरम्मत कराने का अनुरोध किया है ताकि नया पुल बनने तक इस पर आवागमन सुचारू तरीके से हो सके।उन्होंने बताया कि प्रधान सचिव ने सत्तरघाट पुल मार्ग पर अविलंब कार्य प्रारंभ करने तथा डुमरियाघाट पुल के लिए भी करवाई का आश्वासन दिया।ज्ञात हो कि इसी वर्ष जून माह में गंडक नदी में पानी के बढ़ते दबाव को देखते हुए सत्तरघाट पुल के समीप अप्रोच पथ को काटा गया था।जिसके बाद उक्त मार्ग से आवागमन बाधित है।

विभिन्न कांडों में जब्त शराब को किया गया नष्ट

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। प्राणपुर––रोशना ओपी परिसर में शनिवार को प्राणपुर सीओ नीलनी कांत के नेतृत्व में विभिन्नय कांडों में जब्त किए गए देशी शराब कुल 35.लीटर 500 एम एल, एंव विदेशी शराब 08 लीटर 280 एम एल याने कुल 43 लीटर 780 एम एल को गड्ढे खोदकर विनिष्टीकरण किया गया।उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्राणपुर सीओ निलनी कांत ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्गत आदेश के आलोक में कई कांडों में जब्त 43 लीटर–780 एम एल देशी एवं विदेशी शराब का विनीष्टीकरण किया गया।वहीं दूसरी ओर शराब विनीष्टीकरण के दौरान रोशना ओपी प्रभारी प्रेम कुमार भारती ने कहा कि शराब कारोबारी व शराबी को लेकर प्रशासन शख्त है।वही उक्त शराब को लेकर क्षेत्र में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शराब कारोबारियों को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा।

रोशना ओपी के जनता दरबार मे हुआ मामलों का निपटारा

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। प्राणपुर थाना क्षेत्र के रोशना ओपी परिसर में प्रत्येक शनिवार की तरह इस शनिवार भी रोशना ओपी परिसर में जनता दरबार लगाया गया था, जिसमें कई पंचायत के लोग अपनी समस्या को लेकर रोशना ओपी परिसर मैं पहुंच कर लगी जनता दरबार में अपना अपना दस्तावेज एवं कागजात पेश किए वही विभिन्न मामलों को लेकर लोगों के बीच नोकझोंक भी हुई, वही सीओ मिलनी कांत एवं रोशना ओपी अध्यक्ष प्रेम कुमार भारती ने कुल दो मामले की कागजात की जांच पड़ताल कि जिसमें कुल दो मामले में एक मामले को निष्पादन किया गया, बाकी एक मामले की कुछ कागजात एवं परथम पक्ष उपस्थित थे एवं दूसरा विपक्ष अनुपस्थित होने के कारण मामला अगले तिथि तक निलंम्बित रहा।

फसल कटनी प्रयोग से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

मदरलैण्ड संवाददाता, सुपौल। बिहार राज्य फसल सहायता योजनांतगर्त अर्थ सांख्यिकी निदेशालय,बिहार पटना के निदेशानुसार फसल कटनी प्रयोग से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन शनिवार को जिला स्थित टीसीपी भवण मे किया गया ह्ल उक्त प्रशिक्षण का जिला पदाधिकारी महेंद्र कुमार ने द्वीप प्रजवलित कर उद्‌द्घाटन किया ह्ल जब की मौके पर पुलिस कप्तान मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त के अलावे जिला के तमाम अधिकारी मौजूद थे ह्ल वही जिला सांख्यिकी पदाधिकारी द्वारा तकनीकी जानकारी के साथ साथ प्रशिक्षण के दौरान फसल कटनी प्रयोग के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला गया ह्ल वर्तमान समय मे पंचायत मे गेहूं, मक्का एवं धान का पांच पांच प्रयोग किया जाता है ह्ल जिस का प्रयोगात्मक खण्ड 105 वर्ग आयातकार मे किया जाता है।

गोबरबके खाद से खेतों को उपजाऊ बनाने में जुटे किसान

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। हसनगंज प्रखंड अंतर्गत ढेरुआ पंचायत में किसान इन दिनों खेतों को उपजाऊ बनाने में जुटे हैं। गोबर खाद को खेतों में डालकर हंकाई-जुताई कर जमीन को अच्छी फसल पैदावार के लिए तैयार कर रहे हैं। किसान बिक्रम कुमार मंडल आदि ने बताया रासायनिक खाद के मुकाबले गोबर खाद से जमीन को ज्यादा उपजाऊपन मिलता है और हर तरह की फसल के लिए लाभदायक रहता है। किसान सालभर में राख आदि इकट्ठा किए गोबर से तैयार हो रही खाद को खेतों मे बिखेरकर गहरी जुताई कर रहे हैं, जिससे कि बेहतर उत्पादन हो। बताया गया कि रासायनिक खाद से जमीन हल्का हो जाता है। इसके बाद जमीन में एकाएक फसल में उर्वरा शक्ति बढ़ जाता है। जो हम किसानों के लिए वरदान साबित होता है। प्रखंड के दर्जनों ने कहा कि किसानों के लिए अपने भरपूर मात्रा डीएपी खाद नही मिल रहा है। अगर किसी तरह किसानों को मिलता है तो वो दर अधिक लिया जाता दुकानदार द्वारा ऐसे में किसानों के हित में उच्च अधिकारी जांच करें ताकि हम किसानों को उचित मूल्य पर डीएपी खाद मिल सकेगा।

महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 45 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया।

बिहार सरकार के द्वारा जन संख्या नियंत्रण पर कंट्रोल करने के लिए कई तरह की योजना चला रही लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है स्वास्थ केंद्रों में निशुल्क महिलाओं का ऑपरेशन भी किया जाता है और सहायता के तौर पर सरकारी राशी भी मुहैय्या कराई जाती है। कोढ़ा सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में आज सुबह से ही बंध्याकरण ऑपरेशन कराने के लिए महिलाए प्रखंड क्षेत्र के अलावा फलका डुम्मर इत्यादि जगहों से आकर ऑपरेशन के इंतजार में बैठी हुई है। डॉक्टर चिकित्सा पदाधिकारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि बराबर यहां महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया जाता है निशुल्क दवाई और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाती है चिकित्सा पदाधिकरी ने बताया कि आज 45 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया।

सम्मानित किए गए नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कुरसेला प्रखंड में पंचायत चुनाव के परिणाम के उपरांत शनिवार को निवर्तमान विधानपार्षद अशोक अग्रवाल एवं बरारी विधायक विजय सिंह के द्वारा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन समारोह मनाया गया। समारोह के दरमियान सभी जनप्रतिनिधियों को अंग वस्त्र देकर एवं पुष्प माला पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दौरान विधानपार्षद एवं विधायक ने लोगों से जुड़ी हुई समस्याओं को भी सुना। सनद रहे कि पंचायत चुनाव समाप्त होने के बाद विधान परिषद का चुनाव भी होना है। जिसमें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में चुने हुए जनप्रतिनिधि विधान परिषद में वोट डालेंगे। विधान परिषद अशोक अग्रवाल लगातार तीसरी बार विधान परिषद चुनाव लड़ेंगे। विधान पार्षद अशोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि उनका प्रयास रहा है कि जन सरोकार से जुड़ी हुई समस्याओं को ज्यादा से ज्यादा समाधान कर गांव तथा समाज के विकास का कार्य करें।इसी आशा के साथ वह सभी प्रतिनिधियों का अभिनंदन समारोह मना रहे हैं।बरारी विधायक विजय सिंह ने भी विधान पार्षद के पक्ष में प्रतिनिधियों से सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, योगेंद्र गुप्ता, राधेश्याम मंडल,कैलाश सहनी, रणधीर जयसवाल, सिंटू यादव, मिलन मंडल, राघवेंद्र सिंह, पवन सिंह, विजय जयसवाल, मो. हलीम, विमल मंडल इत्यादि उपस्थित थे।

अस्पताल में उचित देखरेख के अभाव में प्रसव गृह में प्रसूता की मौत -ल

परिजनों ने पूरे प्रकरण की जांच की मांग की

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार।सदर अस्पताल में मरीजों का सुधि नहीं लिया जाता है। खासकर प्रसव कराने के उद्देश्य से आई गर्भवती महिला का सुधि नहीं रखने से जच्चा एवं बच्चा को असमय काल के गाल में समाना पड़ रहा है। इस तरह की वाकिया प्रकाश में आया है। शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के परतेली निवासी एक महिला नंदनी कुमारी प्रसव कराने के लिए सदर अस्पताल में सुबह के 8 बजे भर्ती हुई। भर्ती के क्रम में चिकित्सक ने मरीज का विभिन्न प्रकार की जांच लिखा गया।मरीज के परिजन कल्पना देवी ने बताई के चिकित्सक के अनुसार निजी जांच घर गए तो वहां जांच घर में जांच कर्मी के द्वारा पैसे की मांग की गई।पैसा देने के पश्चात जांच रिपोर्ट दिया गया।जांच कराने के बाद प्रसव गृह में तैनात नर्स को रिपोर्ट सौंपा गया। तत्पश्चात चिकित्सक रिपोर्ट को देखा।रिपोर्ट के अनुसार गर्भवती महिला को ऑपरेशन कर बच्चा ने जन्म लिया।शाम में अचानक उनको सांस लेने में तकलीफ हो रही थी उसके बाद परिजन ने ड्यूटी पर तैनात नर्स को कई बार जाकर कहा कि मेरी बच्ची की तबीयत बिगड़ रही है आप जाकर कृपया देख ले तो नर्स ने उन्हें चलाते हुए कहा कि आप हमसे ज्यादा जानते हैं दर्द होगा और डियुटी पर तैनात नर्स नहीं गई।इलाज में काफी लापरवाही बरती गई। बाद में नंदनी कुमारी की मौत हो गई। मृतिका के परिजन ने बताया कि ऑपरेशन के नाम पर आशा के द्वारा स्वास्थ्य कर्मी ने मोटी रकम वसूली की थी। प्रसूता की मौत के बाद उनके परिजनों के द्वारा हल्ला गुल्ला किया गया। लेकिन इनकी शोर भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारी एवं पदाधिकारी में पूरी तरह दब कर रह गयी। मृतिका के परिजन कल्पना देवी ने अपनी बात मीडिया के समक्ष रखें और न्याय की गुहार लगाई है। और यह बताएं कि आशा के द्वारा रू10000 की मांग की गई थी और सुबह से लेकर शाम तक में रू10 खर्च कर दिया आए दिन आशा कर्मी के द्वारा रुपए की डिमांड की जाती है और जांच के नाम पर अवैध उगाही की जाती है जब टिकट सदर अस्पताल मैं किसी तरह का कोई पैसा का डिमांड नहीं होना चाहिए अब देखने वाली बात यह है कि कटिहार के जिलाधिकारी उदयन मिश्रा इन सब मामले में क्या संज्ञान लेते हैं और क्या कार्रवाई करते हैं।

दूसरा टीका का समय होते ही 07 दीनो के अंदर ले टीका और जीते इनाम

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कोरोना वायरस संक्रमण देश, राज्य एवं जिलों को मुक्त करने के लिए सरकार द्वारा हर स्तर पर कोविड वैक्सीन से आच्छादित करने को मुहिम चलाई जा रही है, लेकिन अभी लाभार्थी है जिन्होंने कोविड-19 टीकाकरण का दुसरा डोज नहीं लगवाया है। इसी क्रम में राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निदेर्शानुसार जिला पदाधिकारी श्री उदयन मिश्रा के नेतृत्व में कोविड-19 टीकाकरण के तहत द्वितीय डोज के आच्छादन में वृद्धि लाने के उद्देश्य से केयर इंडिया के तत्वावधान में लाभार्थियों को उपहार देकर पुरस्कृत किया जायेगा। जिला जन-संपर्क पदाधिकारी श्री अनिकेत कुमार ने कहा कि राज्य में कोविड-19 टीकाकरण के आच्छादन में वृद्धि लाने के उद्देश्य से द्वितीय खुराक से डयू लाभार्थियों द्वारा डयू के सात दिनों के अंदर जिनका 84 से 91वे दिन(द्वितीय खुराक प्राप्त कर लिया जाता है तो उन्हें लक्की ड्रा (लॉटरी) के माध्यम से उपहार देकर पुरस्कृत किया जायेगा। कोविन पोर्टल के माध्यम द्वितीय खुराक से डयू लाभार्थी में से जिन लाभार्थियों द्वारा उनके द्वितीय खुराक डयू होने के सात दिनों के अंदर द्वितीय खुराक प्राप्त कर लिया जाता है तथा इनके टीकाकरण की स्थिति को पोर्टल पर नियत अवधि में अद्यतन कर दिया जाता है तो उसी लाभार्थियों को लक्की ड्रा के लिए योग्य पात्र माना जायेगा। लक्की ड्रा की अवधि 27 नवंबर 2021 से 31 दिसंबर 2021 तक निर्धारित किया गया है, जिसके लिए लाभार्थियों की डयू खुराक के गणना हेतु 27 नवंबर 2021 को प्रथम दिन 31 दिसंबर 2021को अंतिम दिन होगा। उक्त अवधि के दौरान सप्ताहिक लक्की ड्रॉ का आयोजन किया जाएगा जिसके तहत 5 सप्ताह निर्धारित किया गया है जिसमें प्रथम सप्ताह 27 नवंबर से 3 दिसंबर तक, दूसरा 4 दिसंबर से 10 दिसंबर तक, तीसरा सप्ताह 11 दिसंबर से 17 दिसंबर को, चौथा सप्ताह 18 से 24 दिसंबर तथा पांचवा सप्ताह 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक रखा गया है। 27 नवंबर से 3 दिसंबर 2021 अर्थात प्रथम सप्ताह के लक्की ड्रा चयनित विजेता का चयन 4 दिसंबर 2021को किया जाएगा तथा उन्हें आने वाले अगले शनिवार तक देय उपहार उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला पदाधिकारी, द्वारा सभी दूसरा टिका से छूटे हुए लाभार्थी को दूसरा टीका लेने की अपील की।

हाई लेवल कमिटी ने पिपरा पिपरासी तटबंध का किया निरीक्षण

डिविजन एक व दो से लगभग एक दर्जन भेजा गया प्रस्ताव

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बगहा पिपरा पिपरासी तटबंध का जायजा शनिवार को हाई लेवल कमिटी ने शनिवार लिया। गोपालगंज के मुख्य अभियंता प्रकाश दास ने बताया कि जीएफजीसी के चेयरमैन शेर सिंह की अध्यक्षता में अभियंताओं की टीम पीपी तटबंध पर पहुंची है। उक्त टीम में अभियंता प्रमुख राजेश कुमार, डिजाइन के मुख्य अभियंता राकेश कुमार ,गोपालगंज के मुख्य अभियंता प्रकाश दास, बाढ़ नियंत्रण अंचल पडरौना के अधीक्षण अभियंता महेश्वर शर्मा, आईआरआई डुगरी के चंद्रा कुमार ,डब्ल्यूपीआरएस के आरजी पाटिल आदि शामिल थे।

सबसे पहले धनहा गौतम बुद्धा सेतु के गाईड बांध 2300 स्पर पर बाढ़ से क्षतिग्रस्त का निरीक्षण गहनता पूर्वक किया गया।दुलारी रिटायर लाइन बांध के क्षतिग्रस्त बिंदु की जायजा ली गई। चंद्रपुर के कट इन पॉइंट, सीआरएल के कटाव स्थल जो बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं। करीब एक दर्जन प्रस्ताव डिवीजन संख्या एक और दो के द्वारा दी गई है। उसे गहनता पूर्वक जांच किया गया। मौके पर नजरी नक्शा का अवलोकन भी समिति के द्वारा किया गया। इस पर मंथन व चर्चा भी हुई कि आगामी बाढ़ पूर्व बाढ़ से कैसे निजात मिले। इन सब बिंदु पर पारकोपाइन ,जिओ बैग, सैंड बैग ग्रेवियन का प्रस्ताव विभाग के द्वारा दिया गया है।

बांध के दक्षिणी साइड में जहां पानी का बुलबुला निकलता है। वहां मिट्टी के पुस्ता का प्रस्ताव दी गई है। निरीक्षण करने के उपरांत उक्त समिति के द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाएगी।उसके बाद टेंडर की प्रक्रिया होगी।आगामी बाढ़ पूर्व एंटी रोशन कार्य करा कर स्थल को सुरक्षित कर लिया जाएगा।इससे पूर्व हाई लेबल की उप समिति ने निरीक्षण कर अपनी अनुसंशा किया है। मौके पर कार्यपालक अभियंता सईद अहमद ,सुनील कुमार, सहायक अभियंता कामेश्वर दास ,रवि प्रकाश ,गौतम कुमार , बसंत पासवान,पंकज कुमार,कनीय अभियंता धर्मेंद्र कुमार, ब्रजेश कुमार,अर्जुन गुप्ता राजीव कुमार आदि शामिल रहे।

मानदेय देने सहित तीन सूत्री मांग को लेकर वार्ड सचिवों ने दिया ज्ञापन

» मदरलैण्ड संवाददाता

मोतिहारी। तीन सूत्री मांग को लेकर पंचायत वार्ड सचिव संघ केसरिया के सदस्यों ने शनिवार को स्थानीय बीडीओ को ज्ञापन दिया।इसके माध्यम से वार्ड सचिव को स्थायी करने,उचित मानदेय देने व सरकारी कर्मी का दर्जा देने की मांग की गई है।संघ के सदस्यों ने बीडीओ से इस मांग को उच्चाधिकारियों व सरकार को अवगत कराने का आग्रह किया है।।ज्ञापन देने वालों में संघ के प्रखंड अध्यक्ष सत्येंद्र महतो,अजय शर्मा,किरण देवी,साबरा खातुन,अरमान खान,अरुण गिरी,फूल महम्मद,भजन मुखिया, विकास कुमार,गिरेन्द्र मिश्रा,श्यामलाल,अयूब अंसारी,ब्रजेश कुमार, राजकुमार, अदनान, अशोक उपाध्याय आदि शामिल हैं।

अवैध पावर क्रेशर चलाने के आरोप में 31 पर मुकदमा दर्ज

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया।बगहा/हरनाटांड़ पुलिस जिला के नौरंगिया थाना क्षेत्र में अवैध रूप से गन्ना क्रेशर चलाने के आरोप में कुल 31 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। ईंख पदाधिकारी राम सिंह के द्वारा इन गन्ना किसानों पर मुकदमा दर्ज करने के लिए नौरंगिया थाना में आवेदन दिया गया था।ईंख पदाधिकारी द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार थाना क्षेत्र में चल रहे पावर क्रेशर बिना किसी अनुज्ञप्ति के चल रहे हैं तथा सरकार के द्वारा निर्धारित मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं। साथ ही पावर क्रेशर के लिए किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई है।ईंख पदाधिकारी ने अपने आवेदन में आगे लिखा है कि पावर क्रेशर चलाने वाले लोग नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। जो बिहार (आपूर्ति एवं खरीद का विनियम) अधिनियम 1981 की धाराओं का सरासर उल्लंघन है। वे सभी लोग चिन्हित किए जा चुके हैं। उनकी सूची आवेदन के साथ संलग्न है।इस संबंध में पूछे जाने पर नौरंगिया थानाध्यक्ष विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि ईंख पदाधिकारी के द्वारा दिए गए आवेदन तथा सूची के आधार पर पावर क्रेशर चलाने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज करते हुए कांड संख्या 74/21 अंकित किया गया है तथा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हत्यारोपी मोतीलाल यादव के गिरफ्तारी से ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। बगहा पुलिस जिला के चौतरवा पुलिस ने हत्यारा मोतीलाल यादव को गिरफ्तार कर लिया है।यादव को शुक्रवार के मध्य रात्रि में गिरफ्तार किया गया। बगहा एसडीपीओ कैलाश प्रसाद ने बताया कि 23 सितंबर को दियारा क्षेत्र के मठिया रेता मे गन्ना की खेत में एक 40 वर्षीय महिला तारा देवी की निर्मम हत्या मोतीलाल यादव ने किया था। कथित मोतीलाल यादव ने धारदार हथियार से महिला का गला काट कर दो टुकड़ा कर दिया था।हत्या के बाद परिवार वाले और गांव वाले यादव के भय से भयभीत थे। ग्रामीण ग्राम रक्षा दल बनाकर यादव से सुरक्षा कर रहे थे।यहां तक की परिवार का कोई भी सदस्य खेतों में जाने के पहले अपने साथ धारदार हथियार लेकर जाया करता था।यादव के इस गिरफ्तारी से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है।गिरफ्तार मोतीलाल यादव ने बताया कि अब पछतावा हो रहा है। अपने करने पर पछता रहा हूं।यादव जो भी काम करता था प्लानिंग के साथ किया करता था।यादव गिरफ्तार नहीं आए इसके लिए अपना हुलिया बिल्कुल बदल लिया था।अपने बाल और दाढ़ी को कटवा दिया है।यादव टीका भी नहीं कर रहा था। हत्या के बाद अपने पहचान को बिल्कुल बदल लिया था। वहीं चौतरवा थानाध्यक्ष शंभूशरण गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि में छापेमारी चल रही थी। उसी दौरान गन्ने के खेत से एक भागते हुए व्यक्ति को पुलिस वालों ने देखा।जिसे शक के आधार पर धर दबोचा गया। उन्होंने बताया कि यादव को पकड़े जाने के बाद पूछताछ किया गया जिसमें यादव ने अपना नाम रतवाल निवासी नारायण दास बताया। लेकिन शक के आधार पर साधु को थाने लाया गया जहां पर उसकी पहचान मोतीलाल यादव के रूप में हुई। मठिया रेता में छठिया घाट के समीप साधु ने महिला की हत्या की थी। उसी के पास तो कदम की दूरी पर यादव पुलिस के हत्थे चढ़ गया। हालांकि पकड़े जाने के बाद यादव कई तरह के बहाने बना रहा था।यादव के गिरफ्तार होने के बाद पति ने कहा कि अब मेरे पत्नी को शांति मिलेगी। घटना के बाद आज चैन से सो पाऊंगा। उसने बताया कि अब बच्चों को भी घर बुला लूंगा।यादव की गिरफ्तारी का खबर जैसे ही गांव में पहुंची आसपास के गांव के लोग थाने में पहुंचकर यादव को देखने लगे। सभी लोग तिरस्कार भरे शब्दों का प्रयोग यादव के लिए कर रहे थे।ग्रामीणों ने बताया कि यादव के डर से महिलाएं खेतों की तरफ नहीं जाती थी।

फाइजर बोली- कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमिक्रॉन' पर प्रभावी है वैक्सीन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। महामारी कोरोना के घातक वायरस के नए स्वरूप ह्यओमिक्रॉनह्ल से पूरी दुनिया में अफरा-तफरी मची है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक वैज्ञानिक इसे बेहद खतरनाक मान रहे हैं। अफ्रीकी देशों में मिले इस नए वेरिएंट के बारे में कहा जा रहा है कि ये तेजी से लोगों को संक्रमित करता है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या कोरोना के खिलाफ फिलहाल इस्तेमाल की जा रही वैक्सीन ओमिक्रॉन के खिलाफ भी प्रतिरोधी हैं? इस पर अमेरिका कंपनी फाइजर ने कहा है कि फिलहाल कुछ भी साफ-साफ नहीं कहा जा सकता। हालांकि कंपनी ने कहा है कि वो अगले सौ दिनों के अंदर इसके लिए नई वैक्सीन तैयार करेगी।

खबरों के मुताबिक फाइजर ने एक बयान जारी कर कहा है कि वो फिलहाल मौजूदा वैक्सीन को ओमिक्रॉन के खिलाफ टेस्ट कर रहे हैं। कंपनी के मुताबिक अगर ये असरदार नहीं हुआ तो फिर मौजूदा वैक्सीन में कुछ फेरबदल कर नई वैक्सीन तैयार की जाएगी। समाचार के मुताबिक अगले दो हफ्ते में टेस्ट के नतीजे सामने आ जाएंगे। दक्षिण अफ्रीकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि ओमिक्रॉन में पिछले वेरिएंट के मुकाबले ज्यादा म्युटेशन देखा जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका के महामारी विज्ञानी सलीम अब्दुल करीम ने मीडिया को बताया कि चिंता की बात ये है कि नए वेरियंट पर मौजूदा टीके काम नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा ये काफी तेजी से भी फैल रहा है। करीम ने कहा, ह्यअगर ये वेरिएंट डेल्टा की तुलना में अधिक या अधिक तेजी से फैलता है, तो इसका अनुमान लगाना बहुत मुश्किल होगा।ह्ल बता दें कि कोरोना के इस नए वेरिएंट को पहले बी.1.1.529 का नाम दिया गया था, लेकिन अब डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि इसे ओमिक्रॉन के नाम से जाना जाएगा। साथ ही इसे ह्यवेरिएंट ऑफ कन्सर्नह्ल श्रेणी में रखा गया है। यानी इसका मतलब ये हुआ कि कोरोना वायरस के इस नए वेरिएंट को लेकर चिंता जताई गई है और आने वाले दिनों में इस पर खास नजर रखी जाएगी। एक बयान में डब्ल्यूएचओ ने कहा कि चिंता की बात ये है कि कोरोना के इस वेरिएंट में तेजी से म्यूटेशन भी हो रहा है।

कोरोना के नए ओमिक्रोन स्वरूप को लेकर दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति ने बुलाई आपात बैठक

जोहानिस्बर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कोरोना के नए ओमिक्रोन स्वरूप को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंता के बीच, शनिवार को राष्ट्रीय कोरोना कमांड काउंसिल (एनसीसीसी) की आवश्यक बैठक बुलाई है। इस स्वरूप के अधिक संक्रामक होने की आशंका है।यह बैठक दक्षिण अफ्रीका और पड़ोसी देशों नामीबिया, ज़िम्बाब्वे और बोत्सवाना के साथ-साथ लेसोथो और इस्वातिनी (पूर्व में स्वाजीलैंड) से आने-जाने पर ब्रिटेन के बाद कई यूरोपीय देशों द्वारा यात्रा प्रतिबंध लगाने के बीच हो रही है। प्रतिबंध लगाने वाले नए देशों में मॉरिशस, अमेरिका, इजराइल, श्रीलंका और नीदरलैंड शामिल हैं।अटकलें हैं कि रामाफोसा नए स्वरूप के प्रसार को रोकने के लिए सख्त लॉकडाउन और अन्य उपायों की घोषणा कर सकते हैं। इस सप्ताह पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाए गए कोरोना के नए स्वरूप बी.1.1.1.529 को शुक्रवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा ‘चिंताजनक स्वरूप’ के रूप में नामित कर इस ओमिक्रोन नाम दिया है।

दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार 24 नवंबर को डब्ल्यूएचओ को इसकी जानकारी दी थी और बोत्सवाना, बेल्जियम, हांगकांग और इजराइल में भी इसकी पहचान की गई है। अतीत में, दक्षिण अफ्रीका की पांच-स्तरीय लॉकडाउन रणनीति में बदलाव की घोषणा करने के पहले हमेशा एनसीसीसी की बैठक होती थी। मंत्री मोंडली गुंगुबेले ने कहा, ‘इस बैठक के नतीजे यह दिशा देगा कि क्या राष्ट्रपति की समन्वय परिषद के स्तर पर और परामर्श की आवश्यकता है।’

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तानी सेना की भूमि का क्यों किया जा रहा व्यवसायिक उपयोग: न्यायालय

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने रक्षा सचिव से सवाल किया कि रणनीतिक और रक्षा भूमि का उपयोग शादी की पार्टियों और सिनेमाघरों जैसी व्यावसायिक गतिविधियों के लिए क्यों किया जा रहा है। न्यायालय ने यह पूछताछ तब की जब पता लगा कि शक्तिशाली सेना ने व्यावसायिक गतिविधियों के लिए रक्षा भूमि का उपयोग किया था। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ सैन्य भूमि का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किए जाने के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। एक खबर के अनुसार प्रधान न्यायाधीश ने सैन्य भूमि के व्यावसायिक उपयोग को लेकर रक्षा सचिव सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद हिलाल हुसैन से पूछताछ की। उन्होंने सवाल किया कि क्या रक्षा भूमि पर सिनेमाघर और मैरिज हॉल आदि का निर्माण किया गया है। पीठ ने सवाल किया कि यह जमीन आपको रणनीतिक और रक्षा उद्देश्यों के लिए दी गई थी, आपने इस पर व्यावसायिक गतिविधियां शुरू कर दी हैं। क्या मैरिज हॉल, सिनेमाघर और हाउसिंग सोसाइटी रक्षा उद्देश्यों के लिए बनाई गई हैं? रक्षा सचिव ने कहा कि हमने तय किया है कि अब ऐसा दोबारा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हाउसिंग सोसाइटी के निर्माण और सैन्य भूमि के व्यावसायिक उपयोग की जांच की जाएगी और उस पर रोक लगायी जाएगी। पीठ ने उनसे लिखित स्पष्टीकरण देने को कहा।

मेक्सिको में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त, 19 की मौत, 32 घायल

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मध्य मैक्सिको में एक धार्मिक स्थल पर तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त होने से 19 लोगों की मौत हो गई है जबकि 32 अन्य घायल हो गए हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि ऐसा लगता है कि बस चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और बस स्टेट ऑफ मेक्सिको में एक इमारत से जा टकराई। बस पश्चिमी मिचोआकन से चलमा की ओर जा रही थी। रोमन कैथोलिक तीर्थयात्री सदियों से इस शहर में जाते रहे हैं। घायल यात्रियों की हालत के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है।

सोलोमन द्वीप हिंसा में तीन शव बरामद, 100 से अधिक लोग गिरफ्तार

कैनबरा, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के देश सोलोमन द्वीप के चीन के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर भड़की हिंसा के बाद पुलिस ने जली इमारत से तीन शव बरामद कर हिंसा के आरोप में 100 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि शुक्रवार देर रात तीन शव बरामद किए गए। सोलोमन द्वीप के संकटग्रस्त प्रधानमंत्री मनासेह सोगावरे की ओर से लगा 36 घंटे का लॉकडाउन शुक्रवार को समाप्त होने के बाद अधिकारियों ने राजधानी होनियारा में कर्फ्यू लगा दिया। सोगावरे ने कहा है कि हिंसा के लिए विदेशी हस्तक्षेप जिम्मेदार हैं, इसकारण उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है। सोलोमन द्वीप पर करीब सात लाख लोग रहते हैं, यह ऑस्ट्रेलिया से 1500 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। ताइवान से नाता तोड़कर चीन के साथ संबंध प्रगाढ़ करने का सरकार का रुख देश के लोगों को पसंद नहीं है जिसे हिंसा के पीछे एक बड़ा कारण बताया जा रहा है। सोलोमन द्वीप करीब एक हजार द्वीपों से मिलकर बना संप्रभु राष्ट्र है। देश में कानून व्यवस्था कायम करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई पुलिस और राजनयिकों को लेकर एक विमान पहुंचा है। ऑस्ट्रेलिया के साथ एक द्विपक्षीय संधि के तहत सोगावरे के आग्रह पर यह तैनाती की गई है। घटनाक्रम पर संयुक्त राष्ट्र भी नजर रखे हुए है।

4.3 तीव्रता के भूकंप से कांपा अफगानिस्तान का हिंदु कुश इलाका

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 4.3 तीव्रता के भूकंप से यहां धरती में हलचल महसूस की गई। भूकंप विज्ञान के राष्ट्रीय केंद्र के अनुसार इस भूकंप के बाद जान माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। इससे पहले 7 अक्टूबर को राजधानी काबुल में भी तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 रही। भूकंप के ये झटके काबुल के उत्तर-पूर्व में आया। वहीं 17अगस्त को भी अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

सिंगापुर कोर्ट ने बरकरार रखी ड्रग तस्करी के दोषी भारतीय मूल के दो लोगों की मौत की सजा

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की सर्वोच्च अदालत ने मार्च 2016 में 1.34 किलोग्राम मादक पदार्थ की तस्करी की साजिश रचने का दोषी ठहराए गए भारतीय मूल के दो व्यक्तियों की मौत की सजा को बरकरार रखा है। भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक कमलनाथन मुनियांडी (27) और भारतीय मूल के सिंगापुरी नागरिक चंद्रू सुब्रमण्यम (52) ने अपराध में संलिप्तता और मादक पदार्थ की जानकारी होने से इनकार किया था।

अपीलीय अदालत ने मामले में शामिल एक तीसरे व्यक्ति भारतीय मूल के मलेशियाई नागरिक प्रवीणाश चंद्रन (26) की अपील को भी शुक्रवार को खारिज कर दिया, जिसे मादक पदार्थ रखने के जुर्म में आजीवन कारावास और 15 बेंत मारने की सजा सुनाई गई थी। इससे पहले, उच्च न्यायालय ने पाया था कि प्रवीणाश मादक पदार्थ का मात्र वाहक था और अभियोजन पक्ष ने प्रमाणित किया था कि उसने मादक पदार्थों की तस्करी गतिविधियों को रोकने में मदद की थी। पांच मार्च, 2016 को कमलनाथन और प्रवीणाश दक्षिणी प्रायद्वीपीय मलेशिया को जोड़ने वाले मार्ग वुडलैंड्स चेकपॉइंट से होते हुए सिंगापुर पहुंचे। जब वे क्रांजी एमआरटी रेलवे स्टेशन पहुंचे तो प्रवीणाश के झोले में नशीले पदार्थ रखे गए थे।

इसके बाद दोनों व्यक्ति पास की एक कॉफी शॉप में गए जहां कमलनाथन ने सुरेन नाम के एक व्यक्ति को बुलाया। बाद में वे क्रांजी रोड गए, जहां उन्होंने चंद्रू से संपर्क स्थापित किया, जिसने उन्हें पैसे और प्लास्टिक के खाली बैग दिए। इन तीनों को अलग होने के तुरंत बाद सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो (सीएनबी) के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने शुक्रवार को जारी एक फैसले में कहा कि मादक पदार्थ प्रवीणाश के झोले में पाए गए थे।

दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में इन दिनों सियोल लालटेन महोत्सव चल रहा है। इसमें भाग लेने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

नए कोरोना वेरिएंट के 3 केस मिलने पर चीन में हाई अलर्ट, कैंसिल की गई 500 उड़ानें, स्कूल-टूरिस्ट स्पॉट बंद

बीजिंग, एजेंसी। कोरोना के नए वैरिएंट के तीन मामले मिलने के बाद चीन सरकार दहशत में आ गई है। चीन ने शंघाई के 2 एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली करीब 500 फ्लाइट्स को सस्पेंड कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने स्कूलों को बंद करा दिया है। इसके साथ ही टूरिस्ट स्पॉटों को बंद कर दिया गया है। कहा जा रहा है कि फरवरी 2022 के विंटर ओलिंपिक को देखते हुए चीन ने यह कदम उठाया है।

विंटर ओलंपिक में कई देशों के एथलीट्स और मीडियाकर्मी शामिल होंगे। चीनी मीडिया के मुताबिक, पास के हांग्जो शहर की यूनिवर्सिटी में एक केस मिलने के बाद पूरे कैंपस को बंद कर दिया गया था। ओलिंपिंक के आयोजन वाले पार्क को भी इवेंट से पहले सील कर दिया गया है। शंघाई की हेल्थ अथॉरिटी ने शुक्रवार को कहा पाए गए तीनों नए केस 3 दोस्तों के हैं, जो पिछले हफ्ते सूजौ शहर घूमने गए थे। फ्लाइट ट्रैकर वैरीफलाइट के आंकड़ों के मुताबिक शुक्रवार को शंघाई के दो प्रमुख एयरपोर्ट्स की 500 से भी अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं।

शंघाई प्रशासन ने शहर से जुड़े सभी अंतरराज्यीय टूर पर रोक लगा दी है। यहां के 6 अस्पतालों ने भी बाहरी मरीजों को भर्ती करने से इनकार कर दिया है। शंघाई कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख झांग वेनहोंग ने कहा चीन ने कोरोना की रोकथाम के दौरान ढेर सारे प्रयास किए हैं, इसलिए कोरोना को लेकर हमारी रणनीति मे कोई बदलाव नहीं होगा।

कोरोना को लेकर सावधानी नहीं बरतने पर हमें फिर से पहली जैसी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारी फरवरी के विंटर ओलिंपिक में किसी तरह की अड़चन नहीं चाहते। सूजौ शहर शंघाई से करीब 100 किलोमीटर दूर है, इसकी आबादी करीब 1.3 करोड़ है। प्रशासन ने यहां के सभी टूरिस्ट स्पॉट को बंद कर दिया है, निवासियों को शहर छोड़ने से पहले कोरोना निगेटिव की रिपोर्ट दिखानी होगी। शंघाई के एक मरीज के संपर्क में आने के बाद सूजौ में सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। शहर के निवासी बाहर जाने के लिए बस सर्विस का उपयोग भी नहीं कर पा रहे हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- मुंबई हमले के दोषियों को सजा देने में हो गया काफी विलंब

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारत की आर्थिक राजधानी कहलाने वाले मुंबई में 26/11 हमलों की 13वीं बरसी पर यहां के निवासियों की सहनशीलता की सराहना करते हुए पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 2008 में किए गए नरसंहार के दोषियों को जल्द सजा देने की जरूरत पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादी समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे और उन्होंने कई स्थानों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी, जिसमें 18 सुरक्षा कर्मियों समेत 166 लोगों की मौत हो गई थी। हमलों में मारे गए लोगों में छह अमेरिकी भी शामिल थे। ब्लिंकन ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ह्यमुंबई में 26/11 आतंकवादी हमले को हुए 13 साल बीत गए हैं। आज बरसी पर हम छह अमेरिकियों समेत सभी मृतकों को और मुंबई वासियों की सहनशीलता को याद करते हैं। अपराधियों को सजा दिए जाने का लंबे समय से इंतजार है।ह्ल अमेरिका की उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा कि आतंकवाद के

खिलाफ लड़ाई में अमेरिका और भारत एकजुट हैं। उन्होंने कहा, ह्यमुंबई की हाल की मेरी यात्रा में मैं भयानक आतंकवादी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए ताज महल पैलेस होटल में 26/11 स्मारक पर गई थी।ह्ल सांसद एलिसे स्टेफनिक ने कहा, ह्यमुंबई में आतंकवादी हमले की 13वीं बरसी पर आज हम इसमें जान गंवाने वाले लोगों को याद करते हैं। इस अन्याय को भुलाया नहीं जा सकता।ह्ल वहीं, यहां भारतीय दूतावास ने 26/11 हमलों की बरसी पर अपने परिसरों में एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें कई नेता शामिल हुए।

कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन को डब्ल्यूएचओ ने बताया बेहद खतरनाक, कई देशों ने लगाया ट्रैवल बैन

ब्रसेल्स, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सलाहकार समिति ने दक्षिण अफ्रीका में पहली बार सामने आए कोरोना वायरस के नए वेरिएंट को 'बेहद तेजी से फैलने वाला चिंताजनक प्रकार' करार दिया है। ग्रीक वर्णमाला के तहत इसे 'ओमिक्रॉन' नाम दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कई माह बाद नए प्रकार के रूप में किसी वैरिएंट को रखा है। इसी कैटिगरी में कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट को भी रखा गया था जो भारत में भी दूसरी लहर के लिए जिम्मेदार रहा है।

डब्ल्यूएचओ ने कोरोना वायरस इवोल्यूशन पर तकनीकी सलाहकार समूह की एक आपातकालीन बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा कि कोविड-19 महामारी विज्ञान में एक हानिकारक परिवर्तन का संकेत प्रस्तुत किए गए सबूतों के आधार पर, टीएजी-वीई ने डब्ल्यूएचओ को सलाह दी है कि इस संस्करण को चिंता के प्रकार (वीओसी) के रूप में नामित किया जाना चाहिए और डब्ल्यूएचओ ने बी.1.1529 को इस रूप में नामित किया है। इस वीओसी का नाम 'ओमीक्रॉन' है।

वर्तमान सार्स-कोव-2 पीसीआर डायग्नोस्टिक टूल कोरोना के इस नए प्रकार का पता लगाने में सक्षम है। बयान में कहा गया है कि कई प्रयोगशालाओं ने संकेत दिया है कि एक व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले पीसीआर परीक्षण के लिए, तीन लक्ष्यों में से एक का पता नहीं चला है (इसे एस जीन ड्रॉपआउट या एस जीन लक्ष्य विफलता कहा जाता है) और इसलिए इस परीक्षण को इस प्रकार के लिए मार्कर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में मिले कोरोना के नए वेरिएंट को लेकर पूरी दुनिया सतर्क हो गई है। कुछ देशों ने दक्षिण अफ्रीका से यात्रियों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। अमेरिका ने कोविड-19 के वैरिएंट के चलते दक्षिण अफ्रीका और सात अन्य अफ्रीकी देशों के गैर-अमेरिकी नागरिकों की यात्रा पर सोमवार से पाबंदी लगाने का ऐलान किया है। कनाडा ने भी घोषणा की कि उसने उन विदेशी यात्रियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है जिन्होंने पिछले 14 दिन में अफ्रीका के दक्षिणी भाग की यात्रा की है। सरकार के मंत्रियों ने यह भी कहा कि पिछले 14 दिन में अफ्रीका के दक्षिणी भाग की यात्रा करने वाले सभी कनाडाई नागरिकों की जांच भी अनिवार्य होगी।

पिछले 14 दिन में कनाडा आने वाले लोगों को भी पृथक-वास में रहने और कोविड संक्रमण की जांच कराने को कहा गया है। फ्रांस ने दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र से आने वाली सभी उड़ानों को 48 घंटे के लिए निलंबित कर दिया। इटली ने पिछले 14 दिनों में इन दक्षिणी देशों में रहने वाले किसी भी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। नीदरलैंड और चेक गणराज्य इसी तरह के उपायों की योजना बना रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका से नीदरलैंड पहुंचीं फ्लाइट में 85 यात्रियों के संक्रमित होने की आशंका से मचा हड़कंप

एम्सटडर्म, एजेंसी। कोविड-19 के बदलते वेरिएंट से पूरी दुनिया में खौफ के बीच नीदरलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका से दो उड़ानों से एम्स्टर्डम पहुंचे दर्जनों लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने की आशंका है। हालांकि अफ्रीका से आई फ्लाइट्स के सभी लोगों की जांच की जा रही है, लगभग 600 यात्री शुक्रवार को केएलएम की दो उड़ानों से एम्स्टर्डम के शिफोल हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद वायरस के नए वेरिएंट के चलते उनका ट्रायल कराया गया, जो कई घंटों तक चला। डच स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि यात्रियों में लगभग 85 केस पॉजिटिव हो सकते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक बयान में कहा, ह्यपॉजिटिव पाए जाने वाले यात्रियों को शिफोल या उसके पास एक होटल में आइसोलेशन में रखा जाएगा। पॉजिटिव पाए जाने वाले मामलों में ओमिक्रॉन चिंता का विषय है।ह्ल डच सरकार ने शुक्रवार तड़के दक्षिणी अफ्रीका से सभी हवाई यात्राओं पर प्रतिबंध लगा दिया था।

स्वास्थ्य मंत्री ह्यूगो डी जोंग ने कहा कि नीदरलैंड पहुंचने वाले यात्रियों को आगमन पर टेस्टिंग्स और आइसोलेशन से गुजरना होगा। केएलएम की दो उड़ानों केपटाउन और जोहान्सबर्ग से यात्रियों ने कहा कि वह घंटों तक सड़क पर इंतजार करते रहे। जोहान्सबर्ग से उड़ान में एक यात्री स्टेफनी नोलेन ने ट्वीट किया, ह्यजोरदार तालियांङ्घ एक बस है जो हमें कहीं ले जाने के लिए आई है।ह्ल उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ह्यएक लंबी कतार के पास खड़ी हो गई है। मैं दूर से पीपीई किट में कोविड जांच करने वालों को देख सकती हूं। अभी तक बच्चों के लिए नाश्ता नहीं आया है।ह्ल

शिफोल की देखरेख करने वाले डच क्षेत्र केनेमरलैंड में स्वास्थ्य अधिकारियों के प्रवक्ता ने कहा कि पॉजिटिव केस का विश्लेषण डच अकादमिक चिकित्सा अस्पताल द्वारा किया जा रहा है। डच सरकार ने शुक्रवार को बार, रेस्तरां और अधिकांश दुकानों को रात के समय बंद करने की घोषणा की। देश खुद कोविड-19 मामलों की बड़ी लहर का सामना कर रहा है, जिसके चलते इसकी स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ गया है।

ओली का वादा, सत्ता में आने पर कालापानी, लिंपियाधुरा, लिपुलेख को बातचीत के द्वारा भारत से ले लेंगे वापस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी दल सीपीएन-यूएमएल के मुखिया केपी शर्मा ओली ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह भारत से कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख क्षेत्रों को बातचीत के जरिए ह्यवापस ले लेंगे।ह्ल लिपुलेख दर्रा कालापानी के पास एक सुदूर पश्चिमी बिंदु है, जो नेपाल और भारत के बीच एक विवादित सीमा क्षेत्र है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपने क्षेत्र के अभिन्न अंग के रूप में दावा करते हैं। भारत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्से के रूप में और नेपाल धारचूला जिले के हिस्से के रूप में इस पर दावा करता है। काठमांडू से 160 किलोमीटर दक्षिण में चितवन में नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 10वें आम सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए ओली ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में वापस आती है तो वह ह्यभारत से बातचीत के माध्यम से लिम्पियाधुरा, कालापानी और लिपुलेख जैसे विवादित क्षेत्रों को वापस ले लेगी।ह्ल उन्होंने कहा, ह्यहम बातचीत के जरिए समस्याओं के समाधान के पक्ष में हैं, न कि पड़ोसियों से दुश्मनी करके।ह्ल

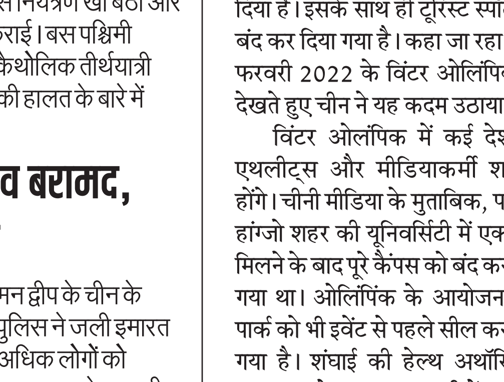

ओली ने विश्वास जताया कि सीपीएन-यूएमएल अगले साल होने वाले आम चुनाव में सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभरेगा। भारत द्वारा उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे को धारचूला से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क आठ मई, 2020 को खोले जाने के बाद द्विपक्षीय संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया था कि यह उसके क्षेत्र से होकर गुजरती है। कुछ दिनों बाद, नेपाल लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने क्षेत्रों के रूप में दिखाते हुए एक नया नक्शा लेकर आया। भारत ने इस कदम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। अपने संबोधन में, ओली ने कहा कि उनकी पार्टी ह्यनेपाल की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

इस बीच, उद्घाटन कार्यक्रम को विशेष अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने सभी राजनीतिक दलों से देश के विकास के लिए एक साथ आने और हाथ मिलाने का आग्रह किया। सम्मेलन की सफलता की कामना करते हुए उन्होंने कहा, ह्यहम सभी संविधान का मसौदा तैयार करने वाले थे, अब समय आ गया है कि हम सभी देश के विकास के लिए आगे बढ़ें।ह्ल नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के अलावा, बांग्लादेश, भारत, कंबोडिया और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों की पार्टियों के प्रतिनिधियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और पूर्व मंत्री हर्षवर्धन उन विदेशी प्रतिनिधियों में शामिल थे, जिन्होंने आम सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ से पेंशन समाधान विकसित किया

गुरुग्राम/फरीदाबादः ग्राहकों को सेवानिवृत्ति के बाद उनकी नियमित आय की जरूरतों को सुरक्षित करने में सक्षम बनाने और जीवन यापन की बढ़ती लागत के साथ तालमेल रखने के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने गारंटीड पेंशन योजना के तत्काल और स्थगित वार्षिकी विकल्पों को मिलाकर एक अभिनव सेवानिवृत्ति समाधान विकसित किया है। यह समाधान ग्राहकों को नियमित आय की गारंटी दे सकता है जो जीवन यापन की बढ़ती लागत की चुनौती का समाधान करता है। बढ़ती मुद्रास्फीति, एकल परिवारों और करियर के अवसरों की तलाश में विदेशों में प्रवास करने वाले बच्चों की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, बचत समाप्त होने या सेवानिवृत्त व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता के नुकसान का भी खतरा है। ह्यगारंटीकृत पेंशन योजनाह्ल एक वार्षिकी उत्पाद है जो तत्काल और आस्थगित वार्षिकी विकल्प प्रदान करता है। इमीडिएट एन्युइटी में ग्राहकों को खरीदारी के तुरंत बाद गारंटीड नियमित आय प्राप्त होने लगती है। दूसरी ओर, आस्थगित वार्षिकी में, ग्राहकों के पास भविष्य में आय प्राप्त करना शुरू करने का लचीलापन होता है - सेवानिवृत्ति के करीब। ग्राहकों के पास 10 साल की अवधि के लिए आय की शुरुआत को स्थगित करने का विकल्प होता है; स्थगन जितना लंबा होगा, आय उतनी ही अधिक होगी। दोनों विकल्पों में ब्याज दर जिस पर नियमित आय का भुगतान किया जाएगा, खरीद के समय लॉक किया गया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के उत्पादों के प्रमुख श्री बी श्रीनिवास ने कहा, ह्लकोविड -19 ने जीवन और आजीविका में व्यवधान पैदा किया है और उपभोक्ताओं को वित्तीय नियोजन के महत्व का एहसास कराया है, जिसमें सेवानिवृत्ति योजना पर विशेष ध्यान दिया गया है। गारंटीड पेंशन प्लान ग्राहकों को आजीवन नियमित आय की गारंटी देता है। गारंटीड पेंशन योजना को ह्यवर्ष 2021 का उत्पादह्ल के रूप में वोट दिया गया है, जो एक तरह से उत्पाद की लोकप्रियता को उजागर करता है।ह्ल श्रीनिवास ने आगे कहा, ह्लजीवन की बढ़ती लागत के बारे में ग्राहकों की चिंताओं को दूर करने के लिए, हमने तत्काल और स्थगित वार्षिकी वेरिएंट को मिलाकर एक अभिनव सेवानिवृत्ति समाधान भी विकसित किया है। यह ग्राहक को इस तरह से विकल्प चुनने की सुविधा देता है कि सेवानिवृत्ति आय 5 वें वर्ष के बाद दोगुनी हो जाती है और 11 वें वर्ष के बाद तिगुनी हो जाती है, जिससे ग्राहक को मुद्रास्फीति के प्रभावों का मुकाबला करने की क्षमता मिलती है। यह उत्पाद कुछ उद्योग-प्रथम सुविधाएँ प्रदान करता है, जिसमें ह्यखरीद मूल्य की वापसीह्ल शामिल है यदि पॉलिसीधारक को विशिष्ट गंभीर बीमारियों का पता चलता है या किसी दुर्घटना के कारण स्थायी विकलांगता से पीड़ित है। एक सेवानिवृत्त व्यक्ति बढ़ती मुद्रास्फीति को दूर करने के लिए स्थिर नियमित आय और महत्वपूर्ण रूप से बढ़ती आय प्राप्त करना चाहता है। वार्षिकी उत्पाद सेवानिवृत्ति आय को सुरक्षित करने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण हैं और इसे केवल एकमुश्त प्रीमियम भुगतान करके खरीदा जा सकता है, जिससे ग्राहक आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। संयुक्त जीवन वार्षिकी विकल्प चुनना यह सुनिश्चित करता है कि प्राथमिक पॉलिसीधारक की मृत्यु के मामले में पति या पत्नी को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के मामले में गारंटीकृत नियमित आय का भुगतान किया जाता है। दोनों पॉलिसीधारकों के निधन पर नामित व्यक्ति को खरीद मूल्य का भुगतान किया जाता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ से पेंशन समाधान विकसित किया

हिसार/करनालः ग्राहकों को सेवानिवृत्ति के बाद उनकी नियमित आय की जरूरतों को सुरक्षित करने में सक्षम बनाने और जीवन यापन की बढ़ती लागत के साथ तालमेल रखने के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने गारंटीड पेंशन योजना के तत्काल और स्थगित वार्षिकी विकल्पों को मिलाकर एक अभिनव सेवानिवृत्ति समाधान विकसित किया है। यह समाधान ग्राहकों को नियमित आय की गारंटी दे सकता है जो जीवन यापन की बढ़ती लागत की चुनौती का समाधान करता है। बढ़ती मुद्रास्फीति, एकल परिवारों और करियर के अवसरों की तलाश में विदेशों में प्रवास करने वाले बच्चों की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, बचत समाप्त होने या सेवानिवृत्त व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता के नुकसान का भी खतरा है। ह्यगारंटीकृत पेंशन योजनाह्ल एक वार्षिकी उत्पाद है जो तत्काल और आस्थगित वार्षिकी विकल्प प्रदान करता है। इमीडिएट एन्युइटी में ग्राहकों को खरीदारी के तुरंत बाद गारंटीड नियमित आय प्राप्त होने लगती है। दूसरी ओर, आस्थगित वार्षिकी में, ग्राहकों के पास भविष्य में आय प्राप्त करना शुरू करने का लचीलापन होता है - सेवानिवृत्ति के करीब। ग्राहकों के पास 10 साल की अवधि के लिए आय की शुरुआत को स्थगित करने का विकल्प होता है; स्थगन जितना लंबा होगा, आय उतनी ही अधिक होगी। दोनों विकल्पों में ब्याज दर जिस पर नियमित आय का भुगतान किया जाएगा, खरीद के समय लॉक किया गया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के उत्पादों के प्रमुख श्री बी श्रीनिवास ने कहा, ह्लकोविड -19 ने जीवन और आजीविका में व्यवधान पैदा किया है और उपभोक्ताओं को वित्तीय नियोजन के महत्व का एहसास कराया है, जिसमें सेवानिवृत्ति योजना पर विशेष ध्यान दिया गया है। गारंटीड पेंशन प्लान ग्राहकों को आजीवन नियमित आय की गारंटी देता है। गारंटीड पेंशन योजना को ह्यवर्ष 2021 का उत्पादह्ल के रूप में वोट दिया गया है, जो एक तरह से उत्पाद की लोकप्रियता को उजागर करता है।ह्ल श्रीनिवास ने आगे कहा, ह्लजीवन की बढ़ती लागत के बारे में ग्राहकों की चिंताओं को दूर करने के लिए, हमने तत्काल और स्थगित वार्षिकी वेरिएंट को मिलाकर एक अभिनव सेवानिवृत्ति समाधान भी विकसित किया है। यह ग्राहक को इस तरह से विकल्प चुनने की सुविधा देता है कि सेवानिवृत्ति आय 5 वें वर्ष के बाद दोगुनी हो जाती है और 11 वें वर्ष के बाद तिगुनी हो जाती है, जिससे ग्राहक को मुद्रास्फीति के प्रभावों का मुकाबला करने की क्षमता मिलती है। यह उत्पाद कुछ उद्योग-प्रथम सुविधाएँ प्रदान करता है, जिसमें ह्यखरीद मूल्य की वापसीह्ल शामिल है यदि पॉलिसीधारक को विशिष्ट गंभीर बीमारियों का पता चलता है या किसी दुर्घटना के कारण स्थायी विकलांगता से पीड़ित है। एक सेवानिवृत्त व्यक्ति बढ़ती मुद्रास्फीति को दूर करने के लिए स्थिर नियमित आय और महत्वपूर्ण रूप से बढ़ती आय प्राप्त करना चाहता है। वार्षिकी उत्पाद सेवानिवृत्ति आय को सुरक्षित करने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण हैं और इसे केवल एकमुश्त प्रीमियम भुगतान करके खरीदा जा सकता है, जिससे ग्राहक आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। संयुक्त जीवन वार्षिकी विकल्प चुनना यह सुनिश्चित करता है कि प्राथमिक पॉलिसीधारक की मृत्यु के मामले में पति या पत्नी को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के मामले में गारंटीकृत नियमित आय का भुगतान किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

दिसंबर में 12 दिन बंद रहेंगे बैंक!

मुंबई, एजेंसी। दिसंबर के महीने में कई दिन ऐसे रहेंगे जब बैंक बैंक बंद रहेंगे। सभी प्रमुख प्राइवेट और सार्वजनिक बैंक दिसंबर 2021 के महीने में त्योहारों और अन्य अनिवार्य कार्यों की वजह से बंद रहेंगे। इसलिए आप छुट्टी की लिस्ट पर नजर डालकर बैंक का रुख करें। हालांकि छुट्टियां राज्यों के अनुसार दी जाती है। इसके मुताबिक अगले महीने पूरे 12 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। इसमें साप्ताहिक छुट्टी भी शामिल है। वैसे तो हर दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं। कुछ छुट्टियां लोकल है इसलिए जिस राज्य में यह त्योहार मनाया जाता है, केवल वहीं बैंक बंद को बंद रखा जाता है। बैंकों में होने वाली छुट्टी पर एक नजर- 3 दिसंबर को फेस्ट ऑफ सेंट फ्रांसिस जेवियर के मौके पर पणजी के बैंकों में कामकाज बंद रहेगा। 5 दिसंबर रविवार साप्ताहिक अवकाश। 11 दिसंबर महिने का दूसरा शनिवार, 12 दिसंबर रविवार साप्ताहिक अवकाश, 18 दिसंबर को यू सो सो थाम की डेथ एनिवर्सरी पर शिलांग के बैंक बंद रहेंगे, 19 दिसंबर रविवार, 24 दिसंबर क्रिसमस का त्योहार के लिए आइजोल और शिलांग में बैंक बंद रहेंगे, 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर बेंगलुरु और भुवनेश्वर को छोड़कर बाकि सभी जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। 26 दिसंबर रविवार, 27 दिसंबर क्रिसमस सेलिब्रेशन के चलते आइजोल के बैंक बंद रहेंगे, 30 दिसंबर यू कियांग नॉन्गबाह को लेकर शिलांग में बैंक बंद रहेंगे, 31 दिसंबर न्यू ईयर इवनिंग के मौके पर आइजोल में बैंकों में कामकाज बंद रहेगा।

नए कोरोना वेरिएंट के डर से अमेरिकी बाजार भी धड़ाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के साथ शुक्रवार को अमेरिकी शेयर बाजार भी कोरोना वायरस के नए वेरिएंट के दहशत में दिखे। अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले। ट्रैवल, बैंक और कमोडिटी से जुड़े शेयरों में सबसे अधिक गिरावट देखने को मिली। कोरोना वायरस के संभावित खतरनाक वेरिएंट मिलने की खबर से बिकवाली को लेकर काफी दबाव देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका में तेजी से फैल रहे कोरोना विषाणु की एक नई किस्म मिलने और यूरोपीय संघ द्वारा दक्षिणी अफ्रीका से हवाई यात्रा को निलंबित करने के प्रस्ताव के बाद अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को नुकसान के साथ खुले। एसएंडपी 500 शुरूआती कारोबार में 1.4 प्रतिशत टूट गया जो सितंबर के आखिरी से सबसे बुरा प्रदर्शन है। वहीं डो जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 800 अंक से अधिक गिर गया और नैस्डैक कंपोजिट भी नुकसान के साथ खुला। ट्रैवल और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। यूएस ट्रेजरी यील्ड में शुक्रवार को कोरोना महामारी की शुरूआत होने के बाद से सबसे तेज गिरावट आई, क्योंकि निवेशक दक्षिण अफ्रीका में एक नए कोरोना वायरस वैरिएंट मिलने के बाद अब निवेश के सेफ ठिकाने ढूढ़ने में लग गए हैं। इससे पहले भारतीय बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई थी।

क्रूड ऑयल की कीमतों में बड़ी गिरावट

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट का पता चलने के बाद दुनियाभर के बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को क्रूड ऑयल की कीमतों में 12 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली जो कि साल 2020 के बाद एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। कोरोना के इस नए वेरिएंट के बाद कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई हैं। वहीं ब्रेंट की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से गिरकर 74 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई हैं। ब्रेंट में 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। खबरों के अनुसार डाउ 1000 पॉइंट नीचे गिर चुका है। तेल वैश्विक इक्विटी बाजारों के साथ इस डर से गिर गया कि वैरिएंट आर्थिक विकास और ईंधन की मांग को कम कर सकता है। ब्रिटेन और यूरोपीय देशों ने दक्षिणी अफ्रीका से यात्रा को प्रतिबंधित कर दिया है जहां वैरिएंट का पता चला था। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज जारी रही तो इसका असर भारत पर भी पड़ेगा। दरअसल, भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी तेल बाहर से खरीदता है। ऐसे में तेल की कीमतें नीचे आने से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। कच्चे तेल की कीमतें नीचे आने से पेट्रोल-डीजल की कीमतें नीचे आएंगी। पेट्रोल-डीजल की कीमतें नीचे आने से महंगाई पर असर पड़ेगा। थोक और रिटेल महंगाई में गिरावट आ सकती है।

स्वर्ण बॉन्ड योजना में सोना खरीदने पर ब्याज भी देगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। शादी समारोह के मौसम में सोने की खरीदारी बढ़ जाती है। हालांकि इसकी प्योरिटी से लेकर सुरक्षा तक की चिंताएं बनी रहती हैं। वहीं आप केंद्र सरकार की स्वर्ण बॉन्ड योजना के तहत गोल्ड की खरीदारी करते हैं तो इन चिंताओं से मुक्त रहेंगे और सबसे महत्वपूण बात यह है कि कि सरकार इस तरह के सोने की खरीदारी पर ब्याज भी देती है। केंद्रीय रिजर्व बैंक, स्वर्ण बॉन्ड योजना के तहत सोने की कीमत तय करता है। इस बार रिजर्व बैंक ने मूल्य दायरा 4,791 रुपए प्रति ग्राम तय किया है। वहीं ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल तरीके से भुगतान करने वाले निवेशकों को 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का भी फैसला किया गया है। ऐसे निवेशकों के लिए प्रति ग्राम गोल्ड की कीमत 4,741 रुपए होगी। स्वर्ण बॉन्ड योजना के तहत सोना के लिए आवेदन 29 नवंबर से पांच दिनों तक दिया जा सकेगा। यह योजना तीन दिसंबर को बंद होगी। कहने का मतलब ये है कि आपके पास 3 दिसंबर तक गोल्ड बॉन्ड खरीदने का मौका है। गौरतलब है कि ये गोल्ड फिजिकल नहीं बल्कि बॉन्ड की तरह खरीदे जा सकते हैं।

कामधेनु लिमिटेड पंजाब में अपनी उपस्थिति मजबूत करेगा

चंडीगढ़ः स्टील और पेन्ट के क्षेत्र में विविधतापूर्ण कारोबार करने वाली कामधेनू लिमिटेड ने पंजाब राज्य में टीएमटी बार बाजार मे अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए व्यावसायिक रणनीति की घोषणा की। कंपनी अगली पीढ़ी के हाई-एंड इंटरलॉक स्टील टीएमटी बार के अपने प्रीमियम ब्रांड ह्यकामधेनु नेक्स्टह्ल की राज्य में उत्पादन क्षमता को साल मे 1.9 लाख मीट्रिक टन प्रीमियम टीएमटी बार से बढ़ाकर 2.4 लाख मीट्रिक टन करने की योजना बना रही है।

कामधेनु नेक्स्ट को डबल रिब वाले अनोखे डिजाइन, अधिक मजबूती और लचीलापन, सामान्य स्टील टीएमटी बार से अधिक बेहतर बनाते हैं। ह्यकामधेनु नेक्स्टह्लने विशिष्ट डिजाइन की बदौलत कंक्रीट के साथ बेहतरीन तरीके से जोड़ने (इंटरलॉकिंग) में एक नया मानक गढा है जो ढांचे को अधिक मजबूती देता है। स्टील टीएमटी बार पर डबल रिब डिजाइन कंक्रीट और लोहे को जोड़ने की क्षमता को बढ़ाती है जो भूकंप और अन्य अप्रत्याशित तेज झटके की स्थिति में ढांचे को अधिकतम सुरक्षा प्रदान करती है। यह विशिष्टता इससे बनने वाले पुल, फ्लाइओवर, बांध, कोयला और पनबिजली परियोजनाएं, इंडस्ट्रीयल टावर, गगनचुंबी इमारतें और भूमिगत प्लेटफॉर्म के निर्माण के लिए सुयोग्य बनाती है।

इसके इलावा, कंपनी आने वाले वर्षों में 50 और डीलरों और वितरकों को जोड़कर राज्य में अपने डीलर और वितरक नेटवर्क को मजबूत बनाने की भी योजना बना रही है। वर्तमान में, कंपनी का पंजाब में लगभग 375 डीलर और वितरकों का नेटवर्क है।

कामधेनु लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, ह्लकामधेनु समूह के विकास के लिए पंजाब एक महत्वपूर्ण बाजार है जो बुनियादी ढांचे और निर्माण उद्योग के विकास के लिए बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है। कामधेनु नेक्स्ट की पहले से ही देश में टीएमटी बार के प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत उपस्थिति है। हम पंजाब राज्य में एक बड़े बाजार हिस्से पर कब्जा करने की उम्मीद कर रहे हैं। यह घरेलू टीएमटी सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की हमारी समग्र रणनीति के अनुरूप है।

एक्स्ट्रा मार्क्स ने ब्रांड की नई पहचान पेश की

रोहतक - भारत के सबसे भरोसेमंद एडुटेक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, एक्सट्रामार्क्स ने अपना नया लोगो, विजुअल पहचान और कैटेगरी में अपनी पोजीशन के लॉन्चड की घोषणा की है। कंपनी की ब्राडिंग के मूल तत्व नए विजुअल एसेट्स बन गए हैं। इसमें एक तरोताजगी से भरपूर कंपनी का लोगो और वन-स्टॉप लर्निंग ऐप सोल्यूशन शामिल है। इसमें एक्सट्रामार्क्स के सिद्धांतों और मूल्यों जैसे मनोरंजन, दिलचस्पी, एकीकृत और समावेशी शिक्षा की झलक मिलती है। यह नई ब्रांडिंग पहले ही आंतरिक और बाहरी कम्युनिकेशन चौनल पर लाइव हो चुकी है। द लर्निंग ऐप का लेटेस्ट वर्जन आईओएस और एंड्रॉयड डिवाइस के यूजर्स के लिए उपलब्ध है। इस लॉन्च के तहत, कंपनी ने फ्लैगशिप प्रॉडक्ट एक्सट्रामार्क्स- द लर्निंग ऐप में प्रयोगात्मक रूप से पूरी तरह बदलाव किया है। एक्सट्रामार्क्स में 12वीं कक्षा तक के लर्नर्स, जेईई, नीट सेग्मेंट्स को ऐप में एकीकृत किया गया है। इसके अलावा एक्सट्रामार्क्स- द लर्निंग ऐप में स्कूल बेस्ड सोल्यूशंस जैसे असेसमेंट सेंटर और लाइव क्लास प्लेटफॉर्म को शामिल किया गया है। इससे यह ऐप सभी श्रेणियों के लर्नर्स के लिए वन स्टॉप लर्निंग डेस्टिनेशन बन गई है। यह ऐप लर्न-प्रैक्टिस-टेस्ट की कसौटी पर परखी जा चुकी हुई शिक्षा प्रणाली का लाभ उठाती है, जो लर्नर्स को संपूर्ण रूप से शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

इस मौके पर एक्सट्रामार्क्स के सीईओ ऋत्विक कुलश्रेष्ठ ने कहा कि महामारी का प्रकोप फैलने के बाद पूरी शिक्षा प्रणाली में काफी बदलाव हुआ है और नए जमाने के स्टूडेंट्स को डिजिटल शिक्षा प्रणाली ने अपनी ओर आकर्षित किया है। इसने हमें समय के साथ आगे बढने का मौका दिया है। इससे एक्सट्रामार्क्स की समावेशी, सहज और पूरी तरह से तकनीक से लैस लर्निंग सोल्यूशंस प्रदान करने की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि हुई है। हमारी नई पहचान उस ऊर्जा की प्रतीक है, जो बच्चों में होती है। यह उनके सीखने के उत्साह और नए कॉन्सेप्ट्स के प्रति उनके आकर्षण की याद दिलाता है। अपने लोगों और द लर्निंग ऐप की फिर से लॉन्चिंग शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मकता, बहुआयामी, भविष्योन्मुखी और आधुनिक शिक्षा की स्पष्ट झलक देती है, जो हम सभी आयु वर्ग के लर्नर्स को प्रदान करते हैं।

सस्ते आयात के आगे तेल पेराई महंगी बैठने से बिनौला, सोयाबीन उद्योग संकट में

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सस्ते आयात के आगे तेल पेराई महंगी बैठने के आसन्न संकट के चलते तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सोयाबीन और बिनौला संयंत्रों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इन संयंत्रों को सस्ते आयात के आगे तेल पेराई महंगी बैठने के कारण घाटे में व्यापार करने पर मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे इन उद्योगों का संकट बढ़ गया है। बाजार में आम गिरावट का रुख होने के बीच बाकी तेल-तिलहनों के भाव पूर्वस्तर पर बने रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन प्लांट वालों को सोयाबीन की पेराई करने में प्रति किलो 5-7 रुपए का नुकसान है। यही हाल बिनौला का भी है। सस्ते आयातित तेलों के आगे ये तेल टिक नहीं पा रहे हैं और इन तेलों का कारोबार घाटे का सौदा बन गया है। किसान नीचे भाव में बिनौला और सोयाबीन बेच नहीं रहे क्योंकि उन्होंने पहले ऊंचे भाव पर अपनी उपज बेची थी। इसकी वजह से सोयाबीन तिलहन के दाम में सुधार है। इसी कारण सोयाबीन संयंत्र वालों की मांग के हिसाब से

सोयाबीन की उपलब्धता नहीं हो पा रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति के बीच महाराष्ट्र सरकार ने किसानों पर 'स्टॉक लिमिट' (स्टॉक रखने की निश्चित सीमा) को लागू करने से मना कर दिया है। महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि देश अपनी खाद्य तेल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगभग 75-80 प्रतिशत आयात पर निर्भर है और आयातित तेलों पर 'स्टॉक लिमिट' लागू नहीं होती, तो ऐसे में किसानों पर ही स्टॉक रखने की सीमा लगाना उनके हित में नहीं होगा। सूत्रों ने कहा कि किसानों की कम बिक्री करने की वजह से महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन की जो आवक पहले 75 हजार बोरी की थी वह घटकर लगभग 15,000 बोरी की रह गई है। उन्होंने बताया कि सस्ते आयात की वजह से सोयाबीन तेल कीमतों में गिरावट है। सूत्रों ने बताया कि सरसों के मामले में मिलों द्वारा अपने स्टॉक बाजार में उतारने की वजह से सरसों तेल-तिलहन के भाव में गिरावट आई है। इसी तरह राजस्थान और गुजरात में मूंगफली की आवक बढ़ने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट आई। सस्ते आयात के कारण बिनौला तेल में गिरावट देखने को मिली।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ से पेंशन समाधान विकसित किया

पानीपत,सोनीपतः ग्राहकों को सेवानिवृत्ति के बाद उनकी नियमित आय की जरूरतों को सुरक्षित करने में सक्षम बनाने और जीवन यापन की बढ़ती लागत के साथ तालमेल रखने के लिए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने गारंटीड पेंशन योजना के तत्काल और स्थगित वार्षिकी विकल्पों को मिलाकर एक अभिनव सेवानिवृत्ति समाधान विकसित किया है। यह समाधान ग्राहकों को नियमित आय की गारंटी दे सकता है जो जीवन यापन की बढ़ती लागत की चुनौती का समाधान करता है। बढ़ती मुद्रास्फीति, एकल परिवारों और करियर के अवसरों की तलाश में विदेशों में प्रवास करने वाले बच्चों की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, बचत समाप्त होने या सेवानिवृत्त व्यक्तियों के लिए वित्तीय सहायता के नुकसान का भी खतरा है। ह्यगारंटीकृत पेंशन योजनाह्ल एक वार्षिकी उत्पाद है जो तत्काल और आस्थगित वार्षिकी विकल्प प्रदान करता है। इमीडिएट एन्युइटी में ग्राहकों को खरीदारी के तुरंत बाद गारंटीड नियमित आय प्राप्त होने लगती है। दूसरी ओर, आस्थगित वार्षिकी में, ग्राहकों के पास भविष्य में आय प्राप्त करना शुरू करने का लचीलापन होता है - सेवानिवृत्ति के करीब। ग्राहकों के पास 10 साल की अवधि के लिए आय की शुरूआत को स्थगित करने का विकल्प होता है; स्थगन जितना लंबा होगा, आय उतनी ही अधिक होगी। दोनों विकल्पों में ब्याज दर जिस पर नियमित आय का भुगतान किया जाएगा, खरीद के समय लॉक किया गया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के उत्पादों के प्रमुख श्री बी श्रीनिवास ने कहा, ह्लकोविड -19 ने जीवन और आजीविका में व्यवधान पैदा किया है और उपभोक्ताओं को वित्तीय नियोजन के महत्व का एहसास कराया है, जिसमें सेवानिवृत्ति योजना पर विशेष ध्यान दिया गया है। गारंटीड पेंशन प्लान ग्राहकों को आजीवन नियमित आय की गारंटी देता है। गारंटीड पेंशन योजना को ह्यवर्ष 2021 का उत्पादह्ल के रूप में वोट दिया गया है, जो एक तरह से उत्पाद की लोकप्रियता को उजागर करता है।ह्ल श्रीनिवास ने आगे कहा, ह्लजीवन की बढ़ती लागत के बारे में ग्राहकों की चिंताओं को दूर करने के लिए, हमने तत्काल और स्थगित वार्षिकी वेरिएंट को मिलाकर एक अभिनव सेवानिवृत्ति समाधान भी विकसित किया है। यह ग्राहक को इस तरह से विकल्प चुनने की सुविधा देता है कि सेवानिवृत्ति आय 5 वें वर्ष के बाद दोगुनी हो जाती है और 11 वें वर्ष के बाद तिगुनी हो जाती है, जिससे ग्राहक को मुद्रास्फीति के प्रभावों का मुकाबला करने की क्षमता मिलती है। यह उत्पाद कुछ उद्योग-प्रथम सुविधाएँ प्रदान करता है, जिसमें ह्यखरीद मूल्य की वापसीह्लशामिल है यदि पॉलिसीधारक को विशिष्ट गंभीर बीमारियों का पता चलता है या किसी दुर्घटना के कारण स्थायी विकलांगता से पीड़ित है। एक सेवानिवृत्त व्यक्ति बढ़ती मुद्रास्फीति को दूर करने के लिए स्थिर नियमित आय और महत्वपूर्ण रूप से बढ़ती आय प्राप्त करना चाहता है। वार्षिकी उत्पाद सेवानिवृत्ति आय को सुरक्षित करने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण हैं और इसे केवल एकमुश्त प्रीमियम भुगतान करके खरीदा जा सकता है, जिससे ग्राहक आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकें। संयुक्त जीवन वार्षिकी विकल्प चुनना यह सुनिश्चित करता है कि प्राथमिक पॉलिसीधारक की मृत्यु के मामले में पति या पत्नी को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के मामले में गारंटीकृत नियमित आय का भुगतान किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 दिसंबर से शुरू, इन देशों पर रहेगा प्रतिबंध

मुंबई, एजेंसी। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि भारत सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 15 दिसंबर से सामान्य रूप से संचालित होंगी। गौरतलब है कि भारत आने-जाने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें कोविड-19 महामारी के कारण 23 मार्च, 2020 से ही बंद हैं। हालांकि, पिछले साल जुलाई से करीब 28 देशों के साथ हुए एयर बबल समझौते के तहत विशेष अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानें संचालित हो रही हैं। नागर विमानन मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि भारत आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक यात्री उड़ानों को फिर से शुरू करने के संबंध में फैसला गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सलाह से लिया गया है। सभी ने मिलकर भारत ये आने-जाने वाली अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को 15 दिसंबर से फिर से शुरू करने का निर्णय किया है। बता दें कि निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध मार्च 2020 से लागू है। अब सरकार कोविड की स्थिति को भांपते हुए धीरे धीरे उड़ानों से प्रतिबंध हटाने पर फैसला ले रही है। इस बीच पर्यटन उद्योग पर सरकार पर उड़ानों से प्रतिबंध हटाने का दबाव बना रही है। पर्यटन उद्योग ने उन देशों के लिए उड़ानें शुरू करने का अनुरोध किया है जहां कोरोना नियंत्रण में है। सरकार ने पहले पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 15 अक्टूबर से चार्टर्ड प्लेन से पर्यटकों को आने की अनुमति दी थी और इसके बाद 15 नवंबर से अंतराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि यूरोप और कई देशों में कोरोना संक्रमण के दोबारा रफ्तार पकड़ने की वजह से उड़ानें शुरू नहीं हो सकी थीं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

मुंबई, एजेंसी। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं किया है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम में गिरवाट का रूख बना हुआ है। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमत में शुक्रवार को लगातार 23वें दिन भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि सरकार ने दिवाली से एक दिन पहले केंद्र सरकार की तरफ से एक्साइज ड्यूटी में कटौती के बाद कई राज्य पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट में कटौती कर रहे हैं। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम अपने पीक से कम हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल के दाम 103.87 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 86.67 रुपए प्रति लीटर हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 109.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल के दाम 94.14 रुपए प्रति लीटर हैं। कोलकाता में पेट्रोल 104.67 रुपए प्रति लीटर और डीजल 89.79 रुपए प्रति लीटर हैं। चेन्नई में पेट्रोल 101.40 रुपए प्रति लीटर और डीजल 91.43 रुपए प्रति लीटर हैं। बेंगलुरु में पेट्रोल 100.58 रुपए प्रति लीटर और डीजल 85.01 रुपए प्रति लीटर है। भोपाल में पेट्रोल 107.23 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.87 रुपए प्रति लीटर हैं।

डब्ल्यूटीओ ने सरकारी मंत्रियों के सम्मेलन को टाला

जिनेवा, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने मंगलवार को होने वाले सरकारी मंत्रियों के अपने सम्मेलन को टाल दिया है। कोरोना वायरस के नये चिंताजनक स्वरूप के सामने आने के बाद स्विट्जरलैंड द्वारा नये यात्रा प्रतिबंध लागू किए जाने के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। जिनेवा में संगठन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जिनेवा स्थित डब्ल्यूटीओ मुख्यालय में होने वाले एमसी12 सम्मेलन में मत्स्य पालन के लिए सब्सिडी पर एक लंबे समय से प्रतीक्षित समझौता और कोविड-19 टीकों से जुड़े पेटेंट और अन्य बौद्धिक संपदा संरक्षण नियमों में छूट देने के प्रयास जैसे प्रमुख मुद्दों पर बातचीत होनी थी। मत्स्य पालन के लिए सब्सिडी संबंधी समझौते को दुनिया भर के समुद्रों में ज्यादा मछलियां पकड़ने से रोकने के एक प्रमुख तरीके के रूप में देखा जा रहा है। टैक्स चोरी का ठिकाना बना क्रिप्टो तो बैन तय समझिए, जानिए कैसे अवैध पैसों को बदला जाता है डॉलर में! अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि डब्ल्यूटीओ के 164 सदस्य राष्ट्रों के राजदूत नये स्विस यात्रा प्रतिबंधों के बाद चार दिवसीय सम्मेलन को टालने पर सहमत हो गए हैं क्योंकि इन प्रतिबंधों के कारण सभी प्रतिभागी भौतिक रूप से सम्मेलन में शामिल नहीं हो पाते और ऑनलाइन बैठक को अच्छा विकल्प नहीं माना जा रहा है। स्विस स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि दक्षिणी अफ्रीका से सभी सीधी उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और बेल्जियम, हांगकांग और इजराइल जैसे अन्य स्थानों से आने वाले सभी लोगों को आगमन पर कोविड-19 की नेगेटिव रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी और 10 दिन के लिए पृथक-वास में रहना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका में पाए गए चिंताजनक नए स्वरूप को अत्यधिक संक्रामक स्वरूप के तौर पर वर्गीकृत किया है और इसे ओमिक्रोन स्वरूप नाम दिया है।

आर अश्विन और अंपायर के बीच हुई कहासुनी, कप्तान और कोच को बीच में आना पड़ा

कानपुर, एजेंसी। भारतीय गेंदबाल आर अश्विन का विवादों से गहरा नाता है। कभी खिलाड़ी,तब कभी अंपायर से उलझ जाते हैं। ऐसा ही कुछ न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हुआ।दरअसल, कीवी ओपनर विल यंग को आउट करने के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड पर दबाव बनाने चाह रही थी।इसी कोशिश में अश्विन ने नया पैंतरा आजमाकर स्टम्प्स के काफी करीब से गेंदबाजी करना शुरू कर दिया। ऐसा करने के दौरान वहां कई बार अंपायर और नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े बल्लेबाज के सामने आ गए।इससे अंपायर नितिन मेनन खुश नजर नहीं आए और उन्होंने अश्विन को इसके लिए कई बार टोक दिया। अंपायर की यह बात अश्विन को नागवार गुजरी और दोनों में इसबात को बहस शुरू हो गई। यह वाकया न्यूजीलैंड की पारी के 77वें ओवर में घटा। यह विवाद यहीं नहीं रूका।अगले तीन ओवर तक अंपायर और अश्विन की इसी मसले पर बहस होती रही।विवाद ज्यादा बढ़ता देख कप्तान अजिंक्य रहाणे को भी आना पड़ा। अंपायर का यह तर्क था कि अश्विन फॉलो थ्रू में उनके सामने आ रहे हैं और इसमें वहां स्ट्राइक पर खड़े बल्लेबाज को नहीं देख पा रहे और किसी तरह की अपील होने पर फैसला देने में उन्हें परेशानी होगी।जबकि अश्विन की दलील थी कि अंपायर उन्हें गेंदबाजी से रोक रहे हैं।

अश्विन बार-बार कह कर रहें, उन्होंने डेंजर एरिया (विकेट के ठीक सामने वाला हिस्सा) से छेड़छाड़ नहीं की। नियमों के मुताबिक, कोई भी गेंदबाज अपने फॉलो-थ्रू में डेंजर एरिया में नहीं जा सकता। क्योंकि ऐसा करने से गेंदबाज के स्पाइक्स से विकेट खराब होने का डर रहता है। अंपायर मेनन और अश्विन की बातचीत कैमरे में भी रिकॉर्ड हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।जहां अश्विन ये कहते पाए गए कि मैं जो भी कर रहा हूं, नियमों के भीतर रहकर कर रहा हूं।मैदान पर बार-बार अश्विन और अंपायर मेनन के बीच बहस होती देख कोच राहुल द्रविड़ भी सीधे मैच रैफरी के पास पहुंचकर उन्होंने मामले पर बात की। मुलाकात के बाद अंपायर और अश्विन के बीच मैदान पर दोबारा बहस देखने को नहीं मिली।

अश्विन अपनी गेंद पर टॉम लाथम का एलबीडब्ल्यू मिस करने को लेकर अंपायर नितिन मेनन से खफा थे। दरसअल, जिस ओवर में अश्विन का अंपायर से विवाद हुआ था,उससे 4 ओवर पहले उनकी एक गेंद सीधे फ्रंट पैड से जा टकराई थी।अश्विन ने जोरदार अपील की।लेकिन नितिन मेनन ने लाथम को आउट नहीं दिया।भारत ने भी डीआरएस नहीं लिया।लेकिन रीप्ले से यह पता चला कि गेंद पैड में लगने के बाद सीधे स्टंप्स से टकराती।इसके बाद अगर भारत रिव्यू लेता तो लाथम आउट होते।इसी वजह से ओवर के बाद अश्विन ने गुस्से में जमीन पर लात मार दी।उनकी यह हरकत कैमरे में भी कैद हो गई थी।

सभी खिलाड़ी खेल भावना बनाए रखें और हार से हतोत्साहित होने की जरुरत नहीं : राज्यपाल

शिमला, एजेंसी। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शनिवार को ऊना के इंदिरा स्टेडियम में 31वीं सब-जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी खेल भावना बनाए रखें और हार से हतोत्साहित होने की जरुरत नहीं है।उन्होंने कहा कि खो-खो मिट्टी से जुड़ा खेल है,इस बढ़ावा देने की आवश्यकता है।राज्यपाल ने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ को बधाई देकर कहा कि प्रतिस्पर्धा में देश भर की 27 राज्यों की टीमें भाग ले रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि खेल शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को बढ़ाते हैं। युवाओं को खेल प्रतिस्पर्धा में भाग लेकर अनुशासन सीखना चाहिए क्योंकि खेल के मैदान के अनुभव जीवन में आगे बढ़ने का सबक बनते हैं। खेल प्रतियोगिता में भाग लेने से बच्चों की प्रतिभा को निखरने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने टोक्यो पैरा-ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले निषाद कुमार को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि निषाद ने मेडल जीतकर पूरे देश का मान बढ़ाया है।आने वाली पीढ़ी उनसे प्रेरणा लेकर खेलों के प्रति प्रोत्साहित होकर देश के लिए मेंडल लेकर आएगी।

इससे पूर्व कार्यक्रम में उपस्थित छठे राज्य वित्तायोग के अध्यक्ष सतपाल सिंह सत्ती ने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक शांत राज्य है, जो अपने अतिथि सत्कार के लिए प्रसिद्ध है तथा यहां के निवासी मृदुभाषी एवं मिलनसार हैं। उन्होंने कहा कि ऊना की धरती ने अनेकों महान खिलाड़ी दिए हैं।हॉकी में पद्मश्री चरणजीत सिंह व दीपक ठाकुर ऊना से ही हैं। अभी हाल ही में टोक्यो पैरा-ओलंपिक में निषाद कुमार ने भी रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वीरभूमि भी कहा जाता है क्योंकि देश का पहला परमवीर चक्र हिमाचल प्रदेश के वीर सपूत मेजर सोमनाथ शर्मा ने जीता था।

संक्षिप्त समाचार

कंगाल पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर का कर्ज देगा सउदी अरब

इस्लामाबाद, एजेंसी। नकदी संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से मदद मिलेगी। सउदी अरब जल्द ही पाकिस्तान को तीन अरब डॉलर का कर्ज मिलेगा। इस बीच, प्रधानमंत्री इमरान खान की अगुवाई में मंत्रिमंडल ने राशि को देश के केंद्रीय बैंक में रखने की सहमति दी है।रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी सरकार ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) में तीन अरब डॉलर का भंडार रखने का वादा किया था। समझौते के अनुसार, सहायता राशि एसबीपी के जमा खाते में एक साल तक रहेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया, एसबीपी ने सभी प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दे दिया है और अब सब कुछ ठीक है और यह राशि अगले कुछ दिन में प्राप्त होगी। एक आधिकारिक दस्तावेज के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सऊदी अरब से तीन अरब डॉलर की सहायता राशि को एसबीपी में रखने को मंजूरी दे दी है। वित्त पर प्रधानमंत्री के सलाहकार के प्रवक्ता मुजम्मिल असलम ने कहा कि पाकिस्तान अगले 60 दिन में सिर्फ तीन स्त्रोतों से सात अरब डॉलर प्राप्त करने की उम्मीद कर रहा है।

अक्षर के टेस्ट करियर का यह पांचवां 5 विकेट हॉल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाज अक्षर पटेल की फिरकी ने ग्रीन पार्क की पिच पर कीवी बल्लेबाजों के खिलाफ कमाल दिखा दिया है। करियर का अपना चौथा टेस्ट मैच खेले रहे अक्षर ने सीरीज के पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन 5 विकेट झटके। अक्षर के टेस्ट करियर का यह पांचवां 5 विकेट हॉल है। शुरूआती 4 टेस्ट मैचों में बतौर भारतीय सबसे अधिक 5 विकेट झटकने का रिकॉर्ड अक्षर पटेल के नाम है।लिस्ट में दूसरे नंबर पर नरेंद्र हिरवानी हैं। हिरवानी ने टेस्ट करियर के शुरूआती 4 मैचों में 3 बार 5 विकेट हॉल अपने नाम किया था। 27 वर्षीय अक्षर भारत में कैलेंडर ईयर में टेस्ट क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाले पहले लेफ्ट आर्म स्पिनर बने हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम पारियों में 5 विकेट हॉल का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पेसर रोडनी हॉग के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 6 पारियों में हासिल की थी। दूसरे नंबर पर चार्ली टर्नर, टॉम रिचडर्सन और अक्षर पटेल हैं, जिन्होंने कारनामा एक समान 7 पारियों में किया है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार सबसे अधिक 4 प्लस विकेट झटकने के मामले में श्रीलंका के दिग्गज मुथैया मुरलीधरन और पाकिस्तान के पूर्व पेसर वकार यूनिस हैं। दोनों ने 9 बार यह कमाल किया है। चार्ली टर्नर ने 8 वहीं जॉनी ब्रिग्स और अक्षर पटेल ने 6 बार यह रिकॉर्ड बनाया है। अक्षर ने साल 2021 की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के जरिए टेस्ट में डेब्यू किया था।

एआईबीए ने स्वतंत्र समूह द्वारा सुझाये अहम सुधारों को मंजूरी दी

ओलंपिक में मुक्केबाजी का भविष्य बचाने कई सुधार करेगा एआईबीए

लुसाने, एजेंसी। ओलंपिक खेल के रूप में मुक्केबाजी का भविष्य बचाने के लिये निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) ने एक स्वतंत्र समूह द्वारा सुझाये गए महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी दे दी है जिनमें अगले साल जून तक चुनाव कराना, महासचिव की भूमिका को बढाना और आईओसी से बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिये संपर्क अधिकारी की नियुक्त करना शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2019 में एआईबीए को निलंबित कर दिया था और तोक्यो ओलंपिक में मुक्केबाजी स्पर्धा एक कार्यसमूह के मार्फत कराई थी। आईओसी ने कहा था कि एआईबीए के प्रशासन, वित्त, रैफरिंग और जजिंग को लेकर चिंतायें बरकरार है और पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक में मुक्केबाजी का भविष्य निश्चित नहीं दिखता। एआईबीए ने अब कहा है कि वह आईओसी की सभी मांगों को पूरी करेगा। इसने कहा, 'निदेशक बोर्ड ने कांग्रेस को यह सुझाव देने का फैसला किया है कि चुनाव 30 जून 2022 तक करा लिये जायें। ये चुनाव इस्तांबुल में एआईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के दौरान हो सकते हैं। इसकी तारीख बोर्ड 31 दिसंबर 2021 को तय करेगा।' एआईबीए की असाधारण कांग्रेस 12 दिसंबर को निदेशक बोर्ड की बैठक के दौरान होगी।

सर्बिया बनाम ऑस्ट्रिया के बीच खेले गए टेनिस के डेविस कप फाइनल-ग्रुप एफ मैच के बाद हाथ मिलाते सर्बिया के नोवाक जोकोविच और ऑस्ट्रिया के डेनिस नोवाक।

कानपुर टेस्ट में भारतीय टीम को मिली 63 रनों की बढ़त

अक्षर पटेल के झटके पांच विकेट

कानपुर, एजेंसी। भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल (62/5) और अश्विन (82/3) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 142.3 ओवरों में 296 रनों पर ऑलआउट कर दिया। एक वक्त था जब न्यूजीलैंड काफी मजबूत दिख रहा था और बिना विकेट गंवाए 151 रन बना लिए थे, लेकिन विल यंग (89) का विकेट गिरने के बाद भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर टीम की मैच में वापसी करा दी। अक्षर और अश्विन के अलावा उमेश यादव, और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। लेकिन भारतीय टीम को दूसरी पारी में शुरूआत अच्छी नहीं रही।भारत ने शुभमन गिल के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया है, और खेल की समाप्ती तक 5 ओवर में एक विकेट पर 14 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल 4 और चेतेश्वर पुजारा 9 रन बनाकर नाबाद पवैलियन लौटे। गिल का विकेट काइल जैमीसन के खाते में गया है। भारत की बढ़त अब 63 रन की हो गई है।

इसके पहले अक्षर पटेल ने तीन विकेट जल्दी लेकर न्यूजीलैंड के मध्यक्रम की नींव हिला दी और भारत ने शानदार वापसी की। भारत को मैच में लौटाने का श्रेय वैसे उमेश यादव को जाता है, जिन्होंने लंच से ठीक पहले केन विलियमसन को सस्ते में आउट करके मेजबान को राहत दिलाई थी। अक्षर ने 13 रन के भीतर रोस टेलर (11), हेनरी निकोल्स (दो) और टॉम लाथम (282 गेंद में 95 रन) को पवेलियन भेजा। रविंद्र जडेजा ने नए बल्लेबाज रचिन रविंद्र (13) को आउट किया। इसके साथ ही न्यूजीलैंड का स्कोर छह विकेट पर 241 रन हो गया, जो एक विकेट पर 197 रन था। दूसरा सत्र भारत के नाम रहा जब भारतीय गेंदबाजों ने 52 रन के भीतर चार विकेट झटक लिए। उमेश ने दूसरी नई गेंद से कामयाबी हासिल की और आफ स्टम्प पर जाती उनकी गेंद पर विलियमसन चकमा खाकर पगबाधा आउट हो गए। उन्होंने 64 गेंदें खेलकर 18 रन बनाए।

न्यूजीलैंड ने पहले सत्र में 68 रन जोड़े। सलामी बल्लेबाज विल यंग पहले टेस्ट शतक से चूक गए और 218 गेंद में 89 रन बनाने के बाद अश्विन का शिकार बने। विलियमसन क्रीज पर आने के बाद से सहज नहीं दिखे। उन्होंने हालांकि रविंद्र जडेजा को दो चौके लगाकर दबाव कम करने का प्रयास किया।

बिना कोई मैच खेले टीम को विकेट दिलाने वाले खिलाड़ी बने केएस भारत

कानपुर, एजेंसी। टीम इंडिया और न्यूजीलैंड के बीच कानपुर टेस्ट में ऐसा चमत्कार हुआ, जिससे फैंस खुश हो गए। टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड टीम ने बिना कोई विकेट गंवाए 150 रन बना लिए थे।तभी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ओवर लेकर आए और उन्होंने कीवी ओपनर विल यंग को विकेटकीपर केएस भरत के हाथों कैच आउट कराया। सफलता में लगभग पूरा हाथ भरत का ही है। बात दें कि केएस भरत ने अब तक भारतीय टीम के लिए कोई भी मैच नहीं खेला है।वे डेब्यू के लिए लाइन में हैं।कानपुर टेस्ट में ऋद्धिमान साहा की जगह सब्सिटिट्यूट के तौर पर भरत विकेटकीपिंग कर रहे थे।इसके बाद भरत बिना कोई मैच खेले भारतीय टीम को विकेट दिलाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

दरअसल,मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर 345 रन का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड टीम की शानदार शुरूआत कर 150 रन तक कोई विकेट नहीं गंवाया।इसके बाद भारतीय गेंदबाज पूरी तरह हताश नजर आ रहे थे।तभी कुछ ऐसा हुआ, जिसने इंडिया में जोश भर दिया।कीवी टीम की दूसरी पारी का 67वां ओवर अश्विन लेकर आए।पहली ही बॉल बल्लेबाज विल यंग के बैट को छूकर विकेटकीपर भरत के हाथों में चली गई।भारतीय खिलाड़ियों ने अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने नॉट आउट करारा दिया।हालांकि, भरत को पूरा यकीन था कि बॉल और बल्ले का संपर्क जरूर हुआ है।इसके बाद उनके कहने पर कप्तान अजिंक्य रहाणे ने डीआरएस (डिसीजन रिव्यू सिस्टम) ले लिया।थर्ड अंपायर ने टीवी में रिप्ले देखकर पाया कि बॉल बैट को छूकर विकेटकीपर के दस्तानों में गई थी।जिसके बाद थर्ड अंपायर ने विल यंग को आउट करार दिया।इस तरह टीम इंडिया को यह पहली सफलता भरत के कारण मिली।विल यंग ने 214 बॉल खेलकर 89 रन बनाए। उन्होंने टॉम लाथम के साथ 151 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

भारत-पाक टी20 विश्व कप मुकाबले में मैच शुरू होने से पहले ही डर गई थी भारतीय टीम : इंजमाम

करांची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज इंजमाम-उल-हक ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप 2021 मैच की शुरूआत से पहले ही टीम इंडिया काफी दबाव में थी। रविवार 24 अक्टूबर को बाबर आजम एंड कंपनी ने मेन इन ब्लू को 10 विकेट से हराकर भारतीय टीम पर अपनी पहली विश्व कप जीत दर्ज की।

बाबर और मोहम्मद रिजवान ने पहले विकेट के लिए 152 रनों की साझेदारी कर पाकिस्तान को आसानी से जीत दिलाई। इंजमाम ने कहा कि बाबर और विराट कोहली के बीच जो अधिक दबाव में था, वह स्पष्ट था। इंजमाम ने कहा, मुझे लगता है कि मैच शुरू होने से पहले ही भारतीय डर गए थे। अगर आप टॉस में विराट कोहली और बाबर आजम का इंटरव्यू देखते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज से आप समझ सकते हैं कि कौन दबाव में था। हमारी टीम की बॉडी लैंग्वेज उनकी तुलना में काफी बेहतर थी। रोहित शर्मा खुद दबाव में थे। यह स्पष्ट था कि मैच शुरू होने से पहले ही वे सभी दबाव में थे।

उन्होंने कहा भारतीय टीम कभी भी उस तरह से नहीं खेलती जैसा उन्होंने खेला। वे एक अच्छी टी20 टीम हैं, इसमें कोई शक नहीं है। अगर आप पिछले 2-3 सालों में उनके प्रदर्शन को देखें तो वे पसंदीदा थे। लेकिन उस भारत-पाकिस्तान मैच ने उन पर इतना दबाव बना दिया कि उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पाकिस्तान से हारने के बाद, भारत को दुबई में उसी स्थान पर केन विलियमसन की अगुवाई में न्यूजीलैंड के हाथों 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इंजमाम ने कहा, उनके पैर बिल्कुल नहीं चल रहे थे। पाकिस्तान से हारने के बाद उनकी इतनी आलोचना हुई और 3-4 दिन का ब्रेक मिला। बेचारे सेंटनर और सोढ़ी को भी नहीं खेल सके। वे स्पिन के इतने अच्छे खिलाड़ी हैं। भारत ने लगातार तीन गेम जीतने के लिए स्कॉटलैंड, नामीबिया और अफगानिस्तान को हराया लेकिन सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहा। यह टूनामेंट भारत की टी20 इंटरनेशनल टीम के कप्तान के रूप में विराट कोहली का आखिरी मैच भी था।

आईपीएल-2022 की चयन कवायद शुरू, संजू सैमसन को रिटेन करेगी राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल-2022) के 15वें सीजन के लिए खिलाड़ियों के चयन की कवायद शुरू हो गई है। रिटेंशन की समय सीमा नजदीक आने के साथ ही फ्रेंचाइजीज ने उन खिलाड़ियों की सूची को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है, जिन्हें वे मेगा नीलामी से पहले रिटेन करना चाहते हैं। जबकि हर फ्रेंचाइजी को अधिकतम 4 खिलाड़ियों को बनाए रखने की अनुमति है।ऐसे में मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन को अपने पहले खिलाड़ी के रूप में बनाए रखने का फैसला किया है। शेष स्थानों के लिए खिलाड़ियों के नामों पर अभी भी चर्चा की जा रही है, इस पर निर्णय लिया जाना बाकी है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स ने अपने कप्तान संजू सैमसन को नए सत्र से पहले 14 करोड़ रुपए की कीमत पर रिटेन किया है। हालांकि, सैमसन को तकनीकी रूप से फ्रेंचाइजी के पहले प्रतिधारण के रूप में 16 करोड़ रुपए के लिए बनाए रखा गया था। कहा जाता है कि प्रबंधन ने उनके साथ 14 करोड़ रुपए के सौदे पर सहमति व्यक्त की है। फिर भी, अगर राजस्थान रॉयल्स 4 खिलाड़ियों को बरकरार रखता है और नीलामी में जाता है, तो उनके पास अभी भी 48 करोड़ का रुपए का अधिकतम पर्स शेष होगा। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि जब सैमसन को आखिरी बार 2018 में रॉयल्स द्वारा साइन किया गया था, तो वह 8 करोड़ रुपए की कीमत पर आए थे।

जहां तक राजस्थान रॉयल्स के लिए रिटेन करने वाले अन्य तीन रिक्त स्थानों की बात है तो लियाम लिविंगस्टोन, जोफ्रा आर्चर, यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के नामों पर चर्चा हो रही है। यहां आश्चर्य की बात यह है कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स चर्चा का हिस्सा भी नहीं हैं। जोफ्रा आर्चर हालांकि विश्व क्रिकेट में सबसे अधिक मांग वाले गेंदबाजों में से एक है, लेकिन उनकी फिटनेस और क्रिकेट से लंबे ब्रेक ने राजस्थान प्रबंधन को कुछ संदेह में डाल दिया है। कोहनी की चोट के कारण इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने न केवल पूरे आईपीएल 2021 बल्कि टी20 विश्व कप 2021 को भी मिस किया। जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। लगता है कि टी20 विश्व कप में जोस बटलर की फॉर्म ने राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन को उन्हें बनाए रखने के लिए राजी कर लिया है, और उन्हें उनकी दूसरी पसंद होने की उम्मीद है। जब स्टोक्स की बात आती है, तो यह केवल एक वित्तीय दृष्टिकोण से है कि फ्रेंचाइजी मालिकों को उन्हें अन्य विदेशी विकल्पों पर बनाए रखना मुश्किल हो रहा है।

टी20 विश्व कप 2021 में इंग्लैंड के लिए भी शानदार खेल दिखाने वाले लियाम लिविंगस्टोन को बरकरार रखा जा सकता है, अगर जोफ्रा आर्चर को जाने देने का फैसला करते हैं तो। वहीं यशस्वी जायसवाल इकलौते भारतीय क्रिकेटर हैं, जिनके नाम की चर्चा हो रही है। चूंकि वह एक अनकैप्ड खिलाड़ी है, इसलिए फ्रेंचाइजी के उन पर केवल 4 करोड़ रुपए खर्च करने की उम्मीद है।

भारतीय गेंदबाजों को लाइन लेंथ पर गेंद फेंकनी चाहिए : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कानपुर में खेले जा रहे पहले टेस्ट में कीवी ओपनर्स जोड़ी का भारतीय धरती पर यह दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। विल यंग और टॉम लाथम ने पहले विकेट के लिए 151 रन जोड़े। यंग 89 रन बनाकर आर अश्विन की गेंद पर आउट हुए। उनका कैच सब्सिट्यूट के तौर पर विकेटकीपिंग कर रहे केएस भरत ने लपका। हालांकि, तब तक यह दोनों ओपनर बड़ी साझेदारी कर चुके थे। दोनों ने कुल 400 गेंद खेली। न्यूजीलैंड की ओपनिंग जोड़ी का भारतीय धरती पर यह दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है। इससे पहले, मार्क रिचड्र्सन और लू विसेंट की जोड़ी ने 2003 के मोहाली टेस्ट में पहले विकेट के लिए 231 रन जोड़े थे। इस दौरान इस जोड़ी ने कुल 479 गेंद खेली थी।

इस बीच, पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने तीसरे दिन का खेल शुरू होने के बाद एक ट्वीट किया, जिसमें यह बताया कि क्यों न्यूजीलैंड के बल्लेबाज इतना हावी होकर खेल रहे और भारतीय गेंदबाज कहां चूक कर रहे हैं? उन्होंने लाथम का जिक्र करते हुए लिखा, ह्यलाथम को एक भी बाउंसर नहीं फेंकी। तेज गेंदबाजों की सिर्फ 6 गेंद स्टम्प्स की लाइन में आई और इससे ही विकेट के कई मौके बने। मुझे लगता है कि भारतीय गेंदबाजों को और कोशिश करनी चाहिए और इसी लाइन लेंथ पर गेंद फेंकनी चाहिए। आकाश की बात में दम भी नजर आ रहा है। क्योंकि कानपुर टेस्ट के दूसरे दिन भारत की पारी 345 रन पर खत्म हुई। इसके बाद टॉम लाथम और विल यंग बल्लेबाजी के लिए उतरे। लेकिन भारत के 5 गेंदबाज 57 ओवर फेंकने के बाद भी इस जोड़ी को नहीं तोड़ पाए। खासकर तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और उमेश यादव। इन दोनों ने कीवी ओपनर्स के लिए शॉर्ट गेंद का इस्तेमाल नहीं किया। उलटे भारतीय गेंदबाज रन बचाने की रणनीति के तहत गेंदबाजी करते दिखे।

दूसरे दिन टी ब्रेक के बाद 31 ओवर में भारतीय गेंदबाजों ने सिर्फ 57 रन दिए। भले ही वो रन बचाने में सफल रहे। लेकिन विकेट नहीं हासिल कर पाए। यंग और लाथम ने इसी का फायदा उठाया और दूसरे दिन 129 रन जोड़ डाले और फिर तीसरे दिन इस साझेदारी को 150 रन के पार पहुंचा दिया। उमेश यादव ने तीसरे दिन लंच तक 11.3 ओवर गेंदबाजी की। लेकिन एक भी शॉर्ट गेंद नहीं फेंकी। यही हाल ईशांत शर्मा का भी रहा। उन्होंने भी न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए ना तो स्लो बाउंसर और ना ही शॉर्ट गेंदों का इस्तेमाल किया। इसी का फायदा उठाते हुए न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन लंच तक 85 ओवर के खेल में 2 विकेट के नुकसान पर 197 रन बनाए।

इटली और पुर्तगाल विश्व कप प्लेऑफ में एक ही ड्रा में

जिनेवा, एजेंसी। कतर में 2022 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में इटली की टीम खेलेगी या क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल टीम खेलेगी। मौजूदा यूरोपीय चैम्पियन इटली और पूर्व चैम्पियन पुर्तगाल को शुक्रवार को निकाले गए प्लेआफ ड्रॉ में एक ही वर्ग में रखा गया है, यानी एक का बाहर होना तय है। इटली को मार्च में प्लेऑफ सेमीफाइनल में नॉर्थ मेसेडोनिया से खेलना है।इसके विजेता का सामना विश्व कप में जगह बनाने के लिए पुर्तगाल या तुर्की से होगा।

चार बार की चैम्पियन इटली 2018 विश्व कप नहीं खेल सकी थी और 1958 के बाद पहली बार क्वालीफाई नहीं कर सकी। अब इटली को लगातार दूसरी बार विश्व कप से बाहर होने से बचने के लिए 2016 यूरो चैम्पियन पुर्तगाल को हराना पड़ेगा। इटली के कोच राबर्टो मंचिनी ने कहा कि यह अच्छा ड्रॉ नहीं है और बेहतर हो सकता था। हम पुर्तगाल से खेलने से बचना चाहते थे जैसे वे हमसे खेलना नहीं चाहते होंगे। रोनाल्डो 2006 के बाद सारे विश्व कप खेले हैं, खिताब जीतने का यह उनके पास आखिरी मौका है। बारह टीमों के ड्रॉ में स्कॉटलैंड का सामना उक्रेन से होगा और विजेता टीम वेल्स या आस्ट्रिया से खेलेगी। रूस का सामना पोलैंड से होगा और फाइनल में स्वीडन या चेक गणराज्य से टक्कर होगी। छह प्लेऑफ सेमीफाइनल 24 मार्च से खेले जाएंगे। तीन फाइनल उसके पांच दिन बाद होंगे। तीन विजेता कतर में 2022 में होने वाले विश्व कप की 32 टीमों में शामिल होंगी।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

सर्दियों में इस तरह करें मेकअप

हम में से ऐसे कई लोग हैं जिन्हें मेकअप का काफी शौक होता है और जिसके लिए वे मेकअप से जुड़ीं जानकारियों से अपडेट रहना भी पसंद करते हैं। सर्दियों का मौसम आ चुका है और गर्मियों की अपेक्षा सर्दियों के मौसम में मेकअप काफी उभरकर दिखता है। लेकिन इसी के साथ ही सर्दियों के मौसम में त्वचा की बेरूखी भी परेशान कर देती है, क्योंकि सर्दियों में चेहरे पर काफी ड्राईनेस नजर आने लगती है और ऐसे में मेकअप कभी-कभी भद्दा दिखने लगता है। लेकिन हम आपके लिए कुछ आसान टिप्स लेकर आए हैं जिसको आजमाकर आप इस परेशानी से निजात पा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में मेकअप से पहले एक अच्छे क्लींजर से अपने पूरे चेहरे को अच्छी तरह से क्लीन कर लें। यह आपके चेहरे पर जमी गंदगी को साफ करेगा ही, साथ ही सॉफ्टनेस भी देगा। अब आपको एक अच्छे मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना है और अपने पूरे चेहरे पर इसे लगा लें और हल्की-सी मसाज कर लें।

मॉइस्चराइर के बाद आप प्राइमर का इस्तेमाल करें

अब आपका चेहरा बेस सेट करने के लिए तैयार है। अब आपको एक अच्छा फांउडेशन लेना है, जो आपके चेहरे की स्कीन से मैच करता हो। इससे एक शेड ज्यादा न कम। आपको अपने चेहरे के कलर के हिसाब से फांउडेशन का चुनाव करना है। अब अपने बेस को सेट करने के लिए आप हल्के से कॉम्पेक्ट पाउडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि आपको सिर्फ अपने बेस को सेट करने के लिए ही इसका इस्तेमाल करना है। मेकअप करते समय अपनी आंखों पर डार्क काजल, मस्कारा और लाइनर का इस्तेमाल जरूर करें। ये ठंड के मौसम में आपकी आंखों को हाईलाइट करते हैं इसलिए अपनी आंखों को नजरअंदाज न करें।

अब बारी आती है आपके होंठों की। लिपस्टिक का इस्तेमाल करने से पहले अपने होंठों पर पेट्रोलियम जैली का इस्तेमाल जरूर करें। यह आपके होंठों को ड्राईनेस से बचाएगी। मेकअप में हाईलाइट बहुत जरूरी होता है। खासकर इसका इस्तेमाल ठंड के मौसम में किया जाए तो यह आपको परफेक्ट लुक देने में मदद करता है इसलिए हाईलाइटर का जरूर इस्तेमाल करें।

जंक फूड के बजाए अपनाएं ये हेल्दी स्नैक्स

अगर आप सचमुच भूखे हैं, या फूड का हेल्दी और छोटा हिस्सा दिन भर खाते हैं, तो ये नुकसानदेह नहीं है लेकिन इसके पीछे अगर इमोशनल इटिंग (बिना भूख के खाने लगना) आपकी मंशा है, और आप सैचुरेटेड फैट, नमक या शुगर में अधिक डिब्बाबंद फूड को लालसा पूरी करने के लिए चुनते हैं, तो स्नैकिंग आपकी जिंदगी का दुश्मन हो सकता है।

स्नैकिंग आपके लिए कब हो सकता है नुकसानदेह?

न्यूट्रिशनिस्ट रियान फरनाडो कहते हैं, स्नैकिंग आपके लिए उस वक्त तक नुकसानदेह नहीं है जब तक कि आप गैर सेहतमंद सामग्री का सेवन न करें। उसके बजाए ये आपको देर तक भरा रखने में मदद कर सकता है और गैर सेहतमंद फूड्स के प्रति आपकी लालसा को कम करता है। खाने के विकल्पों में सचेत नहीं रहने पर गलत स्नैक को हम चुन सकते हैं और उसके नतीजे में वजन बढ़ सकता है और कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लेबल पर दिखाई देनेवाले अधिकतर हेल्दी प्रोडक्ट्स अक्सर खराब फैट और शुगर में अधिक होते हैं। स्नैक के विकल्प जैसे चिप्स में पोषण मान नहीं होता है लेकिन फैट्स, सोडियम और अधिक कैलोरी में भरपूर होता है

भोजन के बीच में हमें स्नैकिंग की इच्छा क्यों होती है?

न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि मौजूदा पोषक तत्वों की कमी या आपकी डाइट में खास पोषक तत्वों के अभाव की वजह से ये हो सकता है। मिसाल के तौर पर, अगर आपको चॉकलेट खाने की इच्छा है, तो आपके शरीर में मैग्नीशियम की कमी हो सकती है, जिसकी पूर्ति नट्स, सीड्स और फलों से होने की संभावना है। उनका कहना है कि जेनेटिक्स भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने कुछ हेल्दी स्नैक्स के सुझाव दिए हैं जो खराब स्नैक्स का विकल्प हो सकते हैं और आपके वजन कम करने में मदद कर सकते हैं।

- कैंडी या चॉकलेट के बजाए फल
- चिप्स के बजाए पॉपकॉर्न
- बिस्कुट के बजाए मूंगफली का मक्खन टोस्ट

झड़ते बालों से छुटकारा दिलाएगा

नीम का तेल

नीम एक ऐसी जड़ी-बूटी है जिससे शायद ही कोई अपरिचित रहा हो। खाने में बिल्कुल कड़वा लेकिन सेहत के लिए बहुत अच्छा। नीम का सेवन बीमारी, खाने में प्रयोग, स्किन के लिए उपयोग, बालों के लिए अलग-अलग प्रकार से उपयोग किया जाता है। वहीं ठंड में बाल झड़ने की समस्या से जूझना पड़ता है। इसके लिए नीम का तेल सबसे अच्छा उपाय है। इससे बाल झड़ने की समस्या से भी आराम मिलेगा, डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा मिलेगा और साथ ही समय से पूर्व हो रहे बाल सफेद से निजात मिलेगी। तो आइए जानते हैं ठंड के मौसम में नीम के तेल कैसे बनाएं और किस तरह आराम मिलेगा

नीम का तेल बनाने की सामग्री

- 1 कटोरी नीम की पत्तियां
- 1 कटोरी नारियल तेल

नीम का तेल बनाने की विधि

- सबसे पहले नीम की पत्तियों को साफ पानी से दो बार धो लें।
- फिर मिक्सर में डालकर अच्छे से पीस लें।
- बारीक हो जाने के बाद तेल और नीम के पेस्ट को मिक्स कर लें।
- धीमी आंच पर मिश्रण को कड़ाही में डालकर 5 मिनट तक पका लें।
- और फिर ठंड करके छानकर शीशी में भर लें।

नीम के तेल के फायदे -

- बालों को झड़ने से रोकेगा।
- असमय आ रहे सफेद बालों से निजात।
- डैंड्रफ और रूसी से निजात।
- रूखे और बेजान बालों को पोषण मिलेगा।
- बाल मजबूत होंगे।
- सिर में निकल रही ड्राई स्किन में आराम मिलेगा।
- सिर में हो रही खुजली में आराम मिलेगा।

मीठा के हैं शौकीन तो ट्राई करें ये स्वादिष्ट लड्डू

मीठे व्यंजनों को लेकर अधिकतर यही धारणा है कि ये अहेल्दी होते हैं। जबकि कई तरह के डेजर्ट ऐसे जो आपको दिनभर ऊर्जावान रख सकते हैं। आप कई तरह के लड्डू रेसिपी बना सकते हैं। ये न केवल आपके ऊर्जा के स्तर को बढ़ाएंगे बल्कि मीठे खाने की लालसा को भी तृप्त कर सकते हैं। आइए जानें आप कौन सी लड्डू रेसिपी बना सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स और नट्स लड्डू

इन स्वादिष्ट ड्राई फ्रूट्स और नट्स लड्डू को बनाने के लिए, एक ग्राइंडिंग जार लें और इसमें 1 कप भुनी हुई मूंगफली, 1 कप बादाम, 1 कप कटी हुई किशमिश और 1 कप पिसे हुए खजूर और एक चुटकी कोषेर नमक डालें. इन्हें दरदरा पीस लें, 2 चम्मच खरबूजे के बीज, 2 चम्मच शहद डालकर फिर से पीस लें. हथेलियों पर थोड़ा सा मक्खन लगाकर चिकना कर लीजिए और इनके छोटे-छोटे गोले बना लीजिए. इन्हें अच्छे से स्टोर करें और आनंद लें.

खजूर और किशमिश लड्डू

इस हेल्दी मिठाई को बनाने के लिए 1 कप खजूर और 1 कप किशमिश, 1/4 कप अलसी, 1/4 कप खरबूजे के बीज, चम्मच जायफल, 1/4 चम्मच दालचीनी लें. इन सबको एक साथ पीस लें और 2 चम्मच देसी नारियल डालकर अच्छी तरह मिला लें और अच्छी तरह से रोल करके एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर कर लें. आप इन्हें कभी भी रेफ्रिजरेट कर सकते हैं और मिठाई के रूप में इनका आनंद ले सकते हैं.

पीनट बटर और सेब लड्डू

हेल्दी नाश्ते के लिए तरस रहे हैं, तो 1 मध्यम आकार का सेब लें और इसे अच्छी तरह से कद्दूकस कर लें. एक बाउल में निकाल लें और आधा कप पीनट बटर, 3 चम्मच ग्रेनोला, 3 चम्मच कुटी मूंगफली और एक चुटकी दालचीनी डालें. इसे एक साथ मिलाएं और कुरकुरे पीनट बटर और एप्पल लड्डू बनाएं.

अंजीर लड्डू

एक कटोरी लें, 1 कप अंजीर को गर्म पानी में भिगोएं और एक चिकना पेस्ट बनाएं. इसमें कप बादाम, 2 चम्मच अलसी, 2 चम्मच सूरजमुखी के बीज, 2 चम्मच खरबूजे के बीज, 1 चम्मच एसेंस, 1 चम्मच लेमन जेस्ट और कप ओट्स मिलाएं. इन सबको एक साथ ब्लेंड करें, छोटी बॉल्स में रोल करें और इन्हें कभी भी परोसें.

क्रैनबेरी ओट्स लड्डू

इन झटपट क्रैनबेरी ओट्स लड्डू को बनाने के लिए, एक ब्लेंडर जार लें और इसमें 1 कप कटे हुए क्रैनबेरी, 2 चम्मच शहद, 2 चम्मच चिया सीड्स, 3 चम्मच खरबूजे के बीज, 1 कप रोल्ड ओट्स और कप किशमिश मिलाएं. एक मोटा मिश्रण बनाएं, अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा मक्खन लगाकर चिकना करें और छोटे-छोटे बॉल्स में रोल करें.

सेहत के लिए फायदेमंद पीनट बटर

वेट लॉस : पीनट बटर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, यही वजह है कि इसका एक चम्मच खाने से पेट भरा रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके एक सर्विंग में 2.6 ग्राम फाइबर और 7 से 8 ग्राम प्रोटीन होता है। रोस्टेड ब्रेड पर पीनट बटर खाना लोग काफी पसंद करते हैं। ये कैलोरी, वसा और सोडियम में भी कम होता है। ये वजन कम करने में भी मदद कर सकता है।

कैंसर के रिस्क : कुछ अध्ययन के मुताबिक पीनट बटर को विशेष रूप से पेट के कैंसर के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इसमें कई यौगिक होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यहां तक कि मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, कोलन, फेफडे, लिवर और अन्य कैंसर से बचाने के लिए जाना जाता है।

स्वस्थ दिल : पीनट बटर पी-कौमरिक एसिड से भरपूर होता है, जो दिल से जुड़ी बीमारियों में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें असंतृप्त वसा भी होता है. जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। तो ये कहना सुरक्षित है कि पीनट बटर खाने से कार्डियोवैस्कुलर और कोरोनरी हृदय रोग का खतरा कम हो जाएगा। पीनच बटर में आयरन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है, जो हेल्दी और स्ट्रॉन्ग बोन्स को प्रमोट करता है।

हेल्दी रहने के लिए पीएं चाकलेट मिल्क

चाकलेट एक ऐसी चीज है जो बच्चों की पसंदीदा तो होती है ही, साथ ही बडों को भी यह काफी अच्छी लगती है। अगर आपका नाम भी ऐसे लोगों की लिस्ट में शुमार है जो चाकलेट के दीवाने हैं तो आप आज से ही चाकलेट मिल्क पीना शुरू कर दीजिए। इससे आपको टेस्ट तो आएगा ही, साथ ही आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त होंगे। चाकलेट मिल्क पीने के फायदों के बारे में-

★ चॉकलेट मिल्क शरीर को मांसपेशियों के ऊतकों के पुनर्निर्माण और कुशलतापूर्वक ऊर्जा की आपूर्ति को फिर से भर देता है। दरअसल चॉकलेट मिल्क आपकी ऊर्जा को बढ़ाने रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट प्रदान करता है।

★ एक कप चॉकलेट मिल्क 9 ग्राम प्रोटीन और विटामिन ए के लिए आरडीए का 10 प्रतिशत प्रदान करता है। त्वचा स्वास्थ्य के लिए विटामिन ए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह त्वचा की झुर्रियों को रोकने में मदद करता है, और नई त्वचा कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ाता है, जो पुराने क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को बदल देता हैं।

★ एक कप चॉकलेट मिल्क में विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन डी आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। विटामिन डी के सेवन से कार्डियोवस्कुलर और रेस्पिरेटरी बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

20 से 30 की उम्र में अपनाएं ये टिप्स

20 से 30 साल की उम्र में हमारा स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होता है। जिस कारण त्वचा पर भी हमेशा ग्लो रहता है। लेकिन हम भूल जाते हैं कि अगर अभी त्वचा की देखभाल नहीं की, तो आगे चलकर ढीली त्वचा, बेजान व रूखी त्वचा जैसी परेशानियां हो सकती हैं। जो लोग 20 से 30 साल की उम्र में यहां बताए जा रहे टिप्स अपना लेते हैं, जिंदगीभर उनकी त्वचा में चमक और जवानी रहती है।

हाइड्रेशन है सबसे जरूरी

त्वचा को बिल्कुल दोषरहित बनाने के लिए हाइड्रेशन सबसे जरूरी है। जो कि त्वचा को रूखा होने से बचाता है और नमी प्रदान करता है। इसके लिए 20 से 30 साल की उम्र के लोगों को रोजाना 3 लीटर के आसपास पानी पीना चाहिए।

मॉश्चराइजर सभी के लिए

ऑयली स्किन वाले लोगों को लगता है कि उन्हें मॉश्चराइजर की जरूरत नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं होता। चाहे आपकी स्किन ड्राई हो या ऑयली या फिर नॉर्मल। हर किसी के लिए मॉश्चराइजर जरूरी है, जो स्किन को चमकदार बनाए रखने में मदद करता है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं क्या?

बुढ़ापे तक त्वचा को चमकदार बनाने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। क्योंकि, इससे ना सिर्फ सूरज की हानिकारक किरणों से सुरक्षा मिलती है, बल्कि त्वचा को पोषण भी बना रहता है।

बीमारियों का काल है नीरा

नीरा और ताड़ी में अंतर

बहुत से लोग ताड़ी और नीरा को एक ही समझ लेते हैं जबकि दोनों अलग-अलग चीजें हैं। दोनों ही नारियल के पेड़ से निकलती है लेकनि ताजा रस को नीरा और उसके फर्मेंट रूप को ताड़ी कहा जाता है। वहीं, नीरा स्वाद में मीठा जबकि ताड़ी खट्टी होती है।

100 से अधिक बीमारियों का काल

शोध की मानें तो नीरा का सेवन 100 से अधकि बीमारियों को दूर करने में कारगार है। पेड़ से तुरंत निकालने के बाद इसका सेवन कर लें क्योंकि ज्यादा देर खुला छोड़ने से इसके गुण खत्म होने लगते हैं। महाराष्ट्र तमिलनाडु, गुजरात, केरल, आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों में यह आसानी से मिल जाता है।

डिहाइड्रेशन से बचाव

गर्मी में इसका सेवन शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाने में मदद करता है क्योंकि इसमें 84% पानी होता है। साथ ही इससे आपको एनर्जी भी मिलती है।

कमजोरी दूर करे

नीरा का सेवन कमजोरी, सुस्ती, थकावट दूर करने में भी मददगार है। खासकर गर्भवती महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

पेट के लिए फायदेमंद

पेट से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में भी नीरा काफी मददगार है। हफ्ते में 1 बार इसका सेवन कब्ज, एसिडिटी, आंत की समस्याओं को दूर रखता है।

यूरिन में जलन

शरीर में पानी की कमी या किसी और वजह से यूरिन पास करते समय जलन होता है तो इसका सेवन करें। नीरा पीने से यह समस्या दूर होती है।

खून की कमी करें दूर

शरीर में खून या व्हाइट सेल्स की कमी है तो इसका सेवन करें। इसमें आयरन व जिंक होता है, जो एनीमिया को दूर करने में मददगार है।

वजन बढ़ाने में मददगार

अगर आप वजन बढ़ाने के तरीके ढूंढ रहे हैं तो हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका सेवन करें। आपको खुद रिजल्ट देखने को मिलेगा।

टीबी की बीमारी दूर करने में फायदेमंद

टीबी जैसी गंभीर बीमारी में भी नीरा पीना फायदेमंद है। डॉक्टर्स भी टीबी की बीमारी में इसे पीने की सलाह देते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

आंखों की रोशनी बढ़ाने के अलावा नीरा आईज ड्राईनेस, जलन, खुजली, धुंधलापन, कंजक्टिवाइटिस को दूर रखने में भी मदद करता है।

पीलिया

नीरा का सेवन करने से पीलिया के लक्षण नजर भी कम होते हैं और जल्दी रिकवरी होती है।

बॉडी की स्ट्रेंथ बढ़ाने के व्यायाम

व्यायाम करना सेहत के लिए बेहद आवश्यक माना गया है। व्यायाम आपको निरोगी बनाने के साथ-साथ आपकी बॉडी का स्टेमिना और स्ट्रेंथ भी बढ़ती है। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे व्यायाम के बारे में बता रहे हैं जो आपकी अपर बॉडी की स्ट्रेंथ को बढ़ाने का काम करते हैं-

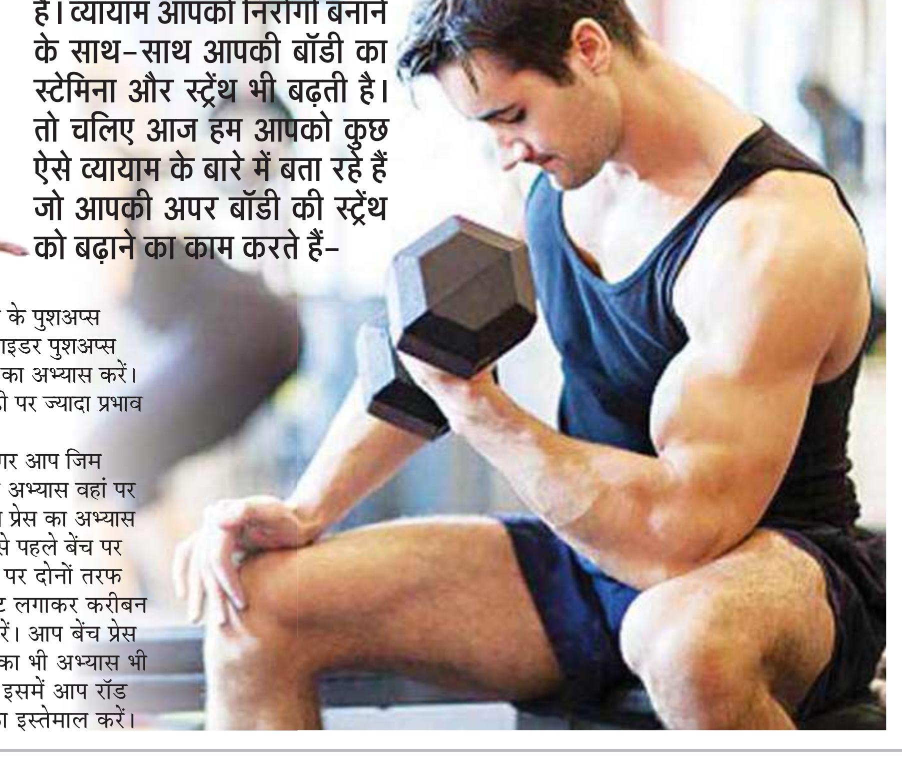

पुल अप्स : अपर बॉडी स्ट्रेंथ बढ़ाने के लिए पुल अप्स का अभ्यास करना एक काफी अच्छा व्यायाम साबित हो सकता है। इसका अभ्यास करने के लिए आप थोड़ी ऊंचाई पर फिट रॉड को पकड़ें और सिर्फ अपने हाथों के जोर पर अपने शरीर को ऊपर की तरफ लेकर जाएं। इस एक्सरसाइज के दौरान आपके शरीर का सारा भार आपके कंधों पर होता है।

पुश अप्स : अपर बॉडी को बेहतर बनाने के लिए पुशअप्स की प्रैक्टिस भी अवश्य करनी चाहिए। आप शुरूआत नॉर्मल पुशअप्स या वॉल पुशअप्स से कर सकते हैं। जब एक से दो महीने में आप रोजाना इसका अभ्यास करने से अभ्यस्त हो जाएंगे तो आप कई तरह के पुशअप्स जैसे क्लोज पुशअप्स, वाइडर पुशअप्स व क्लैप पुशअप्स आदि का अभ्यास करें। इससे आपकी अपर बॉडी पर ज्यादा प्रभाव डालते हैं।

बेंच प्रेस व चेस्ट प्रेस : अगर आप जिम जाते हैं तो आपने इसका अभ्यास वहां पर अवश्य किया होगा। बेंच प्रेस का अभ्यास करने के लिए आप सबसे पहले बेंच पर लेट जाएं और फिर रॉड पर दोनों तरफ करीबन 5-5 किलो वेट लगाकर करीबन दस रैप के तीन सेट करें। आप बेंच प्रेस की तरह ही चेस्ट प्रेस का भी अभ्यास भी किया जाता है, लेकिन इसमें आप रॉड के स्थान पर डम्बल का इस्तेमाल करें।

आज की रेसिपी

बाटन पापड़ी चाट

सामग्री :

- 4-5 बन्स2 टेबल स्पून सेव 3 उबले आलू , टुकड़ों में कटा हुआ3-4 करकुरी पापड़ी2 टेबल स्पून पुदीने की चटनी2 टेबल स्पून इमली की चटनी1 टी स्पून चाट मसालास्वादानुसार नमक1 टी स्पून जीरा पाउडर1 टी स्पून लाल मिर्च पाउडर2 टेबल स्पून प्याज, टुकड़ों में कटा हुआ2 टेबल स्पून धनिया पत्ती1 टेबल स्पून पुदीना पत्तियां

विधि :

- उबले हुए आलू को क्यूब्स में काट लें और प्याज को बारीक काट लें. अब, एक प्लेट लें, बन्स (बाटन) को छिद्रपूर्ण पक्ष के साथ ऊपर की ओर रखें.
- फिर इसमें कटे हुए आलू, प्याज, कुटी हुई पापड़ी, सेव डालें और ऊपर से थोड़ा नमक, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर और चाट मसाला छिड़कें.
- अब, दोनों चटनी डालें और बन्स को हरे धनिये और अनार के दानों से सजाएं.
- आपका सिंधी स्टाइल पापड़ी चाट खाने के लिए तैयार है.